केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- जमीनी स्तर की योजनाओं से मिलती हैं बड़ी उपलब्धियां- 12

अमेरिकी शुल्क के बावजूद भारत का निर्यात स्थिर भारतीय बाजारों में विविधता से मिली मजबूती- 12

बांग्लादेश सरकार का दावा- उस्मान हादी के दो संदिग्ध हत्यारे भारत भागे - 13

नया साल भारतीय महिला हॉकी के लिए नई उम्मीद लेकर आएगा : ड्रैग फ्लिकर दीपिका - 14

आज का मौसम

20.0° अधिकतम तापमान

09.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.56

सूर्यास्त 05.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष शुक्ल पक्ष नवमी 10:12 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 29 दिसंबर 2025, वर्ष 4, अंक 129, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

10 हजार रन बनाने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनीं मंधाना

तिरुवनंतपुर, एजेंसी

- भारतीय उपकप्तान ने 281 पारियों में हासिल की यह उपलब्धि

उपकप्तान स्मृति मंधाना रविवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 मैच के दौरान महिला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाली भारत की दूसरी व दुनिया की कुल चौथी बल्लेबाज बनीं।

स्मृति ने यहां ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में निमाशा मीपागे की गेंद पर जैसे ही 27वां रन बनाया स्टेडियम तालियों से गूंज पड़ा। भारत की मिताली राज, इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स और न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स उनके पहले यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं। स्मृति ने हालांकि सबसे कम पारियों में 10 हजार रन पूरा करने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने 281 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। मिताली इस सूची में 291 पारियों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। चार्लोट और सूजी ने क्रमशः 308 और 314 पारियों में इस आंकड़े को छुआ था। (विस्तृत खेल पेज पर)

40 जिलों में छाया घना कोहरा, जारी रहेगा सर्दी का सितम

- यूपी के कई जिलों में घने कोहरे से जनजीवन अस्त-व्यस्त
- पूर्वांचल के अलावा तराई बेल्ट के जिलों में कोल्ड-डे की स्थिति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का कहर बढ़ता जा रहा है। रविवार को 40 जिलों में घना कोहरा छाया रहा। वहीं मौसम विभाग के मुताबिक आगामी दिनों में सर्दी का सितम जारी रहेगा।

आने वाले तीन दिनों 29 से 31 दिसंबर को और कड़ाके की सर्दी का सामना करना पड़ सकता है। दिन में उत्तरी पश्चिमी हवाओं के चलने से कोल्ड-डे की स्थिति बनी रहेगी।

न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से. पहुंचा: यूपी के कई जिलों में न्यूनतम तापमान लुढ़ककर 5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। इनमें बाराबंकी, कानपुर समेत कई जिले हैं। वहीं, इटावा सबसे ठंडा जिला रहा। यहां पर न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था, जो की सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं, अधिकतम तापमान झांसी जिले में 24 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो की सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। लखनऊ का अधिकतम तापमान 19 व न्यूनतम 10 डिग्री से. रहने की संभावना है। बाराबंकी में 7, सोनभद्र में 7, फतेहपुर में 7, आगरा में 7 डिग्री से. न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया।

110 से ज्यादा ट्रेनें लेट: खराब मौसम के चलते 110 से ज्यादा ट्रेनें लेट हैं तो कई डाइवर्ट-रीशेड्यूल्ड की गईं हैं। डायवर्ट टेनों में 16032 अंडमान एक्सप्रेस, 11078 झेलम एक्सप्रेस, 12751 जम्मू तवी हमसफर एक्सप्रेस हैं। कई घंटे लेट चल रहीं ट्रेनों में 12417 प्रयागराज एक्सप्रेस, 12427 रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस, 12309 न्यू दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस, 15658 ब्रह्मपुत्र मेल,14117 कालिंदी एक्सप्रेस के साथ अन्य ट्रेनें शामिल रहीं।

ट्रेनें घंटों लेट, 20 से ज्यादा फ्लाइटें हुईं कैंसिल

घने कोहरे के कारण तेजस समेत कई ट्रेनें घंटों लेट चल रही हैं। विमान सेवा पर भी मौसम का असर पड़ा है। बस सेवाओं भी प्रभावित हो रहीं हैं। लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या से आने व जाने वाली लगभग 20 से अधिक उड़ाने घंटो लेट रहीं। कुछ उड़ानों को निरस्त भी कर दिया गया। ऐसे में स्पाइसजेट, एयर इंडिया और इंडिगो के साथ-साथ लखनऊ, दिल्ली एयरपोर्ट ने भी ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली, अमृतसर, जम्मू, अयोध्या, गोरखपुर, वाराणसी, चंडीगढ़, दरभंगा, पटना, हिंडन, रांची, गुवाहाटी, बागडोगरा की उड़ानें प्रभावित हैं।

स्कूलों में 15 दिनों के शीतकालीन अवकाश की तैयारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों (कक्षा 1 से 8 तक) में पढ़ने वाले लाखों छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को राहत मिल सकती है। सनसनाती सर्दी और शीतलहर को देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने 15 दिनों के शीतकालीन अवकाश की तैयारी शुरू कर ली है। ऐसे में परिषदीय स्कूल 31 दिसंबर 2025 से 14 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगे। छुट्टियों से पहले शिक्षकों के लिए सख्त निर्देश भी जारी किए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) की ओर से कहा गया है कि स्कूल बंद होने से पहले शिक्षक अपने सभी लंबित विभागीय कार्यों को हर हाल में निपटा लें।

ब्रीफ न्यूज

दवा संयंत्र में विस्फोट मामले में सिगाची इंडस्ट्रीज का सीईओ गिरफ्तार

हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में सिगाची इंडस्ट्रीज के दवा संयंत्र में इस साल जून में हुए विस्फोट के सिलसिले में कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना में 54 लोगों की मौत हो गयी थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के मामले में आरोपी नंबर दो के रूप में नामजद सिगाची इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित राज सिन्हा को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जो सभी दवा कंपनी से जुड़े हैं। 30 जून को संगारेड्डी जिले में सिगाची के विनिर्माण संयंत्र में विस्फोट हुआ था।

संपत्ति दिलाने के नाम पर 12 करोड़ की ठगी पांच लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गुरुग्राम के डीएलएफ कैमेलियास में ऐसी संपत्ति बेचने के नाम पर 12 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जो अस्तित्व में ही नहीं है। इन गिरफ्तारियों से एक संगठित प्रॉपर्टी धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है जो पीड़ितों को ठगने के लिए फर्जी बैंक नीलामी दस्तावेजों का इस्तेमाल कर रहा था। गिरोह बैंकों द्वारा नीलाम की गई प्रीमियम संपत्तियों पर तुरंत कब्जा दिलाने का झूठा दावा करके कई राज्यों में 200 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुका है।

युवा शक्ति के कारण दुनिया भारत की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है : मोदी

मन की बात में प्रधानमंत्री बोले- हमारे विज्ञान और तकनीक ने सभी को प्रभावित किया

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी के विस्तार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने दुनिया भर के देशों को बहुत प्रभावित किया है और युवा शक्ति के कारण पूरी दुनिया देश की ओर बड़ी उम्मीदों से देख रही है। मोदी ने अपने मासिक मन की बात संबोधन में कहा, आज दुनिया भारत को बहुत आशा के साथ देख रही है। भारत से उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है, हमारी युवा शक्ति।

मोदी ने कहा, भारत के युवाओं में हमेशा कुछ नया करने का जुनून है और वो उतने ही जागरूक भी हैं। मेरे युवा साथी कई बार मुझसे यह पूछते हैं कि राष्ट्र निर्माण में वो अपना योगदान और कैसे बढ़ाएं, वो कैसे अपने विचार साझा कर सकते हैं। कई साथी पूछते हैं कि मेरे सामने वो अपने विचार को कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं, उन्होंने कहा कि हमारे युवा साथियों की इस जिज्ञासा का समाधान है विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग। उन्होंने कहा कि पिछले साल इसका पहला संस्करण आयोजित हुआ था और अब कुछ दिन बाद उसका दूसरा संस्करण आयोजित होने वाला है। अगले महीने की 12 तारीख को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर 'राष्ट्रीय युवा दिवस' मनाया जाएगा। इसी दिन 'यंग लीडर्स डायलॉग' का भी आयोजन होगा और मैं भी इसमें जरूर शामिल होऊंगा। इसमें हमारे युवा नवोन्मेष, फिटनेस, स्टार्टअप और कृषि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे। मैं इस कार्यक्रम को लेकर बहुत ही उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे बहुत से मंच विकसित हो रहे हैं, जहां युवा अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। ऐसा ही एक मंच है स्मार्ट इंडिया हैकथॉन, जहां आईडिया, एक्शन' में बदलते हैं। स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2025 का समापन इसी महीने हुआ है। इस हैकथॉन के दौरान 80 से अधिक सरकारी विभागों की 270 से ज्यादा समस्याओं पर छात्रों ने काम किया।

देश के लिए 2025 गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा

नई दिल्ली। मोदी ने कहा कि 2025 भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा है। इस साल ऑपरेशन सिंदूर हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने साफ देखा आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आई। 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे हुए। मैंने आपसे आग्रह किया था कि 'हैशटैग वंदे मातरम् 150' के साथ अपने संदेश और सुझाव भेजें। हमारी पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती और महिला क्रिकेट टीम ने पहली बार विश्व कप अपने नाम किया।

संस्कृति और भाषाओं के वैश्विक प्रसार की सराहना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने फिजी में नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने दुबई में रहने वाले कन्नड़ परिवारों द्वारा अपने बच्चों को कन्नड़ भाषा सिखाने के लिए 'कन्नड़ पाठशाला' शुरू करने के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने कहा, अब मैं आपसे भारत से हजारों किलोमीटर दूर, एक ऐसे प्रयास की बात करना चाहता हूं, जो दिल को छू लेने वाला है। फिजी में भारतीय भाषा और संस्कृति के प्रसार के लिए एक सराहनीय पहल हो रही है। वहां की नई पीढ़ी को तमिल भाषा से जोड़ने के लिए कई स्तरों पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले महीने फिजी के राकी-राकी इलाके के एक स्कूल में पहली बार तमिल दिवस मनाया गया।

एंटीबायोटिक के अंधाधुंध इस्तेमाल के खिलाफ चेताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने एंटीबायोटिक प्रतिरोध के मुद्दे को उठाते हुए लोगों से आग्रह किया कि वे डॉक्टर से परामर्श किए बिना ऐसी दवाएं न लें। कहा कि आईसीएमआर ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कहा गया है कि निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक अप्रभावी साबित हो रही हैं। यह सभी के लिए चिंता का विषय है। इसका एक बड़ा कारण लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन है। कहा, आजकल लोग ये मानने लगे हैं कि बस एक गोली ले लो, हर तकलीफ दूर हो जाएगी। यही वजह है कि बीमारियां और संक्रमण इन एंटीबायोटिक दवाओं पर भारी पड़ रहे हैं।

धर्मान्तरण रैकेट को एआई के हथियार से करें नेस्तनाबूद : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बोले, धार्मिक उन्माद व जातीय विद्वेष फैलाने वालों के खिलाफ पुलिस करे सख्त कार्रवाई

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने 'पुलिस मंथन वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2025', के दूसरे दिन रविवार को समापन अवसर पर प्रदेश में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं नेपाल से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से हो रही आतंकवादी गतिविधियों और नशीले पदार्थों की तस्करी के नए आयामों का गहन विश्लेषण करते हुए सीमा निगरानी को अधिक सुदृढ़ करने पर बल दिया।

उन्होंने विदेशी फंडिंग से संचालित गो-तस्करी और धर्मांतरण के लिए चलाए जा रहे संगठित गिरोह पर सख्त कार्रवाई करने को कहा। खासकर धर्मान्तरण रैकेट की रोकथाम के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वित्तीय ट्रेल, तकनीकी विश्लेषण एवं आधुनिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग को और मजबूत करने के निर्देश दिए। योगी ने वरिष्ठ अधिकारियों को सोशल मीडिया और साइबर क्राइम पर सख्त निगरानी रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग, डीपफेक, साइबर अपराध एवं आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस एवं इंटेलिजेंस तंत्र को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया पर कानून-व्यवस्था, जातीय एवं धार्मिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले किसी भी आपत्तिजनक कंटेंट पर तत्काल संज्ञान लेकर त्वरित और कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति या धर्म के नाम पर समाज को विभाजित करने, पुलिस पर दबाव बनाने अथवा अराजकता फैलाने वाले तत्वों के प्रति किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। योगी ने धार्मिक कन्वर्जन को गंभीर चुनौती बताते हुए कहा कि बलरामपुर जैसी घटनाएं संकेत हैं कि ऐसे प्रयास संगठित रूप से किए जा रहे हैं।

आपने काल का ध्यान रखा तो महाकाल भी सहयोग करेगा

योगी ने सख्त लहजे में कहा कि अक्सर होता है कि कोई व्यक्ति काल का शिकार क्यों होता है? क्योंकि वह काल का ध्यान नहीं देता है। लेकिन यहां पर मुझे लगता है कि आपने काल का ध्यान रखा है तो महाकाल भी आपका सहयोग करेगा।

पुलिस अधिकारी सम्मानित

योगी ने पदक अलंकरण समारोह में अधिकारियों व कार्मिकों को सम्मानित किया और सभी 11 सत्र की चर्चा की। इस दौरान पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद, निदेशक एसपीजी आलोक शर्मा, पुलिस महानिदेशक (कारागार) पीसी मीणा आदि मौजूद रहे।

कर्नाटक के कारवार तट पर पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में सवार होतीं राष्ट्रपति मुर्मू। ● एजेंसी

पनडुब्बी में सवार हो समुद्र की गहराइयों तक पहुंचीं महामहिम

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएनएस वाघशीर पर हुईं सवार, यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति
- 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति कलाम ने आईएनएस सिंधु रक्षक में की थी यात्रा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रविवार को भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर पर सवार होकर समुद्री यात्रा की। मुर्मू पनडुब्बी पर सवार होकर यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले फरवरी 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी आईएनएस सिंधु रक्षक से समुद्री यात्रा की थी।

अधिकारियों ने बताया कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे से कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी पर राष्ट्रपति के सवार होने के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी उनके साथ मौजूद थे। मुर्मू ने नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में प्रवेश करने से पहले नौसेना कर्मियों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया। उन्होंने आईएनएस वाघशीर के चालक दल से बातचीत की और उनकी समर्पण भावना की सराहना की, साथ ही देशी पनडुब्बी को भारतीय नौसेना की पेशेवर उत्कृष्टता और युद्ध तैयारियों का चमकता उदाहरण बताया।

आईएनएस वाघशीर की खासियत

यह एक स्कॉर्पीन-क्लास पनडुब्बी है, जो अत्याधुनिक हथियारों और प्रणालियों से सुसज्जित है, जिससे यह समुद्र में गुप्त संचालन करने में सक्षम है। वाघशीर की लंबाई 68 मीटर और वजन लगभग 1,550 टन है। यह पनडुब्बी गुप्त संचालन के लिए डिजाइन की गई है। इसमें उन्नत सोनार सिस्टम भी लगाया गया है, जो इसकी निगरानी क्षमताओं को बढ़ाता है।

कोडीन सिरप की तस्करी के मामले में पांच लोग गिरफ्तार

वाराणसी। वाराणसी पुलिस ने फर्जी दवा कंपनियां बनाकर अवैध रूप से कोडीन युक्त कफ सिरप की आपूर्ति करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी के आरोप में रोहनिया और सारनाथ थानों में दो अलग-अलग मामले दर्ज कर फरार सरगना के खिलाफ 50 हजार का इनाम घोषित करने के साथ उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया है।

- फर्जी कंपनियां बनाकर कर रहे थे तस्करी, करोड़ों रुपये के लेनदेन की पुष्टि

अपर पुलिस उपायुक्त नीतू कात्यायन ने बताया कि रोहनिया में दर्ज मामले में स्वप्निल केसरी, दिनेश यादव और आशीष यादव को गिरफ्तार किया गया। सारनाथ में दर्ज मामले में विष्णु पांडेय और लोकेश अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया। इन सभी पर फर्जी कंपनियां खोलकर धांधली करने का आरोप है। आरोप है कि उन्होंने इन कंपनियों के लिए जीएसटी नंबर लिए और ड्रग एजेंसी से लाइसेंस भी हासिल किए।

उन्नाव कांड : सीबीआई की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली, एजेंसी

- कुलदीप सेंगर की सजा के निलंबन के खिलाफ जांच एजेंसी पहुंची थी सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष कोर्ट सीबीआई की उस याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा जिसमें भाजपा से निष्कासित कुलदीप सिंह सेंगर की उन्नाव दुष्कर्म मामले में आजीवन कारावास की सजा को निलंबित करने के दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति माहेश्वरी एवं ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की तीन सदस्यीय अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। कोर्ट अधिवक्ता अंजले पटेल और पूजा शिल्पकार द्वारा दायर एक अलग याचिका पर भी सुनवाई करेगा जिसमें हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। सीबीआई ने अपनी याचिका में एलके आडवाणी मामले में शीर्ष कोर्ट के लोकसेवक फैसले का हवाला दिया है। एजेंसी ने कहा कि हाईकोर्ट ने यह कहकर गलती की कि अपराध के समय विधायक रहा सेंगर लोकसेवक नहीं था। यह ध्यान नहीं रखा कि संवैधानिक पद पर आसीन विधायक पर जनता का भरोसा होता है।

अरावली विवाद मामले में शीर्ष कोर्ट करेगी सुनवाई

नई दिल्ली। अरावली पहाड़ियों की परिभाषा को लेकर उठे विवाद के बीच उच्चतम न्यायालय ने इस मुद्दे पर स्वत: संज्ञान लिया है और वह सोमवार को मामले की सुनवाई करेगा। सीजेआई की अध्यक्षता वाली अवकाशकालीन पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। कोर्ट ने 20 नवंबर को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को स्वीकार करते हुए, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैले अरावली क्षेत्रों में विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने तक नए पट्टों के आवंटन पर रोक लगा दी थी।

बदलाव | यूपी देश के अग्रणी निवेश गंतव्यों में शामिल, 12वें से दूसरे स्थान तक का तय किया सफर

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में प्रदेश ने लगाई बड़ी छलांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आवेदन निस्तारण दर 97 प्रतिशत से अधिक, 20 लाख से ज्यादा डिजिटल स्वीकृतियां

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2025 में व्यापार में सुगमता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। प्रशासनिक और डिजिटल सुधारों ने प्रदेश को निवेश के लिए भरोसेमंद राज्य के रूप में स्थापित किया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत वर्ष 2017-18 में जहां यूपी 12वें स्थान पर था, वहीं वर्ष 2019 में प्रदेश ने देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वर्ष 2022 और 2024 में उत्तर प्रदेश को 'टॉप अचीवर' की श्रेणी में स्थान मिला।

साथ ही वर्ष 2022, 2023 और 2024 की लॉजिस्टिक्स रैंकिंग में भी राज्य को 'अचीवर्स' के रूप में मान्यता मिली। वर्ष 2021 के गुड गवर्नेंस इंडेक्स में वाणिज्य एवं उद्योग श्रेणी में प्रदेश शीर्ष पर रहा। दरअसल, योगी सरकार ने मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस, के सिद्धांत पर चलते हुए व्यापार और निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर विशेष जोर दिया। समग्र सुधारों, डिजिटल पहलों और निवेशक-अनुकूल नीतियों के चलते उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस में तेज प्रगति की। डिजिटल सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाएं और बड़े पैमाने पर सुधारों ने प्रदेश को देश के सबसे निवेशक-अनुकूल राज्यों में शामिल कर दिया है। बिजनेस रिफार्म एक्शन प्लान-2024 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को उद्यम स्थापना, श्रम नियमों के सरलीकरण और भूमि प्रशासन जैसे तीन प्रमुख क्षेत्रों में 'टॉप अचीवर' घोषित किया गया। रिफार्म एक्शन प्लान के तहत 2024 के बाद सरकार ने 24 क्षेत्रों में 426 अहम सुधार किए। इनमें उद्यम स्थापना, निवेश सुविधा, भूमि सुधार, श्रम पंजीकरण, पर्यावरण अनुमति, सिंगल विंडो सिस्टम और निर्माण अनुमति जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं।

निवेश मित्र बना कारोबार का भरोसेमंद प्लेटफॉर्म

सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है डिजिटल सिंगल विंडो पोर्टल निवेश मित्र। इस पोर्टल के माध्यम से 45 विभागों की 525 से अधिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक 20 लाख से अधिक स्वीकृतियां डिजिटल रूप से जारी की जा चुकी हैं और 97 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निस्तारण हो चुका है। पोर्टल के अनुसार 96 प्रतिशत से अधिक उपयोगकर्ता निवेश मित्र की सेवाओं से संतुष्ट हैं।

सरकार कर रही अगले संस्करण की तैयारी

सरकार निवेश मित्र के अगले संस्करण 'निवेश मित्र 3.0' की तैयारी कर रही है। यह पोर्टल राष्ट्रीय सिंगल विंडो सिस्टम के साथ एकीकृत होगा और एकीकृत शिकायत निस्तारण प्रणाली, निवेश सारथी, आनलाइन इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम, इंडिया इंडस्ट्रियल लैंड बैंक और मुख्यमंत्री दर्पण जैसी प्रणालियों से जुड़ेगा। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्मार्ट डैशबोर्ड, रियल-टाइम डेटा एनालिसि जैसी सुविधा होगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में आया बड़ा बदलाव, आधुनिक जांच सुविधाएं बढ़ीं और जवाबदेही भी

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार : वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग के लिए बड़े सुधार, सख्त अनुशासन और आधुनिक सुविधाओं का साल रहा। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं में बुनियादी ढांचे से लेकर जवाबदेही तक व्यापक परिवर्तन देखने को मिले। जनमानस को गुणवत्ता युक्त इलाज मुहैय्या कराने के लिए प्रदेश भर में आईसीयू, वेंटिलेटर, सीटी स्कैन, डायलिसिस, पैथोलॉजी और आधुनिक जांच सुविधाओं का तेजी से विस्तार हुआ। जिला अस्पतालों से लेकर सीएचसी और पीएचसी तक स्वास्थ्य इकाइयों को अपग्रेड किया गया।

हब एंड स्पोक मॉडल, स्टेमी और ब्रेन स्ट्रोक कार्यक्रम बने जीवन रक्षक : इमरजेंसी मेडिकल केयर के क्षेत्र में वर्ष 2025 उत्तर प्रदेश के लिए मील का पत्थर साबित हुआ। स्वास्थ्य विभाग द्वारा हब एंड स्पोक मॉडल पर शुरू किए गए हार्ट अटैक (स्टेमी) कार्यक्रम और ब्रेन स्ट्रोक कार्यक्रम प्रदेश की बड़ी उपलब्धियों में शामिल रहे। इन कार्यक्रमों के प्रारंभिक चरण में ही सैकड़ों मरीजों की जान बचाई गई, जबकि समय पर इलाज मिलने से अनेक मरीज स्थायी दिव्यांगता से भी सुरक्षित रहे। हार्ट अटैक और ब्रेन स्ट्रोक जैसे मामलों में गोल्डन ऑवर के भीतर उपचार सुनिश्चित कर मरीजों को जिला अस्पताल से उच्च चिकित्सा संस्थानों तक त्वरित रेफरल की व्यवस्था की गई। विशेषज्ञों के अनुसार, हब अस्पतालों को सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं से जोड़ा गया, जबकि स्पोक अस्पतालों में प्रारंभिक इलाज, जांच और स्थिरीकरण की व्यवस्था की गई, जिससे इमरजेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम अधिक प्रभावी हुआ।

स्वास्थ्य विभाग की वार्षिकी-2025

प्रमुख उपलब्धियां

- प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में 3133 से अधिक आईसीयू बेड उपलब्ध
- प्रदेश के सभी जिलों में, जिला अस्पताल व मंडलीय अस्पताल में नि :शुल्क सीटी स्कैन जांच
- प्रदेश के 54 सरकारी अस्पतालों में बेरा जांच से मूक-बधिर दिव्यांगों को राहत
- विभिन्न जिलों की 185 सीएचसी में डेंटल चेयर की स्थापना
- 20 जिलों में सीसा विषाक्तता जांच परियोजना लागू
- 102/108 एंबुलेंस का रिस्पॉन्स टाइम घटकर देश में नंबर वन
- 2554 नई एंबुलेंस, विश्व का सबसे बड़ा सरकारी एंबुलेंस क्रय

निजी अस्पतालों में रियायती ओपीडी सुविधा

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जय) के क्रियान्वयन में 2025 में यूपी देश का पहला राज्य बन गया है, जहां आयुष्मान लाभार्थियों को निजी अस्पतालों में रियायती दरों पर ओपीडी परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। गरीब एवं वंचित परिवारों को अस्पताल में भर्ती हुए बिना ही प्रारंभिक परामर्श और समय पर इलाज का लाभ मिल रहा है, जिससे गंभीर बीमारियों की पहचान पहले चरण में ही संभव हो पा रही है।

लापरवाही, अनुशासनहीनता व भ्रष्टाचार पर सख्ती

- बिना सूचना गैरहाजिर रहने वाले 50 से अधिकार डॉक्टर बर्खास्त या निलंबित
- रिश्वत, प्राइवेट प्रैक्टिस और लापरवाही पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत त्वरित कार्रवाई हुई
- मरीजों से दुर्व्यवहार और अवैध वसूली पर त्वरित कार्रवाई

नई व्यवस्थाएं

- ऑनलाइन पेशेंट फीडबैक सिस्टम
- पोस्टमार्टम अधिकतम 4 घंटे में पूरा करने की गाइडलाइन
- सभी अस्पतालों में फायर सेफ्टी मॉकड्रिल अनिवार्य
- 355 विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती (एनएचएम)
- नर्सों को नया सम्मानजनक पदनाम - नर्सिंग अधिकारी

अनुशासन और पारदर्शिता

- ड्यूटी से गैरहाजिर चिकित्सा शिक्षकों की बर्खास्तगी
- प्राइवेट प्रैक्टिस, भ्रष्टाचार और टेंडर अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई
- गलत मरीज को ऑपरेशन टेबल पर लिटाने जैसे मामलों में तत्काल निलंबन

आयुष्मान योजनाओं में फर्जीवाड़े पर त्वरित कार्रवाई

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत वर्ष 2025 में वित्तीय अनुशासन की भी सख्त मिसाल पेश की गई। जांच में सामने आया कि 39 अस्पतालों को 9 .94 करोड़ रुपये का गलत भुगतान ट्रांसफर हो गया था। लेकिन तत्काल कार्रवाई होने पर अस्पतालों से राशि की रिकवरी की गयी। इस मामले के बाद डेटा सिक्योरिटी प्रोटोकॉल को और मजबूत किया गया। भुगतान प्रणाली में अतिरिक्त जांच व निगरानी तंत्र लागू किया गया।

- 5 .21 करोड़ आयुष्मान कार्ड, 57 लाख से अधिक मरीजों का मुफ्त इलाज
- 22,000 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, यूपी देश में अग्रणी
- योग दिवस पर 8 .27 लाख लोगों ने किया योग, यूपी नंबर वन

चिकित्सा शिक्षा में यूपी बना नया मॉडल

अमृत विचार, लखनऊ : चिकित्सा शिक्षा विभाग ने वर्ष 2025 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या, सुपर स्पेशियलिटी सुविधाओं और शैक्षणिक अनुशासन में अभूतपूर्व प्रगति दर्ज की गई। एक ही वर्ष में सबसे अधिक मेडिकल कॉलेज खोलकर यूपी ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। प्रदेश में अब 81 मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। प्रदेश में 12800 एमबीबीएस और 4297 पीजी सीटों पर प्रवेश मिल रहे हैं। हालांकि शिक्षकों की कमी से निर्धारित मानक न पूरे होने की वजह से सरकारी मेडिकल कॉलेजों ने जुर्माना भी भरा, मगर गेस्ट शिक्षकों को नियुक्त कर न केवल मानक पूरे किए, बल्कि 5450 एमबीबीएस और 2,137 पीजी अभ्यर्थियों को शिक्षा भी प्रदान कर रहे हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की वार्षिकी- 2025

प्रमुख उपलब्धियां

- 65 मेडिकल कॉलेज पूर्ण क्षमता से संचालित
- एक वर्ष में 13 नए राजकीय व 3 पीपीपी मेडिकल कॉलेज
- 27 नए पैरामेडिकल कॉलेज
- मेडिकल कॉलेजों में आईसीयू, वेंटिलेटर, जांच और आधुनिक मशीनें
- केजीएमयू में बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट
- लोहिया संस्थान में गामा नाइफ मशीन (48 करोड़)
- रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत
- मेडिकल कॉलेजों में 130 करोड़ से अधिक के आधुनिक उपकरण खरीदे गए
- मेडिकल कॉलेजों में मैनपावर और प्रशिक्षण में वृद्धि

सरकारी अस्पतालों में तैयार होंगे विशेषज्ञ चिकित्सक

सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी दूर करने की दिशा में वर्ष 2025 में ऐतिहासिक पहल की नींव रखी गई। राज्य सरकार ने डीएनबी (डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड) पाठ्यक्रम के माध्यम से सरकारी अस्पतालों को प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसके तहत राज्य सरकार ने 10 वर्ष व 13 वर्ष का अनुभव रखने वाले डिप्लोमाधारी चिकित्सकों का विवरण सरकारी अस्पतालों के प्रशासन से मांगा है। अनुभवी चिकित्सकों की उपलब्धता के आधार पर नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) द्वारा डीएनबी सीटों को स्वीकृति दी जाएगी। इस पहल से न केवल सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की संख्या बढ़ेगी, बल्कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में भी उच्च स्तरीय इलाज उपलब्ध हो सकेगा। वर्तमान में प्रदेश के 39 सरकारी अस्पतालों में विभिन्न विषयों की 132 डीएनबी सीटें हैं, जिन पर अभ्यर्थी चिकित्सकों को प्रवेश मिल रहा है।

न्यूज ब्रीफ

बौद्ध सर्किट पहुंचे 61 लाख से अधिक पर्यटक

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी का बौद्ध सर्किट अब प्रदेश ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्ध पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। पर्यटन विभाग की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय प्रचार का असर वर्ष 2025 में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया है। जनवरी से सितंबर 2025 के बीच भगवान बुद्ध से जुड़े प्रदेश के छह प्रमुख स्थलों पर 61 .15 लाख से अधिक पर्यटकों ने भ्रमण किया, जिनमें 2 .71 लाख विदेशी पर्यटक शामिल हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रविवार को जारी बयान में बताया कि वर्ष 2025 के अंत तक पर्यटकों की संख्या 64 लाख के पार जाने का अनुमान है। पर्यटन मंत्री बताया कि कौशांबी में जनवरी से सितंबर 2025 के दौरान 23 .19 लाख पर्यटक पहुंचे, जिनमें 2,884 विदेशी सैलानी शामिल रहे। इसी प्रकार महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में सर्वाधिक 18 .60 लाख पर्यटक पहुंचे, जिनमें 1 .88 लाख विदेशी थे। सारनाथ में 17 .75 लाख, कपिलवस्तु में 51,795, श्रावस्ती में 79,245 और संकिसा में 29,577 पर्यटकों का आगमन दर्ज किया गया।

फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31

अमत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तय की गई है। यह योजना किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही है। रबी फसलों (गेहूं, जौ, चना, मटर, सरसो, मसूर, आलू आदि) के लिए बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित है। इसके लिए किसान pmfby .gov .in पर आवेदन कर सकते हैं या 14447 पर कॉल भी कर सकते हैं। बीमा योजना के माध्यम से दावों का डीबीटी के माध्यम से समय पर भुगतान भी किया जाता है। रबी फसलों के लिए किसानों को बीमा का सिर्फ डेढ़ प्रतिशत प्रीमियम देना होता है। शेष धनराशि का केंद्र-राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया जाता है। रबी सीजन 2025-26 के लिए अब तक 15 .01 लाख से अधिक किसानों द्वारा 53 .23 लाख आवेदनों का बीमा किया जा चुका है।

थाना, सर्किल, पुलिस लाइन में हो बेहतर समन्वय, पुलिस का रहे दोस्ताना व्यवहार

यूपी के पुलिस अधिकारियों को अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए कई सुझाव

पुलिस हेडक्वार्टर में आयोजित सम्मेलन में संभल जिले के एसपी कृष्ण कुमार को सम्मानित करते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश के पुलिस जवानों को एक अभिभावक की तरह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई सुझाव दिए। योगी ने थाना, सर्किल, पुलिस लाइन में भी बेहतर समन्वय पर जोर दिया। कहा कि घटना घटित होती है तो थाना इंचार्ज को जवाबदेह बनाते हैं। सर्किल की भूमिका और समन्वय में कितना योगदान दे रहा है, हमने कभी उस पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर तीनों में बेहतर समन्वय बना लें तो सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में यह बड़ा योगदान दे सकता है।

यह भी कहा कि पुलिस बल का दोस्ताना व्यवहार व संवेदना आमजन की समस्या का समाधान करती है और उनके मन में पुलिस के प्रति बेहतर धारणा भी बनाती है। बोले, हमने प्रयास किया कि राजनीतिक हस्तक्षेप न्यूनतम रहे। आपको कार्य करने की स्वतंत्रता दी गई है, ताकि आप परफॉर्म कर सकें। मुख्यमंत्री ने पुलिस कर्मियों के दायित्व पर भी चर्चा की। अब औसतन पुलिस अधिकारी न्यूनतम दो वर्ष तक जनपद-रेंज में सेवा देते हैं, पिछले आंकड़ों बताते हैं कि पहले एक महीने, तीन-चार महीने या कुछ ही दिन में स्थानांतरण हो जाता था। जब तक वह सामाजिक और भौगोलिक स्थिति को समझते, उससे पहले ही बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता था। इससे अव्यवस्था पैदा होती थी, लेकिन अब स्थिरता दी गई।

मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि मैं अलग-अलग तबके से बात करता हूं। अच्छे पुलिस अधिकारी का स्थानांतरण होता है तो आमजन सिफारिश करते हैं कि अच्छा अधिकारी था, लेकिन जब गलत व्यक्ति को हटाया जाता है तो पब्लिक हमें धन्यवाद देती है कि इस बला को टाल दिया। हम दोनों स्थितियों को फेस करते हैं और आमजन से कहते हैं कि अच्छे अधिकारी को दूसरी जगह भी काम करना चाहिए। अन्य जगहों पर भी अच्छाई का लाभ मिले। प्रयास करना चाहिए कि अपने आचरण और व्यवहार से उसे और सुदृढ़ करें।

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट सेवा पुलिस पदक से सम्मानित

वर्ष 2022
- प्रभाकर चौधरी – डीआईजी- अलीगढ़ परिक्षेत्र
- विनय चंद्रा- अपर पुलिस अधीक्षक- अभिसूचना मुख्यालय
- रविंद्र प्रताप सिंह- निरीक्षक- मुरादाबाद
- दिनेश कुमार डांडियाल- निरीक्षक- अधिसूचना विभाग
- मनु चौधरी-निरीक्षक यूपीपीसीएल गाजियाबाद

वर्ष 2023
- शैलेश कुमार पांडेय-डीआईजी- आगरा परिक्षेत्र
- विशाल विक्रम सिंह- अपर पुलिस अधीक्षक- एसटीएफ
- विशाल संगारी- निरीक्षक- सीतापुर
- मनोज चिकारा- मुख्य आरक्षी- गौतमबुद्धनगर
- सुश्री शैलेष कुंतल- महिला आरक्षी

वर्ष 2024
- अनुराग आर्य-एसएसपी- बरेली
- विमल कुमार सिंह- पुलिस उपाधीक्षक- एसटीएफ
- अरुण कुमार- मुख्य आरक्षी- एसटीएफ

वर्ष 2025
- कृष्ण कुमार-पुलिस अधीक्षक संभल
- प्रेम शुक्ला-पुलिस उपाधीक्षक एसटीएफ
- प्रियांशी प्रजापति- महिला आरक्षी कमिश्नरेट आगरा

दी हिदायत, जनप्रतिनिधियों का फोन रिसीव करें

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को पुलिस हेडक्वार्टर में आयोजित सम्मेलन के समापन समारोह में पुलिस मंथन के अभिनव प्रयास के लिए डीजीपी व उनकी टीम को बधाई दी। इस कड़ी में उन्होंने संवाद पर जोर देते हुए कहा कि थानाध्यक्ष, हल्का दरोगा, सर्किल इंचार्ज, जिले के कप्तान, रेंज व जोन के अधिकारियों को भी अलग-अलग तबके के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए। त्योहारों पर पीस कमेटी की बैठक बुलाते हैं, लेकिन अन्य अवसरों पर भूल जाते हैं। सीएम ने अधिकारियों से कहा कि कोई भी जनप्रतिनिधि गलत कार्य के लिए नहीं बोलता है। उन्हें वास्तविक स्थिति से अवगत कराएं, उनका फोन रिसीव करें।

जनता दर्शन से पता चलती जमीनी हकीकत : योगी

सीएम ने थाना प्रबंधन के सत्र का जिक्र करते हुए कहा कि यह हमारी नींव है। आमजन के प्रति हमारा व्यवहार केवल संवेदनशीलता को ही प्रदर्शित नहीं करता, बल्कि ह्यूमन इंटेलिजेंस का भी माध्यम बनता है। मेरे पास जो भी सूचना आती है, अधिकांश की हकीकत ह्यूमन इंटेलिजेंस से ही पता चलती है। जनता दर्शन में मैं इसलिए ही नियमित रूप से जाता हूं। फरियादी सिर्फ शिकायत नहीं करता, बल्कि उसके प्रार्थना पत्र और पीड़ा को देख जमीनी हकीकत का पता चलता है।

विभिन्न सत्रों में इन विषयों का किया गया प्रस्तुतिकरण

पुलिस मंथन कार्यक्रम के तहत सत्र 8 में आपदा प्रबंधन, सिविल डिफेंस एवं होम गार्ड्स, सत्र 9 में विशाल जनसमूह (भीड़) प्रबंधन, सत्र 10 में खुफिया तंत्र एवं उभरती चुनौतियां जैसे सोशल मीडिया/एनजीओ तथा नेपाल सीमा, सत्र 11 में आतंकवाद-रोधी, मादक पदार्थ, गो-तस्करी एवं अन्य संगठित अपराध आदि विषयों पर प्रस्तुतिकरण किया गया।

नियम विरुद्ध 37 करोड़ का भुगतान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अक्टूबर में 73 जिलों की 2006 ग्राम पंचायतों में मिली गड़बड़ी
- निदेशालय ने एडीओ और सचिवों पर दिए कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार : अक्टूबर में 73 जिलों की 2006 ग्राम पंचायतों पर करीब 37 करोड़ रुपये का भुगतान पुरानी व्यवस्था के तहत बाहर से कर दिया गया। निदेशक पंचायती राज अमित कुमार सिंह ने समीक्षा की तो गड़बड़ी पकड़ी गई। संबंधित जिला पंचायत राज अधिकारी को सचिव और एडीओ पंचायत के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

नई व्यवस्था के तहत ग्राम पंचायतों पर हुए कार्यों का भुगतान पंचायत भवन के कंप्यूटर पर गेटवे पोर्टल से करना है। यह पोर्टल बाहर किसी कंप्यूटर व लैपटॉप पर इंस्टाल नहीं होता है। इसके बाद भी 1 से 31 अक्टूबर तक 37 करोड़ रुपये का भुगतान पंचायत भवन की बजाय बाहर से बिना गेटवे पोर्टल से किया गया। निदेशालय पर समीक्षा हुई तो 73 जिलों की 2006 ग्राम पंचायतों पर बाहर से भुगतान करना पाया। जबकि दो वर्ष पहले बाहरी भुगतान की व्यवस्था खत्म की गई थी। सबसे अधिक भुगतान सहारनपुर ने 2.45 करोड़ रुपये किया है। जबकि बाराबंकी ने 2.17 करोड़, मथुरा 1.73 करोड़, कुशीनगर 1.73 करोड़, कानपुर नगर 1.43 करोड़, सीतापुर 1.39 करोड़, हरदोई 1.33 करोड़ व प्रयागराज में 1.21 करोड़ का नियम विरुद्ध भुगतान किया गया है।

जिंदा मरीज को मृत घोषित करने वाले तीन निलंबित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- जूनियर रेजिडेंट, स्टाफ नर्स और वार्ड आया पर गिरी गाज
- उप मुख्यमंत्री ने तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की
- कमेटी को तीन दिन में पूरी करनी होगी जांच

अमृत विचार : कानपुर के गणेश शंकर विद्यार्थी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज (जीएसवीएम) में जिंदा मरीज को मृत घोषित करने के मामले जूनियर डॉक्टर, स्टाफ नर्स और वार्ड आया को निलंबित कर दिया गया है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देशानुसार हुई कार्रवाई अंतर्गत तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। कमेटी को तीन दिन में जांच पूरी करनी होगी।

जीएसवीएम में मेडिसिन विभाग के वार्ड नंबर-12 के बेड संख्या-43 पर मृत के स्थान पर जीवित मरीज का पुलिस इन्फॉर्मेशन (पीआई) भेजे जाने का प्रकरण सामने आया है। उप मुख्यमंत्री ने प्रकरण को गंभीरता से लिया और उन्होंने कॉलेज के प्रधानाचार्य को कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रकरण की गंभीरता के मद्देनजर ड्यूटी पर तैनात जूनियर रेजिडेंट डॉ. हिमांशु मौर्या, नर्सिंग स्टाफ सनी सोनकर और वार्ड आया रहनुमा को निलंबित कर दिया गया है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। कमेटी का अध्यक्ष जीएसवीएम की उप प्रधानाचार्य डॉ. ऋचा गिरि को नामित किया गया है। तीन दिन के भीतर कमेटी को जांच कर रिपोर्ट सौंपनी होगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। इसे किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भविष्य में घटनाओं पर अंकुश लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

चिकित्सा | इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइक्रोबैक्टीरियोलॉजी में प्रकाशित हालिया अध्ययन में खुलासा

स्मीयर माइक्रोस्कोपी से छूट जाते हैं कई टीबी केस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- संक्रमण की पहचान में ट्रूनैट की बेहतर संवेदनशीलता

अमृत विचार : ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले डायग्नोस्टिक टेस्ट- स्मीयर माइक्रोस्कोपी की सीमित संवेदनशीलता के कारण बड़ी संख्या में टीबी के मामले बिना पता चले रह जाते हैं। इस बात का खुलासा ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स), गोरखपुर द्वारा किए गए और इंटरनेशनल जर्नल ऑफ माइकोबैक्टीरियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में हुआ है।

अध्ययन के अनुसार, 4,249 पल्मोनरी और एक्स्ट्रा-पल्मोनरी नमूनों के विश्लेषण से पता चला कि स्मीयर माइक्रोस्कोपी ने केवल 4.3 प्रतिशत मामलों में टीबी का पता लगाया। इसकी तुलना में, ट्रूनैट माइकोबैक्टीरियम टीबी-रिफैम्पिसिन (आरआईएफ) टेस्ट ने 13.7 प्रतिशत नमूनों में इन्फेक्शन की पहचान की, जो इसकी बेहतर संवेदनशीलता को दर्शाता है। चेस्ट रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष दुबे ने बताया कि स्मीयर माइक्रोस्कोपी सस्ती और आसानी से उपलब्ध है, लेकिन इसकी संवेदनशीलता सीमित है। ट्रूनैट, जो भारत में बना एक चिप-आधारित रियल-टाइम पीसीआर टेस्ट है और डब्लूएचओ द्वारा समर्थित है, टीबी का तेजी से पता लगा सकता है और रिफैम्पिसिन रेजिस्टेंस की पहचान कर सकता है, जो इस स्टडी में कन्फर्म मामलों में से 5.6 प्रतिशत में पाया गया था। उन्होंने कहा कि सही इलाज शुरू करने और आगे संक्रमण को रोकने के लिए दवा प्रतिरोध का शुरुआती पता लगाना बहुत जरूरी है। पारंपरिक माइक्रोस्कोपी को मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स के साथ मिलाने से टीबी नियंत्रण प्रयासों को काफी मजबूत किया जा सकता है।

टीबी कार्यक्रम खुद बीमार, जांच ठप

अमृत विचार : वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का दावा करने वाले स्वास्थ्य विभाग में टीबी संदिग्ध और पंजीकृत मरीजों की जांच तक नहीं हो पा रही है। करीब एक माह पहले सीबी-नॉट कार्ट्रिज खत्म हो जाने से राजधानी समेत अन्य जिलों की सभी मशीनें बंद पड़ी हैं। इसी तरह ट्रूनैट चिप उपलब्ध न होने के कारण ट्रूनैट मशीनें भी पूरी तरह ठप हैं। इतना ही नहीं, जांच केंद्रों पर लैब रजिस्टर, कल्चर रजिस्टर और डीएसटी (ड्रग सेंसिटिविटी टेस्ट) रजिस्टर जैसे मूलभूत अभिलेख तक उपलब्ध नहीं हैं।

> पारंपरिक माइक्रोस्कोपी को मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स के साथ मिलाने से टीबी नियंत्रण प्रयासों को काफी मजबूत किया जा सकता है, खासकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में। अगर भारत को टीबी खत्म करने का अपना लक्ष्य पूरा करना है तो ट्रूनेट जैसे टेस्ट को बढ़ाना जरूरी है।
>
> -डॉ .आशुतोष दुबे, वरिष्ठ चेस्ट रोग विशेषज्ञ, डॉ .श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल, लखनऊ

स्थापना दिवस पर कांग्रेसियों ने ली शपथ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से संवाद करते कांग्रेस महासचिव और प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय, साथ में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय व अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार: कांग्रेस पार्टी की स्थापना के 140 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव अविनाश पांडेय और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने महात्मा गांधी, पं.जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने पार्टी का झंडा फहराया और कांग्रेसजनों को स्थापना दिवस की शपथ दिलाई।

स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आर्ट पिक्चर गैलरी की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आजादी के बाद तक कांग्रेस अधिवेशनों, उनके निर्णयों, उद्देश्यों और बलिदान देने वाले महापुरुषों के चित्र प्रदर्शित किए गए।

इस अवसर पर अविनाश पांडेय ने किसान, मजदूर, युवा, महिला, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा में कांग्रेस की भूमिका को रेखांकित किया। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि प्रदेश से यह संदेश पूरे देश को जाएगा कि कांग्रेस कार्यकर्ता अब पूरी ताकत से खड़े हैं और वर्ष 2027 में कांग्रेस की सरकार बनेगी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल, लेखक डॉ. अशोक पाण्डेय और चिंतक एचएल दुसाध ने भी अपने विचार रखे।

न्यूज ब्रीफ

भाजपा की आज होगी कार्यशाला

कानपुर देहात। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी बाजपेई की जन्म जयंती के अवसर पर सोमवार को गोष्ठी होगी। साथ ही एसआईआर को लेकर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिला मीडिया प्रभारी विकास मिश्रा ने बताया कि कार्यक्रम अकबरपुर में रूरा रोड पर स्थित एक गेस्ट हाउस में होगा। मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री एवं विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता कार्यक्रम में भाग लेंगे।

वापस कराई एक लाख की रकम

कानपुर देहात। अज्ञात व्यक्ति द्वारा रिश्तेदार बनकर मां के बीमार पड़ जाने पर अस्पताल में भर्ती कराने का झांसा देकर एक लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी की गई। थाना अकबरपुर पुलिस (साइबर हेल्प डेस्क) ने कार्रवाई करते हुए पूरा पैसा वापस कराया। अजय पाल सिंह निवासी पुलिस लाइन माती जनपद कानपुर देहात ने 22 अगस्त को अज्ञात व्यक्ति द्वारा शिकायतकर्ता का रिश्तेदार बनकर अपनी मां के कैंसर के इलाज कराने हेतु अस्पताल में भर्ती कराने का झांसा देकर यूपीआई के माध्यम से एक लाख रुपये की धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत की थी।

प्रोजेक्ट नई किरण में चार मामले निस्तारित

कानपुर देहात। महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में चल रहे अभियान मिशन शक्ति के अंतर्गत रविवार को रिजर्व पुलिस लाइन माती सभागार में प्रोजेक्ट नई किरण की बैठक हुई। नई किरण में 25 मामले आए। इनमें से चार परिवारों में आपसी सहमति के आधार पर समझौता कराया गया। प्रार्थना पत्रों में आगे की तिथि दी गई। कार्यक्रम में नीतू, शालू देवी, रागिनी, डॉ. पूनम गुप्ता, कंचन मिश्रा आदि का योगदान रहा।

गैस कटर से बॉडी काटने की तैयारी करते लोग। खड्ड में पलटे पड़े डंपर को निकालता हाइड्रा। लाही के खेत में घुसी ओमनी वैन। अमृत विचार

वाहन चालकों के लिए कोहरा बना काल

सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत, 8 से ज्यादा लोग घायल, रसूलाबाद बिल्हौर रोड पर दो डंपर भिड़े

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचारः दिनों दिन बढ़ रहा कोहरा वाहन चालकों के लिए काल बनता जा रहा है। शनिवार रात को कोहरे की वजह से कई सड़क हादसे हुए। हादसों में तीन लोगों की जान चली गई जबकि 8 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

अंगदपुर गांव निवासी राज करन सिंह पुत्र दुलारे सिंह (48) शनिवार को अपने रिश्तेदार के यहां ऊगा गांव गए थे। रात करीब 10 बजे वह अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। रूरा-झींझक मार्ग पर गेंदामऊ गांव के निकट उनकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने कोहरे के चलते टक्कर मार दी। इस हादसे में राज करन सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पत्नी पिंकी और पुत्र शुभम का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष अमित शुक्ला ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों की तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इसीतरह भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में डीसीएम और अज्ञात वाहन की जोरदार टक्कर हो जाने से डीसीएम में सवार दो लोगों की मौत हो गई। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मृतक अकबरपुर शहर के रहने वाले थे। उनके नाम साबिर 49 पुत्र युसूफ और अंसार 39 पुत्र खलील हैं। बताया गया कि भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के दौलतपुर गांव में गैस के सिलेंडरों से भरी डीसीएम किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। भीषण टक्कर होने से डीसीएम सवार लोगों की मौत हुई। मृत्यु से पूर्व साबिर और अंसार बुरी तरह घायल हुए। स्थानीय निवासियों द्वारा दी गई सूचना से तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस ने डीसीएम में फंसे दोनों घायलों को उपचार के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

घने कोहरे के चलते दो डंपरों में हुई टक्कर

रसूलाबाद : शनिवार रात में घने कोहरे के चलते जहां रसूलाबाद बिल्हौर रोड पर मुनौरापुर के समीप सामने से आ रहे एक डंपर चालक ने दूसरे डंपर के टक्कर मार दी जिससे वह खड्ड में पलट कर जा गिरा और उसके चालक व खलासी उसमें फंस गए। दुर्घटना की सूचना पाकर रेस्क्यू के तहत लगभग दो घंटे कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें गैस कटर से बॉडी काटकर निकाला गया। इसके बाद सीएचसी में उपचार के बाद हेलट कानपुर रेफर किया गया। वहीं कसमड़ा ग्राम ने कोहरे का शिकार हुई एक ओमनी कार भी अनियंत्रित होकर लाही के खेत में घुस गई। संयोग से उसमें सवार लोगों के मामूली चोटें आई हैं जिससे बड़ा हादसा टल गया। सौमई गांव थाना ऐंट जिला जालौन निवासी नितिन कुमार पुत्र राजेश कुमार डंपर चालक एवं क्लीनर सोनू मंसूरी पुत्र जाकिर अपने डंपर में झांसी से जेसीबी लादकर संडीला गए थे। वहां से जेसीबी उतार कर शनिवार रात वापस झांसी जा रहे थे। रसूलाबाद बिल्हौर मार्ग पर मुनौरापुर के समीप सामने से आ रहे डंपर चालक ने टक्कर जोरदार टक्कर मार दी जिससे डंपर खड्ड में जा गिरा और चालक एवं क्लीनर उसमें फंस गए। घटना की सूचना पाकर पुलिस रात में हाइड्रा के न मिलने पर रसूलाबाद निवासी छोटे शर्मा व कल्लू कबाड़ी को गैस कटर सहित लेकर मौके पर गए और वहां डंपर काट कर दोनों को निकाला। उनके कमर में गंभीर चोटें आई है दोनों को सीएचसी रसूलाबाद ले जाया गया जहां से डॉक्टर प्रणय वीर ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हैलट कानपुर रेफर किया।

रास्ता नहीं दिखा, खेतों में जा घुसी ओमनी वैन

घने कोहरे में रास्ता ठीक से न देख पाने के कारण ग्राम कसमडा में एक ओमनी कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतरकर खेत में जा घुसी। चालक ने जब तक गाड़ी रोकने की कोशिश की, तब तक कार लही (सरसों) के खेत में कूद चुकी थी। इस कार में कसमडा जूनियर स्कूल के एक शिक्षक सवार थे। हादसे में कार में सवार कुछ लोगो के मामूली चोटें आई हैं। लेकिन एक बड़ा हादसा टल गया। ग्रामीणों ने बताया कि एक जूनियर शिक्षक कार सीख रहे थे जो कोहरे के कारण अनियंत्रित होकर लाही के खेत में घुस गई।

बाइकें भिड़ीं, मामा भांजा सहित 6 घायल

रसूलाबाद : कहिंजरी के पास दो अनियंत्रित मोटर साइकिलें टकराने से मामा भांजे समेत 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें पांच की हालत चिंता जनक देखते हुए डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया है। मलगांव निवासी रामदास 35वर्ष, पत्नी राधा 32 के साथ त्रिपुला भेवान निवासी भांजे अजय 32 की बाइक में बैठ कर रविवार शाम करीब 4 बजे बाइक से बहन के यहां भेवान गांव जा रहे थे। इसी दौरान जरौरी चौबेपुर कानपुर नगर निवासी नीरज 30 बाइक में बैठा कर अपने भांजे खैरनगर कन्नौज निवासी अंशु 10 पुत्र गोविंद और बहन आरती 38 पत्नी गोविंद को बिठाकर खैरनगर जा रहा था। इस दौरान कहिंजरी पावर हाउस के पास दोनों बाइक आमने-सामने टकरा गई। हादसे में सभी लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस व एंबुलेंस सभी घायलों को सीएचसी ले गई। वहां ईएमओ डॉक्टर सौरभ शाक्य ने रामदास, राधा, अजय, नीरज व अंशु के हालत चिंताजनक देखते हुए जिला अस्पताल-मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

स्कूलों में अवकाश, सर्दी से जनजीवन प्रभावित

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

12 डिग्री सेल्सियस रहा न्यूनतम तापमान

अमृत विचार। लगातार बढ़ रही ठंड और शीतलहर से आम दैनिक जन जीवन प्रभावित हो चला है। इंसान के साथ साथ पशु पक्षी भी बुरी तरह परेशान हैं। भीषण ठंड से बचाव के लिए कक्षा एक से लेकर आठ तक के बच्चों की सोमवार को छुट्टी कर दी गई है। देर शाम मुख्यमंत्री ने 1 जनवरी तक सभी बोर्ड के इंटर तक के स्कूलों में छुट्टी घोषित करने के निर्देश दिए हैं।

रविवार को महीने का सबसे ठंडा दिन रहा। आज का न्यूनतम तापमान 12 डिग्री रहा। इससे जन जीवन बुरी तरह चरमराया नजर आया। ठंड के प्रकोप को देखते हुए प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा के लिए कड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्र ने जनपद के कक्षा 1 से 8 तक के सभी विद्यालयों में 29 दिसंबर को शिक्षण कार्य स्थगित रखने का आदेश जारी किया है। बीएसए द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सर्दी का अवकाश जनपद के समस्त परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई और संस्कृत बोर्ड के विद्यालयों (कक्षा 1 से 8 तक) पर अनिवार्य रूप से लागू होगा। भीषण ठंड को देखते हुए अभिभावकों और बच्चों को राहत देने के लिए यह निर्णय लिया गया है। हालांकि शिक्षकों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि केवल छात्रों के लिए शिक्षण कार्य स्थगित रहेगा। विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षिकाएं, शिक्षामित्र, अनुदेशक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी विद्यालय में उपस्थित रहकर अपने विभागीय और अन्य प्रशासकीय दायित्वों का निर्वहन करेंगे। बीएसए ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को इस आदेश का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

4 घंटे ठप रही औद्योगिक क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति 150 इकाइयों में काम-काज रहा प्रभावित

रनियां : रविवार की दोपहर करीब चार घंटे औद्योगिक क्षेत्र रनियां में विद्युत आपूर्ति ठप होने से उद्यमियों सहित रनियां टाउन के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान यहां की लगभग 150 औद्योगिक इकाइयों में काम-काज प्रभावित रहा। तो वहीं रनियां कस्बे की करीब 20 हजार की आबादी प्रभावित रही। रनियां में स्थित 33/11 उपकेंद्र से 9 इंडस्ट्रियल फीडर व एक रनियां टाउन एरिया के फीडर से यहां पर संचालित लगभग 150 औद्योगिक इकाइयों में विद्युत आपूर्ति की जाती है। इसके अलावा रनियां में लगभग तीन हजार घरेलू व छह सौ के करीब कामर्शियल कनेक्शन से बिजली आपूर्ति होती है। रविवार की दोपहर साढ़े बारह बजे अचानक विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। थोड़ी देर तक जब आपूर्ति बहाल नहीं हुई तो उपभोक्ताओं ने जिम्मेदार अफसरों को फोन मिलाया, लेकिन उनके फोन रिसीव नहीं हुए। उद्यमियों की मानें तो यहां पर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था बेपटरी हो चुकी है। आए दिन घंटों के हिसाब से होने वाले शट-डाउन से लाखों रुपये का कच्चा माल मशीनों में फंसकर खराब होने से प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए का घाटा उठाना पड़ता है। बार बार शिकायत के बाद भी जर्जर लाइन में बदलाव नहीं किया जा रहा है। रविवार को भी लगभग चार घंटे आपूर्ति बंद होने से लाखों रुपए का डीजल पर खर्च हो गया। इस संबंध में अधीक्षण अभियंता सुमित व्यास ने बताया कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है।

रंग लाई मुहिम, भीटी कुर्सी मार्ग का किया गया पूजन, मिलेगी राहत

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः भीटी कुर्सी भग्गा निवादा से इंद्रमणि निवादा मार्ग का भूमि पूजन क्षेत्रीय भाजपा विधायक ने ग्रामीणों की उपस्थिति में किया गया। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने इसके लिए लोकसभा चुनाव में मतदान बहिष्कार किया था। ग्रामीणों का मतदान बहिष्कार रंग लाया। आपके अपने अखबार 'अमृत विचार' ने ग्रामीणों की इस समस्या को को प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

बताते चलें कि लगभग 4 किलोमीटर लंबे इस मार्ग को ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए तत्कालीन बिल्हौर लोकसभा के भाजपा सांसद श्याम बिहारी मिश्र ने ऊसर सुधार विभाग से प्रयास करके बनवाया था। दो दशक से अधिक समय बीत जाने और इस अवधि में इस मार्ग का एक बार भी मरम्मतीकरण न होने से यह मार्ग कच्चे मार्ग के रूप में तब्दील हो गया था। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से कई बार कहने के बावजूद जब इस मार्ग का मरम्मतीकरण नहीं हुआ तो विवश ग्रामीणों ने गत लोकसभा चुनाव में मतदान बहिष्कार किया। इस पर मौके पर आई क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम संखवार में जल

भूमि पूजन करतीं क्षेत्रीय भाजपा विधायक पूनम संखवार। अमृत विचार

- ग्रामीणों की समस्या को लेकर आपके अखबार 'अमृत विचार' ने प्रमुखता से किया प्रकाशित

का पात्र उठाकर मार्ग बनवाने का संकल्प किया और ग्रामीणों को समझा बुझाकर उन्हें मतदान के लिए राजी किया।

क्षेत्रीय भाजपा विधायक ने प्रयास करके इस मार्ग को लोकनिर्माण विभाग में स्थानांतरित करवाया। तब 3.870 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के मरम्मतीकरण करने के लिए विभाग ने 132.56 लाख रुपए स्वीकृत किए। रविवार दोपहर उक्त मार्ग के निर्माण कार्य शुरू करवाने को लेकर ग्रामीणों की उपस्थिति में पूजन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रधान मुन्ना दुबे, भीरी पूर्व प्रधान मुकेश शुक्ला, मोहन शुक्ला, सुधांश चौहान पूर्व प्रधान खेड़ा कुर्सी कमल नरायण, रणवीर सिंह, रंजना दुवे, हेमन्त सिंह हेमू, अतुल यादव, झल्लर तोमर, पंकज राजावत, अभिमनसिंह व लोक निर्माण विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

हवन में आहुतियां देते यजमान। अमृत विचार

समाज में सुख शांति के लिए यज्ञ में डाली गई आहुतियां

संवाददाता, शिवली

अमृत विचारः कस्बे के सिद्ध पीठ जागेश्वर धाम के वार्षिक उत्सव के मौके पर रुद्र महायज्ञ एवं श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कड़ाके की ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में भक्त यहां पहुंच रहे है। रविवार को रुद्रमहा यज्ञ में यज्ञाचार्य रमेश शास्त्री ने देश समाज में सुख शांति के लिए आहुतियां डलवाई। परिसर में श्रीमद भागवतकथा में व्यास हरिशंकर मिश्र ने भक्तों से कहा कि जीवन काल में भगवान के नाम का स्मरण करने करते रहना चाहिए। इससे भगवान की कृपा बनी रहती है। इस मौके पर शेखर त्रिवेदी, विमलेश अग्निहोत्री, शिवकुमार तिवारी, प्रभात अवस्थी, कीर्ति तिवारी, चंद्र कुमार मिश्रा, हरी अग्निहोत्री मौजूद रहे।

स्वयं सेवकों के चयन के लिए प्रारंभ हुई प्रक्रिया

कानपुर देहात। जिले में नागरिक सुरक्षा विभाग में नए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक सदस्यों के चयन के लिए नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है। एडीएम अमित कुमार ने बताया कि जनपद में नागरिक सुरक्षा अधिनियम एवं राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अंतर्गत नागरिक सुरक्षा विभाग में नए नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक सदस्यों के चयन और नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इस क्रम में इच्छुक लोगों से निर्धारित प्रारूप में आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं।

नाला चोक होने से सड़क पर भरा पानी, आवागमन में हो रही परेशानी

संवाददाता, राजपुर

10 वर्ष पहले बना नाला कई जगह से हुआ क्षतिग्रस्त

अमृत विचारः नगर पंचायत के पटेल नगर में वर्षों पहले ग्राम पंचायत द्वारा बनवाया गया नाला चोक हो गया। इस वजह से घरों का गंदा पानी सड़क पर भर रहा है ऐसे में लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। वार्ड के लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से नाला निर्माण कराने की मांग की है।

कस्बे के पटेल नगर में दमनपुर मार्ग पर करीब दो बर्ष पहले नगर पंचायत ने लगभग 30 लाख से सड़क किनारे एक ओर नाला निर्माण कार्य कराया है। वही सड़क की दूसरी तरफ पहले से ग्राम पंचायत द्वारा 10 वर्ष पहले बनाया गया नाला कई जगह क्षतिग्रस्त होने से चोक हो गया है। रमेश के घर से हामिद के घर तक करीब 20 मीटर नाला का निर्माण नहीं हुआ है। ऐसे में लोगों के घरों का पानी सड़क पर भर रहा है। जिससे राहगीरों और वार्ड के लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है। वार्ड निवासी सुरेश ने बताया कि दो वर्ष पहले नगर पंचायत ने सड़क के एक ओर करीब 60 मीटर नाला निर्माण कराया गया है। नाले में पटिया नहीं रखी गई है। इससे कभी भी बाइक सवार व स्कूली बच्चे गिरकर घायल हो सकतें हैं।

दूसरी ओर नाला निर्माण नहीं कराया गया है इससे वार्ड के लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। हरिशंकर ने बताया कि पानी नाले में न जाकर मुख्य मार्ग पर भर रहा है, जिसकी वजह से राहगीरों व दुकानदारों को काफी परेशानी हो रही है। दुकानदार राजू ने बताया दुकान के सामने पानी भरा होने के कारण वाहन निकलने के दौरान सड़क का गंदा पानी दुकान के अंदर आ जाता है, जिससे सामान खराब हो जाता है। नगर पंचायत की ईओ नीति त्रिपाठी ने कहा मौके का निरीक्षण किया जाएगा।

नाले का निर्माण नहीं होने से फंसे ट्रैक्टर और लगा जाम। अमृत विचार

आरोग्य मेला | राजपुर, रसधान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर लगा मेला

सर्दी में बढ़े खांसी-जुकाम व बुखार के मरीज

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचारः मौसम में तब्दीली से सर्दी-खांसी और वायरल बुखार के मरीज बढ़ने लगे हैं। रविवार को राजपुर व रसधान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित जन आरोग्य मेले में इन्हीं बीमारियों से पीड़ित मरीज ज्यादा आए। अस्पताल पहुंचे तमाम बुजुर्गों ने सांस लेने में दिक्कत की शिकायत की।

डॉक्टरों का कहना है कि ठंड बढ़ने से लोगों की सेहत पर सीधा असर सर्दी-जुकाम, वायरल बुखार, खांसी, बदन दर्द और कमजोरी जैसी बीमारियों के तौर पर दिख रहा है। रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेलों में पंजीकृत 154 मरीजों में

कैंप में मरीज की जांच करते डाक्टर। अमृत विचार

ज्यादातर इन्हीं रोगों से पीड़ित पाए गए। राजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ. डॉ आशीष मिश्रा, ट्रेनी डाक्टर मनोज सर्राफ ने 83 मरीजों का उपचार इनमें 30 मरीज खांसी जुखाम व वायरल बुखार पीड़ित रहे।10 मरीजों की जांच कराई गई। आठ बुखार पीड़ित मरीजों के खून के नमूने लिए गए। डॉ आशीष मिश्रा ने बताया कि बीते सप्ताह की तुलना में मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। दोपहर 12 बजे मेला पर्वेक्षक डॉ सुनील कुमार ने आरोग्य मेले का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत परखी। इधर रसधान पीएचसी में डॉ सना कौसर ने 71 मरीजों का उपचार किया। चार मरीजों की खून के नमूने लिए गए।

अमरौधा में धारदार हथियार से गला रेत कर युवक ने दी जान

कानपुर देहातः शनिवार देर रात एक युवक ने धारदार हथियार से अपना गला रेत लिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।

भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के अमरौधा कस्बा निवासी कलीम ख़ान ने शनिवार देर रात धारदार हथियार चाकू से अपना गला रेत लिया। इससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पत्नी शमा ने खून से लथपथ अपने पति को देख कर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने परिजनों से जानकारी करते हुए आवश्यक पड़ताल शुरू कर दी है शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। घटना से परिजनों में शोक का माहौल है।

वीडियो के जरिए अफसरों-कर्मियों को दी एसओपी की जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

अमृत विचारः माती के पुलिस लाइन सभागार में जनपद के सभी थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण सत्र का संचालन जनपद के मिशन शक्ति सहायक नोडल अधिकारी व क्षेत्राधिकारी सिकंदरा प्रिया सिंह द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान, मिशन शक्ति केंद्रों की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) से संबंधित विशेष प्रशिक्षण वीडियो प्रदर्शित किए गए। इन वीडियो के माध्यम से केंद्रों के दैनिक संचालन, महिलाओं व बालिकाओं की शिकायतों के संवेदनशील निस्तारण, पीड़िताओं को कानूनी व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया तथा डाटा प्रबंधन संबंधी व्यवस्थित दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त, सीओ ने महिला सशक्तिकरण व सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न राज्य व केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी, ताकि मिशन शक्ति केंद्र इन योजनाओं का लाभ पीड़िताओं तक पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम के अंत में, मिशन शक्ति केंद्रों के सार्थक और प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जनपद के सभी मिशन शक्ति केंद्रों की कार्यप्रणाली में एकरूपता लाना, पीड़िताओं के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना और समन्वित प्रयासों से महिला सुरक्षा को और मजबूत करना है। प्रशिक्षण में जनपद के सभी थानों के मिशन शक्ति केंद्रों से जुड़े अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के बारे में जानकारी देतीं सीओ प्रिया सिंह।। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार,29 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

आरोग्य मेले में 48 मरीजों का इलाज

पौथिया हमीरपुर। नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के आरोग्य मेला में 48 मरीज़ पहुंचे। सर्दी, जुकाम, बुखार, हाइपर टेंशन सहित गर्भवती महिलाओं ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। यहां डॉ. भावना सोनकर, डा. मीना सचान, फार्मासिस्ट प्रदीप सचान, सीएचओ आस्था सचान, अन्नपूर्णा सचान, एएनएम कल्पना सिंह रहीं।

देशी शराब बेचने पर पकड़ा

बिवांर हमीरपुर। थाना क्षेत्र के भरखरी गांव में सुरेश पुत्र किशोरी लाल अपने घर से देशी शराब के क्वार्टर महंगे दामों पर बिक्री करते धरा गया। मुखबिर की सूचना पर एसआई अंकित बैसला ने उसे 42 क्वार्टर के साथ पकड़ा। इसके बाद मुचलके पर छोड़ दिया।

प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी विवाहिता

बिवांर हमीरपुर। भुगैचा गांव की युवती की शादी छानी में हुई थी। पौथिया के जितेंद्र कुमार से इंस्टाग्राम पर प्यार की दीवानगी में वह पति को छोड़कर मायके आ गई। अब परिजनों से प्रेमी के साथ शादी करने की जिद पर अड़ी है। उसने प्रेमी के साथ रहने की बात कह थाने में तहरीर दी है। थानाध्यक्ष नंदराम प्रजापति ने बताया कि जांच के बाद कदम उठाया जाएगा।

ट्रक की टक्कर से घोड़े की गई जान

राठ हमीरपुर। नवैनी निवासी जगदीश कुमार ने बताया कि वह जलूस में अपना घोड़ा लेकर लाया था। शाम को घर जा रहा था, तभी हमीरपुर रोड पर साईं मंदिर के पास तेज रफ्तार ट्रक ने घोड़े को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घोड़े से परिवार का भरण पोषण होता था। इंस्पेक्टर राकेश कुमार ने बताया कि जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी।

मनरेगा खत्म करने पर विरोध-प्रदर्शन

मौदहा हमीरपुर। इलाही तालाब स्थित दफ्तर में कांग्रेस ने पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। नगर अध्यक्ष अहमद हसन के नेतृत्व में गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मनरेगा खत्म करने पर विरोध जताया। यहां कांग्रेस यूथ ब्रिगेड के विवेक चंद्र, सलीम अहमद, मो जाकिर बब्बन, डा. शाहिद अली, तबीब खान, कमालउद्दीन, रमजान खान आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

30 दिसंबर को होगा बीजों का वितरण

चित्रकूट। जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय ने बताया कि एकीकृत बागवानी विकास मिशन एवं एसीपी राज्य सेक्टर योजना अंतर्गत आनलाइन पंजीकृत किसानों को बीजों का वितरण 30 दिसंबर को कार्यालय प्रांगण से किया जाएगा।

अलग-अलग मामलों के दो वारंटी गिरफ्तार

चित्रकूट। बहिलपुरवा थाने के एसआई प्रभाकर उपाध्याय ने आबकारी अधिनियम के वारंटी बउवा उर्फ रामसजीवन पुत्र मुन्नीलाल निवासी कैलहा को गिरफ्तार किया। कोतवाली के एसआई अंशुल कुमार ने वारंटी सुहेल खां को गिरफ्तार किया।

चार जुआरी गिरफ्तार

राजापुर चित्रकूट। एसआई रविंद्र कुमार कटियार ने दुर्विजय सिंह, कुलदीप, अशोक सिंह निवासीगण बरुआ और वीरेंद्र त्रिपाठी निवासी तीरमऊ को जुआ खेलने के आरोप में पकड़ा। इनकी मालफड़ से 3450रुपये और जामा तलाशी से 1140 रुपये आदि बरामद किए गए।

डंपर से टकराई डीसीएम, 18 भैसों की गई जान

चित्रकूट। रविवार तड़के घने कोहरे के कारण नेशनल हाईवे पर चकला राजरानी गांव के पास एक तेज रफ्तार डीसीएम सड़क किनारे खड़े डंपर से पीछे से जा टकराई। डीसीएम में 35 भैंसें थीं, जिनमें 18 की मौत हो गई है। 12 बुरी तरह घायल हो गईं। यह जानकारी शिवरामपुर चौकी प्रभारी शनि चतुर्वेदी ने दी। बताया कि इस मामले में पशु क्रूरता संबंधी मामला भी पंजीकृत कर लिया गया है। टक्कर के बाद कई भैंसें वाहन के भीतर ही दब गईं। हादसे की सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित किया। पशुपालन विभाग को भी घटना की जानकारी दी गई।

15 लाख की सहायता के बाद शांत हुए परिजन

निर्माणाधीन कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में मुआवजे को लेकर जमकर हुआ हंगामा, क्षेत्रीय विधायक भी मौके पर पहुंचे

संवाददाता, बिल्हौर

अमृत विचार। बिल्हौर के गदनपुर आहार गांव में शुक्रवार को साथी सिक्योरिटी गार्ड की गोली का शिकार हुए नीरज सिंह चंदेल की मौत के बाद रविवार को स्थिति तनावपूर्ण रही। मुआवजे की मांग को लेकर परिजनों और हजारों की संख्या में आए ग्रामीणों ने विश्वविद्यालय परिसर का घेराव करते हुए जमकर हंगामा किया। परिजनों ने शव को रखकर जोरदार प्रदर्शन दिया।

रविवार को सुबह से ही ग्रामीणों का हुजूम विश्वविद्यालय कैंपस में जुटने लगा था। परिजनों ने शव को मौके पर रखकर मुआवजे की मांग पर अड़ गए। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। मौके पर पहुंचे आला अधिकारियों ने परिजनों को समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी झुकने को तैयार नहीं थे। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर और उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित भी मौके पर पहुंचे। प्रशासन और विश्वविद्यालय प्रबंधन के बीच करीब 6 घंटे तक चली 'मैराथन' बातचीत और हंगामे के बाद आर्थिक सहायता की घोषणा की गई। आर्थिक सहायता में परिजनों की मांग को देखते हुए कुल 15 लाख रुपये की सहायता राशि का प्रावधान किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय प्रबंधन13 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, सुरक्षा एजेंसी एक लाख की सहायता देगी और क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर ने व्यक्तिगत रूप से एक लाख रुपये देने का आश्वासन दिया।

परिजनों से बातचीत करते क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर। अमृत विचार

- प्रशासन और विश्वविद्यालय प्रबंधन के बीच करीब 6 घंटे तक चली 'मैराथन' बैठक

हत्यारोपी अनुभव द्विवेदी। अमृत विचार

इसके अतिरिक्त, उप जिलाधिकारी संजीव दीक्षित ने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि मृतक की पत्नी के कैंसर के इलाज के लिए राजस्व विभाग और सरकारी योजनाओं के माध्यम से हर संभव मदद दिलाई जाएगी। इस दौरान ग्राम प्रधान पति रमन सिंह चंदेल और नानामऊ जिला पंचायत सदस्य गगन सिंह भी मौजूद रहे और पारिवारिक जनों को आर्थिक सहायता के लिए आश्वासन दिलाते रहे। वहीं मौके पर प्रशासन के साथ साथ भारी पुलिस बल भी मौजूद रहा।

हत्यारोपी गिरफ्तार, जांच जारी

- नीरज सिंह की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। घटना के कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस ने आरोपी गार्ड अनुभव द्विवेदी को हिरासत में ले लिया था। वहीं पुलिस की टीमें आरोपी से गहन पूछताछ कर रही हैं। थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि घटना के कुछ ही देर बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था। तमाम जांच प्रक्रिया के बाद आरोपी को सोमवार को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। हत्या में प्रयुक्त हुई लाइसेंसी बंदूक को भी पुलिस ने जप्त कर लिया है।

पुलिस की मौजूदगी में हुआ अंतिम संस्कार

- प्रशासनिक आश्वासन और मुआवजे की घोषणा के बाद परिजन शांत हुए। देर शाम भारी पुलिस बल की मौजूदगी में नीरज सिंह चंदेल का शव नानामऊ स्थित गंगा घाट ले जाया गया। वहां पर पुलिस की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

हत्या का कारण स्पष्ट नहीं

- पुलिस अभी भी इस गुत्थी को सुलझाने में लगी है कि आखिर ड्यूटी के दौरान दोनों साथियों के बीच ऐसी क्या बातचीत हुई कि अनिरुद्ध ने नीरज सिंह पर गोली चला दी। वहीं सूत्रों की माने तो दोनों के बीच राजनीतिक विषय को लेकर बहस हुई थी, जिसके बाद आरोपी अनिरुद्ध द्विवेदी द्वारा नीरज सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मौके पर स्थानीय गार्ड ने जब अनिरुद्ध को पकड़ना चाहा तब वह सभी को बंदूक का डर दिखाकर मौके से फरार हो गया था।

नाले की ढाल पर पलटा ट्रैक्टर, किसान की मौत

हमीरपुर। सुमेरपुर थाना क्षेत्र के बिरखेरा गांव में निजी नलकूप से घर लौट रहे किसान की ट्रैक्टर पलटने से दबकर मौत हो गई। अचानक हुई घटना से परिजनों में कोहराम मचा रहा।

बिरखेरा निवासी रामनारायण यादव ने बताया कि उसका पुत्र अवधेश यादव (32) खेतों में काम करने के बाद रात करीब 8:30 बजे अपने निजी नलकूप से ट्रैक्टर लेकर गांव आ रहा था। तभी कोहरे के चलते करोड़न नाले की ढाल में ट्रैक्टर पलट गया। जिसके नीचे दबकर उसकी मौत हो गई। काफी देर तक गांव न पहुंचने पर परिजन खेतों की ओर गए तो अवधेश ट्रैक्टर के नीचे दबा हुआ था। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अचानक हुई इस घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी मिथलेश, पुत्र रीशू (10) और नीशु (6) रोते-बिलखते रहे। अवधेश यादव भाइयों में सबसे बड़ा था।

भाजपा की नीतियों का किया बखान

संवाददाता, शिवराजपुर

अमृत विचार। कस्बे के वार्ड नंबर दस में स्थित एक प्रतिष्ठान में सरदार वल्लभ भाई पटेल फाउंडेशन के उपाध्यक्ष सुधीर पटेल रविवार को कस्बे के गंगा रोड निवासी समीम फारूकी के घर पहुंचे। वहां पर मौजूद लोगों ने उनका भव्य स्वागत व अभिनंदन किया।

सुधीर पटेल ने अपने संबोधन में भारतीय जनता पार्टी की नीतियों के बारे में चर्चा की एवं सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न प्रकार की योजनाओं के बारे में वहां पर मौजूद लोगों को अवगत कराया। इस मौके पर प्रमुख रूप से आमिर उवैसी, रियाज, नसीम, सलमान आदि मौजूद रहे।

- सरदार पटेल फाउंडेशन के उपाध्यक्ष सुशील ने की बैठक

मुख्य अतिथि को सम्मनित करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

शिवराजपुर में रासलीला देखने को उमड़ रहे श्रद्धालु, 3 को होगा समापन

संवाददाता ,शिवराजपुर

अमृत विचार। दुबियाना गांव में 11 दिवसीय दिव्य रासलीला का आयोजन 24 दिसंबर से अनवरत चल रहा है। इस रासलीला का आयोजन तीन जनवरी तक होगा। रासलीला का आनंद लेने के लिये सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहते हैं।

रासलीला का मंचन रासलीला आचार्य पं कैलाश चंद्र शर्मा ब्रज रसिक के मंडल द्वारा कराया जा रहा है। रासलीला दिन एवं रात्रि दोनों बेला में हो रही है। इसमें रसिक प्रेमी भक्तजन लीला पंडाल में पहुंचकर भगवान कृष्ण राधा एवं ग्वाल बाल सखा आदि की लीलाओं को देख रहे हैं। रासलीला में प्रतिदिन भगवान श्रीकृष्ण की अलग-अलग लीलाओं का मंचन किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख रूप से माखन लीला, नाग मर्दन लीला एवं भगवान राधा कृष्ण के कई भक्तों के चरित्रो का चित्रण किया जा रहा है। रासलीला पंडाल में गांव एवं क्षेत्र के अन्य गांव से ग्रामीण भारी संख्या में पहुंचकर रासलीला का रसपान कर रहे हैं रासलीला का आयोजन प्रमुख रूप से ओम जी दुबे, कन्हैया दुबे, बिरजू मिश्रा, विनोद सिंह चंदेल, अनिल शर्मा ,अरविंद, अजय द्विवेदी सहित समस्त ग्राम एवं क्षेत्र वासियों के सहयोग से किया जा रहा है।

रासलीला का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

- 24 दिसंबर से अनवरत जारी है 11 दिवसीय रासलीला
- माखन लीला और नाग मर्दन लीला का हुआ मंचन

बर्फीली हवाओं से जनजीवन हुआ प्रभावित, लोग बेहाल

संवाददाता, चौबेपुर

अमृत विचार। क्षेत्र में ठंड का प्रकोप लगातार बढ़ता ही जा रहा है। भीषण गलन के चलते अब लोगों का घरों से बाहर निकलना दूभर हो गया है। रविवार को सुबह से लेकर शाम तक सूर्य देव के दर्शन नहीं हुए। इस दौरान चली बर्फीली हवाओं ने लोगों को कंपा दिया। सर्दी से बचाव के लिए लोग आग का सहारा लेते दिखे।

पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में स्पष्ट दिख रहा है। रविवार को सुबह से छाया घना कोहरा दोपहर बाद कम तो हुआ, लेकिन आसमान में छाए बादलों के कारण सूर्य देव के दर्शन पूरे दिन नहीं हुए। इस दौरान चली बर्फ़ीली हवाओं ने लोगों को घरों के अंदर ही कैद रहने को विवश कर दिया। मजबूरीवश घर से बाहर निकले लोग सिर से पांव तक गर्म कपड़ों से ढके नजर आए। तेजी से बढ़ रही गलन से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित है। विगत हफ्ते भर से पड़ रही कड़ाके की सर्दी ने सबसे अधिक समस्या दिहाड़ी मजदूरों के समक्ष उत्पन्न कर दी है। काम की तलाश में मजदूर सुबह से शाम तक इधर से उधर भटकते दिखाई दे रहे हैं। वहीं मौसम के इस रुख से बाजार में छाए सन्नाटे के कारण दुकानदारों में भी निराशा है। रविवार को कस्बे में बाजार का दिन होने के बावजूद जबरदस्त गलन के चलते जी टी रोड, बेला रोड व बंदी माता मार्ग पर शाम 6:00 बजे के बाद सन्नाटा दिखा।

गर्म कपड़ों से ढका युवक व उसका बच्चा।

कड़ाके की ठंड में बिठूर में बांटे गए जरूरतमंदों को कंबल

संवाददाता, बिठूर

अमृत विचार। लगातार गिरते तापमान और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए श्री रामजानकी मंदिर सामाजिक एवं सांस्कृतिक सेवा समिति की ओर से रविवार को रामनगर मंधना स्थित रामजानकी मंदिर प्रांगण में जरूरतमंदों को कंबल बांटे गये। इस दौरान ठंड से जूझ रहे 100 असहाय व गरीब लोगों को कंबल की सौगात दी गई, जिससे उन्हें सर्द रातों में कुछ राहत मिल सके। इस दौरान वहां पर मौजूद सभी लोगों को चाय भी पिलाई गई।

गरीब लोगों को कंबल वितरित करते हुए समिति के अध्यक्ष अजय शुक्ला ने कहा कि कड़ाके की ठंड में खुले आसमान के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के लिए यह समय बेहद कठिन होता है। ऐसे में समाज के सक्षम लोगों को आगे आकर उनकी मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है और समिति आगे भी इस तरह के सेवा कार्य निरंतर करती रहेगी। इस मौके पर समित अध्यक्ष अजय शुक्ला, उपाध्यक्ष आशू त्रिवेदी, आलोक बाजपेई, अनिल बाजपेई, हिमांशु शुक्ला, अनुभा शुक्ला, गोपाल बाजपेई, जय प्रकाश शुक्ला, पन्नालाल बाजपेई, लालू पांडेय, गुड्डू पार्षद, राकेश, दुल्लर शुक्ला, अर्जुन सोनी, कुलदीप पाठक आदि मौजूद रहे।

असहायों और गरीबों को वितरित किये कंबल। अमृत विचार

- आयोजन स्थल पर मौजूद लोगों को चाय भी वितरित की गई
- अन्य लोगों से भी गरीबों की मदद करने का आह्वान किया

आपदा मित्र संगठन ने उठाई समस्याएं

हमीरपुर। चौपरा मंदिर में नेशनल आपदा मित्र संगठन की बैठक हुई, जिसमें जिलाध्यक्ष ऋषभदेव यादव ने संगठन की एकता को लेकर चर्चा की। इस मौके पर मानदेय को लेकर सरकार की घोषणा और नियमित काम के लिए प्रेरित किया।

बैठक में कहा गया कि आपदा मित्र जो कार्य कर रहे हैं, उसके बदले एक रुपये नहीं मिल रहा है, जबकि बिहार सरकार आपदा मित्रों को वेतन दे रही है। उत्तर प्रदेश सरकार आपदा मित्रों के मूल वेतन और भविष्य के लिए काम करे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि तहसील अध्यक्ष मुबीन अहमद के रेस्क्यू को लेकर सरकार गंभीर हो। जिला प्रशासन ने अभी तक मुबीन अहमद को कभी सम्मान नहीं दिया। बैठक में मधु सिंह, ललित कुमार, सत्येंद्र कुमार, दीपकांत पाठक, आपदा सखी रिना, टीकम सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। संचालन इलियास ने किया।

उमराहट कांड में चौकी इंचार्ज लाइन हाजिर

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। कुरारा थाना क्षेत्र के उमराहट गांव में पुलिस टीम पर हुए जानलेवा हमले और सरकारी पिस्टल छीनने के मामले में पुलिस अधीक्षक डॉ. दीक्षा शर्मा ने कड़ा रुख अपनाया है। पूरे मामले में लापरवाही बरतने और बसपा, भाजपा नेताओं के पीड़ित परिवारों से मुलाकात करने के बाद एसपी ने हरौलीपुर चौकी प्रभारी राजेंद्र प्रसाद को लाइन हाजिर कर दिया है।

पिछली 2 दिसंबर को उमराहट गांव में विवाद सुलझाने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर सिपाही को बंधक बना लिया था। हमले में सिपाही गंभीर रूप से घायल हुआ था। ग्रामीणों ने हरौलीपुर पुलिस चौकी इंचार्ज राजेंद्र प्रसाद की सरकारी पिस्टल भी छीन ली थी। इस मामले में 19 नामजद व अन्य अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है। इस घटना में अब तक 23 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। ऐसे में गांव के ज्यादातर लोग भूमिगत होने के साथ राजनीतिक दलों के नेताओं की शरण में पहुंच रहे हैं।

शनिवार को बसपा नेताओं ने उमराहट गांव पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी। रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के भाजपा नेताओं के साथ उमराहट पहुंचे और पुलिस कार्रवाई की निंदा कर हर संभव मदद का भरोसा दिए जाने के बाद देर शाम हरौलीपुर चौकी इंचार्ज को लाइन हाजिर कर दिया गया।

कूड़ा विवाद को लेकर रिपोर्ट दर्ज

चौबेपुर। क्षेत्र के भरथापुर गांव में कूड़ा फेंकने को लेकर हुए विवाद के बाद पड़ोसी ने महिला के साथ गाली गलौज की। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

भरथापुर गांव निवासी शीला पत्नी राजू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि गत गुरुवार सुबह वह कूड़ा फेंकने के लिए घर से बाहर निकली थीं। तभी गांव के रंजीत पुत्र रामकुमार ने रास्ते में कूड़ा फेंकने की बात कहकर उसके साथ गाली गलौज की थी और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। थाना प्रभारी आशीष चौबे ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई की जा रही है।

तैयारियां तेज | 3 जनवरी से शुरू होने वाले मेला श्री रामनगरिया में अब तक दस हजार से अधिक कल्पवासी पहुंचे

आबाद होने लगी 'राम की नगरी', प्रवेश के लिए नौ गेट लगे

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। पांचाल घाट पर 3 जनवरी से शुरू होने वाले एक माह के 'मिनी कुंभ' राम की नगरी आबाद होने लगी है। अब तक करीब 10 हजार से अधिक संत और श्रद्धालु कल्पवास के लिए घाट पर पहुंच चुके हैं। यह मेला 3 फरवरी तक चलेगा।

मेले की आधिकारिक शुरुआत से पहले ही श्रद्धालुओं और संतों का आगमन शुरू हो गया है। विभिन्न संप्रदायों के संतों ने अपने-अपने क्षेत्र स्थापित कर लिए हैं, जबकि गंगा किनारे श्रद्धालुओं के तंबू भी लग गए हैं। ये श्रद्धालु एक माह तक इन तंबुओं में रहकर कल्पवास करेंगे।

प्रशासन द्वारा कल्पवासियों के लिए सुविधाओं का तेजी से निर्माण कराया जा रहा है। लगभग 1000 शौचालय बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से करीब 650 बनकर तैयार हो चुके हैं। संतों के अखाड़ों और श्रद्धालुओं के लिए नलों की व्यवस्था भी की जा रही है। सांस्कृतिक पंडाल का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। पंडाल के पास विकास प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें करीब 40 स्टॉल होंगे।

सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के लिए अस्थायी कोतवाली का निर्माण कार्य जारी है। इसमें पुलिसकर्मियों के ठहरने की भी व्यवस्था होगी। मेला क्षेत्र में 9 चौकियां बनाई जाएंगी। एटा से पीएसी की एक प्लाटून भी सुरक्षा ड्यूटी के लिए पहुंच चुकी है।

घाट पर लगने वाला मेला प्रशासनिक पंडाल सहित विकास प्रदर्शनी के पंडाल भगवा रंग में रहेंगे। पूरे मेले में 9 गेट बनाए जा रहे हैं, जो भगवा रंग के होंगे। गेटों के निर्माण का कार्य भी चल रहा है। बताया गया कि यहां करीब 1000 दुकानें लगेंगी। शुक्रवार तक 488 दुकानों की रसीद काटी जा चुकी थी। मेले में संतों व श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए एलोपैथिक, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक के अलग-अलग तीन अस्पताल बनाए जाएंगे। यहां चिकित्सकों सहित स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

सुभाष आश्रम के दंडी मंडल के अध्यक्ष ने बताया कि 16 आश्रमों के संत उनके पास आ रहे हैं और व्यवस्था कराने की बात कह रहे हैं, लेकिन वे व्यवस्था नहीं करा पा रहे हैं। मेला रामनगरिया में सभी संतों के कार्यों की स्वीकृति कराई जाती है। उन्होंने मेला व्यवस्थापक को अपनी समस्या से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा है।

मेला श्रीरामनगरिया में मौजूद संत। अमृत विचार

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

पहले मेरा नाम HINA KAUSER NAQVI था अब मैने बदलकर अपना नाम HINA KAUSER RIZVI रख लिया है भविष्य में मुझे HINA KAUSER RIZVI के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O- SAIYAD MOHD ALI NIYAZ R/O- 48, BANGLA OLD SITAPUR, SITAPUR- 261001

सूचना

श्री भगवती विद्यालय इंटर कालेज मुरार मऊ सरेनी रायबरेली के साधारण सभा के सभी माननीय सदस्यों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय की साधारण सभा की बैठक आगामी 30 दिसंबर 2025 दिन मंगलवार को अपरान्ह 1 बजे विद्यालय प्रांगण में होगी कृपया समय से उपस्थित हो। यह जानकारी साधारण सभा के अध्यक्ष उमेश चंद्र तिवारी ने दी है उन्होंने बताया कि यह बैठक विद्यालय की प्रबंध समिति के चुनाव जो कि 14 जनवरी 2026 को हैं। इसमें नियुक्त चुनाव अधिकारी श्री यमुना शंकर द्विवेदी पूर्व प्रधानाचार्य अम्बारा पश्चिम के स्थान पर अन्य चुनाव अधिकारी नियुक्त करने पर विचार हेतु आहूत की गई है।

सूचना

पहले मेरा नाम MAKBOOL AHAMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम MAQBOOL AHMAD रख लिया है भविष्य में मुझे MAQBOOL A HMAD के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- MOHAMMAD MAKHDOOM R/O- 13/152, KASHI RAM COLONY KATRA GULARIYA GARDA, NAWABGANJ, BARABANKI

सूचना

मैंने राधेश्याम पुत्र बलदेव प्रसाद से मकान संख्या 150 स्थित मोहल्ला काजीपुरा उत्तरी तहसील बहराइच को क्रय कर उप निबंधक कार्यालय बहराइच पर दिनांक 6/8/1976 को बही संख्या 01 जिल्द संख्या 764 के पृष्ठ संख्या 200 से 202 तक क्रमांक 206 तक पंजीकृत कराया था। उक्त बैनामा कहीं खो गया है।

संतोष कुमार अग्रवाल पुत्र केसरदेव अग्रवाल मोहल्ला छावनी कोतवाली नगर बहराइच।

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

सुविचार

मेरी एक ही इच्छा है कि भारत अच्छा उत्पादक बने और देश में किसी को भूखा न रहना पड़े, खाने के लिए आंसू न बहाना पड़े।

– सरदार वल्लभ भाई पटेल

कानपुर के प्रमुख समाचार

- भूमाफिया नेगी पर एक और मुकदमा-II
- कैंसर का पहले और सटीक पता लगेगा-III
- मानस संगम संस्था नहीं, एक आंदोलन -IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

पहाड़ी हवाओं ने गिराया दिन का तापमान, पश्चिमी विक्षोभ का असर, मौसम विशेषज्ञों ने 3 जनवरी तक तापमान में और गिरावट की बात कही

कांपो और तापो: शिमला, नैनीताल से भी ज्यादा जाड़ा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में रविवार को कोहरे ने शहर को अपने आगोश में ले लिया। शिमला, नैनीताल से भी ज्यादा ठंडा दिन रहा। शहर का अधिकतम तापमान (दिन का) 14.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया। नैनीताल का अधिकतम तापमान 17.5 व शिमला का अधिकतम तापमान 19.5 दर्ज किया गया। कोहरे के असर से सुबह शहर के कई स्थानों पर दृश्यता शून्य हो गई। मौसम विशेषज्ञों ने 3 जनवरी तक शहर में न्यूनतम तापमान में और अधिक गिरावट दर्ज किए जाने से इनकार नहीं किया है।

शहर में भोर से ही कोहरे ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया था। सुबह जब लोग अपने घरों से निकले तो कोहरे ने विकराल रूप दिखाया। इसके चलते लोगों ने खुद को घरों में कैद रखा। दिन में भारी गलन रही। छुट्टी होने के चलते शहर की सड़कों पर भी दोपहर तक काफी कम वाहन ही निकल सके।

वाहन सवारों को लाइट जलाकर वाहन चलाना पड़ा। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि शहर में रविवार को न्यूनतम पारा 8.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम तापमान 14.3 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन में कोहरा व बादल होने के चलते अधिकतम तापमान में सामान्य से 7.5 डिग्री सेल्सियस की गरावट दर्ज हुई है।

यही वजह है कि ठिठुरन भरी सर्दी का सामना करना पड़ा है। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पाण्डेय ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ दिनों तक नमी के कारण धुंध और ऊंचे बादल ,कोहरा रह सकता है।

दिन मे धूप नरम रहने की संभावना है। उत्तर पश्चिमी हवाओं की गति दो दिन कम होने की संभावना है। रात ,दिन के तापमान में उतार चढ़ाव रहने के साथ रात ,सुबह ,शाम और दिन में भी गलन रहेगी। शाम और सुबह धुंध नमी के कारण बनी रहेगी, घना से घना कोहरा भी पड़ने की संभावना है।

कोहरे के बीच स्कूल जाते बच्चों ने मोबाइल में कैद किए सर्दी के नजारे । अमृत विचार

14.3 डिग्री रहा दिन का तापमान शहर का | **17.5** डिग्री दिन का तापमान नैनीताल का

टोपा, मोजा, जैकेट, शॉल सब पहनकर निकले लोग। अमृत विचार

जगह-जगह अलाव जलाए गए। अमृत विचार

ऐसे रखें सेहत का ख्याल

- वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. मनमीत सिंह ने बताया कि सर्दियों में बच्चों को विटामिन डी की खुराक दें, क्योंकि सर्दियों में धूप कम होती है। इसके अलावा बच्चों को पौष्टिक आहार देना चाहिए। भोजन में फल, सब्जियां और साबुत अनाज को शामिल करना चाहिए। गर्म पेय पदार्थ में दूध और सूप को शामिल करना चाहिए। बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए। सब गर्म कपड़े पहनें और कान और सिर को ढक कर रखना चाहिए। नियमित स्वास्थ्य जांच करवाना चाहिए खासकर अगर उन्हें कोई पुरानी बीमारी है। बुजुर्गों को पौष्टिक आहार जैसे कि फल, सब्जियां और साबुत अनाज देना चाहिए।

सिटी ब्रीफ

दंपती के खाते से निकले 5.45 लाख

कानपुर। कोहना निवासी दंपती के खातों से ठगों ने दो बार में 5 .45 लाख रुपये पार कर दिए। पीड़ित ने साइबर सेल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पार्वती बागला रोड शिव रतन अपार्टमेंट निवासी डॉक्टर विनोद कपूर के अनुसार उनके व उनकी पत्नी कंचन कपूर के खातों से ठगों ने सात दिसबंर से लेकर 20 दिसंबर के बीच में कई बार में 5 .45 लाख रुपये निकाल लिए हैं। ठग ने एक खाते से 2 .40 लाख व दूसरे खाते से 3 . 05 लाख रुपये निकले। ठगी का पता चलने पर पीड़िता ने मामले की शिकायत साइबर सेल थाने में की। थाना प्रभारी साइबर सेल ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

दहेली सुजानपुर में 45 लाख से सड़क बनेगी

कानपुर। नगर निगम द्वारा वार्ड 47 दहेली सुजानपुर में 45 लाख की लागत से बनाई जा रही पीएलडी इंटर कॉलेज के सामने 600 मीटर लंबाई और साढ़े चार मीटर चौड़ाई वाली इंटरलॉकिंग सड़क का रविवार को भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने शिलान्यास किया। इस सड़क के निर्माण से भवानी नगर, आदर्श विहार, राजपूत नगर, केडीए कॉलोनी, रामपुरम आदि क्षेत्रों के क्षेत्रीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। प्रमुख रूप से जसविंदर सिंह, अरविंद वर्मा, आलोक वर्मा,पार्षद निर्देश चौहान, अनिकेत द्विवेदी, बृजेश पांडे आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग बच्चों को कम्बल एवं मिष्ठान वितरण

कानपुर। अटल जन्मजयंती शताब्दी समारोह अभियान के तहत अटल स्मृति सामाजिक संस्था द्वारा अंध विद्यालय नेहरू नगर में दिव्यांग बच्चों को कम्बल एवं मिष्ठान वितरण किया गया। भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिला अध्यक्ष अनिल दीक्षित, संस्था अध्यक्ष नंदिता मिश्रा, संयोजक सुमित मिश्रा, संजय श्रीवास्तव ने बच्चों को आशीर्वाद किया। अनुराग शर्मा ने बताया कि 70 दिव्यांग बच्चों को गर्म कंबल व मिष्ठान वितरित की गई। इस दौरान युवा मोर्चा अध्यक्ष शिवांग मिश्रा, शेखर मिश्रा, सौरभ शर्मा, राजीव दीक्षित, वीरेन्द्र प्रताप सिंह, कपिल बाजपेई प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

चार खिलाड़ियों ने स्वर्ण और कांस्य पदक जीता

कानपुर। मऊ स्थित स्पोर्ट्स परिसर में संपन्न राज्य स्तरीय सब-जूनियर कुश्ती बालिका प्रतियोगिता में कानपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर पदक जीते। प्रतियोगिता में शहर के राजनारायण खेल संस्थान कानपुर की चार खिलाड़ियों ने स्वर्ण और कांस्य पदक जीता। अनीता ने 73 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। पायल ने 69 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। किरन ने 65 किग्रा भार वर्ग में और पायल ने 43 किग्रा भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी ग्रीन पार्क भानु प्रसाद, राजनारायण खेल संस्थान के प्रबंधक प्रदीप और उप क्रीड़ाधिकारी अमित पाल ने विजेता खिलाड़ी और कोच को बधाई दी।

गंगा बैराज पर ओवरस्पीड 60 वाहनों के चालान

कानपुर। गंगा बैराज पर कुल 60 वाहनों का ओवरस्पीड में चालान किया गया। शहर में प्रस्तावित वीआईपी कार्यक्रम के मद्देनजर एसीपी ट्रैफिक इंद्र प्रकाश सिंह ने सरसैया घाट, बड़ा चौराहा ड्यूटी प्वाइंट व वीआईपी रूट का निरीक्षण किया। एसीपी ने बताया कि प्रत्येक 20 किलोमीटर पर इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गई है। यातायात नियम तोड़ने वाले 2105 वाहनों के चालान किये गये।

गंगा कटरी में गर्म कपड़े बांटे

- कानपुर। सनातन सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने गंगा कटरी क्षेत्र में बच्चों, महिलाओं को गर्म वस्त्र बांटे। मिर्जापुर गांव में गंगा प्रसाद ने गांव के वंचित गरीब परिवारों को कार्यक्रम की सूचना दी तथा समिति कार्यकर्ताओं ने लगभग सौ व्यक्तियों को स्वेटर, जैकेट, शाल, कम्बल इत्यादि वस्त्र वितरित किए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से देवेन्द्र सिंह, पी एन त्रिपाठी, मोहित अरोरा, अनुराग गंगवार, काशी विश्वनाथन, सेवा भारती कानपुर से जय भदौरिया समेत गांव के अन्य किसान उपस्थित रहे।

जू में बाड़ों के बाहर हीटर लगाए

चिड़ियाघर में ठंड को देखते हुए कई जानवरों के बाड़ों के बाहर हीटर लगाए गए हैं। बाड़ों को कवर भी किया गया है। पशुओं की खुराक में भी बदलाव किया गया है। उधर, फिल्म चेन्नई एक्सप्रेस के अभिनेता थंगाबली रविवार को चिड़ियाघर पहुंच गये और बोले, ये सिर्फ चिड़ियाघर नहीं बल्कि कानपुर की शान है। अभिनेता ने वन्यजीवों को देखा और कानपुर प्राणि उद्यान की खुलकर तारीफ की।

बीडी मार्केट में उमड़ी खरीदारों की भीड़। अमृत विचार

5 रुपये में मफलर और 20 में स्वेटर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सर्दी आते ही बीडी मार्केट में भारी भीड़ गर्म कपड़े खरीदने में उमड़ पड़ी है और महाकुंभ में भीड़ जैसा नजारा देखने को मिल रहा है। यहां हर इंसान अपने बजट के मुताबिक गर्म कपड़े खरीद सकता है । यतीमखाना से दादा मियां समेत कई किमी तक फैली बीडी मार्केट में 5 रुपये में मफलर, 20 रुपये में स्वेटर ले सकते हैं।

रविवार को बड़ा चौराहा से आईएमए हाल तक, तलाक महल, बेकनगंज, दादा मियां चौराहा, यतीमखाना, रजबी रोड, हीरामन पुरवा, रहमानी मार्केट, रुपम चौराहा, हलीम कालेज चौराहा, मोहम्मद अली पार्क, नाला रोड, कंघी मोहाल, कर्नलगंज तक बीडी मार्केट फैल चुकी है। दो दशक पूर्व यहां बंगलादेश से आने वाले गर्म कपड़ों की बाजार लगती थी, यही कारण है कि इस बाजार का नाम ही बीडी मार्केट पड़ गया।

पूरे प्रदेश का हब, करोड़ों का कारोबार : यतीमखाना, तलाक महल और आसपास सजने वाली बीडी मार्केट पूरे उत्तर प्रदेश का हब है, कोलकाता, दिल्ली, मुंबई से करोड़ों का माल इस मार्केट में आता है और फिर प्रदेशभर के थोक व फुटकर दुकानदार यहां माल खरीदने आते हैं। सर्दी में रेडीमेड मार्केट डाउन हो जाती है और बीडी मार्केट हाई हो जाती है।

बीडी मार्केट में गर्म कपड़े देखिए

- गर्म मोजा, मफलर, गर्म टोपी 5 रुपये से 10 रुपये
- स्वेटर साधारण से खूबसूरत डिजाइनदार 20 रुपये से 100 रुपये
- गर्म कोट और सूट 200 रुपये से 700 रुपये
- जैकेट लेदर 300 से 1000 रुपये
- जैकेट रैक्सीन 100 रुपये से 200 रुपये
- लैगी, इनर, लोअर व अन्य कपड़े 25 रुपये से 100 रुपये
- किसी कपड़े की चेन लगवाई 5 रुपये से 20 रुपये

सर्दी का सितम, सभी ट्रेनें कोहरे में गुम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एक तो कड़ाके की ठंड, ऊपर से ट्रेनों का कुछ पता नहीं, इसको लेकर हजारों यात्री परेशान हैं। वीआईपी ट्रेनों में लोग कई गुना अधिक किराया देकर समय से पहुंचने की कोशिश करते हैं लेकिन वीआईपी ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय से भटकी हुई हैं।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन से प्रतिदिन 300 से अधिक सवारी गाड़ियों का आवागमन है, इन गाड़ियों से लगभग सवा लाख यात्री आते जाते हैं लेकिन इधर लगभग एक माह से कोहरे के कारण गाड़ियों का संचालन ध्वस्त हो चुका है। वीआईपी ट्रेनों का लोकेशन लेने के बाद ही यात्री स्टेशन पहुंचे लेकिन स्पेशल, सुपरफास्ट, मेल, साधारण, एक्सप्रेस गाड़ियों से आरक्षण कराने वाले हजारों यात्रियों को गाड़ियों की सही जानकारी नहीं मिलने से परेशान रहे। रविवार को मगध एक्सप्रेस 10 घंटे रही। चंपारण हमसफर 22 घंटे, स्वतंत्रता सेनानी 12 घंटे, कालिंदी एक्सप्रेस 9 घंटे, बरौनी नई दिल्ली 14 घंटे लेट रही।

वीआईपी गाड़ियों की स्थिति देखें: सियालदह राजधानी एक्सप्रेस रात 9.10 बजे कानपुर सेंट्रल स्टेशन आती है लेकिन ये गाड़ी रविवार को सुबह 11.30 बजे आई। इसी प्रकार श्रमशक्ति एक्सप्रेस कानपुर सुबह 6 बजे के बजाय शाम 4.30 बजे आई।

नई दिल्ली से लखनऊ जाने वाली स्वर्ण शताब्दी एक्सप्रेस सुबह 11.05 बजे के बजाय शाम 5.20 बजे कानपुर सेंट्रल स्टेशन पहुंची। नई दिल्ली से वाराणसी जाने वाली वीआईपी ट्रेन वंदेभारत सुबह 10 बजे के बजाय शाम को 6.10 बजे आई। आनंदविहार टर्मिनल से अयोध्या जाने वाले वंदेभारत 7:58 घंटे देरी से सेंट्रल स्टेशन आई। इसके आने का समय सुबह 11 बजे का है, यह ट्रेन शाम को 5:58 बजे आई। हावड़ा राजधानी एक्सप्रेस नई दिल्ली से रात 9.30 बजे आती है लेकिन ये वीआईपी गाड़ी रात 3.42 बजे आई।

रोडवेज की 700 बसों का संचालन ध्वस्त : उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त उत्तराखंड, दिल्ली, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा रोडवेज की बसें शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डे पर आती हैं लेकिन शनिवार की रात में आने वाली बसें रविवार को शाम तक आती रहीं। अनुमान है कि लगभग 700 रोडवेज की बसों का संचालन ध्वस्त रहा।

- वाराणसी से नई दिल्ली जाने वाली वंदेभारत सुबह के बजाय शाम को कानपुर आई
- तेजस एक्सप्रेस रात 8:35 कानपुर आती है लेकिन दूसरे दिन दोपहर 2:16 बजे आई

सभी फ्लाइट फुल रहीं

- ट्रेनों की लेटलतीफी के कारण कानपुर की फ्लाइट पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गयी है, स्थिति ये है कि कानपुर की सभी फ्लाइट फुल चल रही हैं। रविवार को हैदराबाद की फ्लाइट दोपहर 12 .57 बजे 124 यात्रियों को लेकर कानपुर आई। ये फ्लाइट दोपहर 1 .23 बजे 172 यात्रियों को लेकर हैदराबाद रवाना हुई। इसी प्रकार बंगलुरु फ्लाइट सुबह 11 .55 बजे 163 यात्री लेकर आई और दोपहर 12 .26 बजे 184 यात्रियों को लेकर रवाना हुई। दिल्ली फ्लाइट दोपहर 2 .04 बजे 156 यात्री लेकर आई और 182 यात्रियों को लेकर दोपहर 2 .39 बजे उड़ान भरी। इसी प्रकार मुंबई फ्लाइट दोपहर 2 .38 बजे 169 यात्रियों को लेकर कानपुर आई और 183 यात्रियों को लेकर अपराह्न 3 .15 बजे मुंबई के लिए रवाना हुई।

अराजकता | डीएम ने निरीक्षण में पकड़ीं गड़बड़ियां, जताई नाराजगी

स्मार्ट शेल्टर होम में भी 20 रुपये वसूली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। घण्टाघर के स्मार्ट शेल्टर होम में निराश्रित व्यक्तियों से 20 रुपये लिए जाने के मामले में नगर आयुक्त ने कार्रवाई की। रविवार सुबह डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के निरीक्षण में यह सामने आने के बाद नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने फर्म नव सृजन सोसायटी को ब्लैक लिस्ट करने के साथ ही शिथिल निगरानी पर प्रभारी अपर नगर आयुक्त संतोष यादव और जोनल अभियन्ता आरके तिवारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। नगर आयुक्त कार्यालय की ओर से बताया कि अधिकारी यदि 3 दिन में जवाब संतोषजनक नही मिलता तो शासन को जानकारी देते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही की संस्तुति कर दी जायेगी।

रविवार सुबह डीएम ने घण्टाघर स्थित स्मार्ट होम के निरीक्षण में पाया कि 24 व्यक्तियों की क्षमता वाले शेल्टर होम में मूलभूत सुविधाए संतोषजनक नहीं हैं। मौके पर न तो रसोईघर की कोई व्यवस्था है और न ही पीने के पानी व शौचालय की सुविधा। गद्दे, कंबल, दरी और चादर मौजूद तो हैं, लेकिन उनकी साफ-सफाई की स्थिति बेहद खराब पाई गई। इसके अलावा बाल्टी और मग जैसी आवश्यक दैनिक उपयोग की वस्तुएं भी शेल्टर होम में उपलब्ध नहीं थीं। निरीक्षण के दौरान रजिस्टर में दर्ज मोबाइल नंबरों की भी जांच की गई। दो मोबाइल नंबरों पर इनकमिंग कॉल बंद मिली, जबकि एक अन्य नंबर पर विवेक कुमार से संपर्क स्थापित हुआ। निरीक्षण के दौरान नव सृजन सोसायटी के प्रतिनिधि अमर द्वारा शेल्टर होम में रात्रि निवास करने वालों से 20 रुपये लेने की भी पुष्टि हुई। नगर आयुक्त ने स्वच्छ बिस्तर, पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई व्यवस्था, इमरजेंसी प्रकाश व्यवस्था संतोषजनक न पाये जाने पर संस्था को काली सूची में डालने के निर्देश दिए। इसके साथ ही दो अधिकारियों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते हुए। अमृत विचार

- कंपनी ब्लैक लिस्टेड, अपर नगर आयुक्त व अधिशाषी अभियंता को नोटिस जारी

सागर हाईवे पर 35 किमी का जाम

संवाददाता, घाटमपुर

अमृत विचार। कानपुर-सागर हाईवे पर शनिवार रात शंभुआ पुल के पास हुए सड़क हादसे के बाद घाटमपुर से कानपुर तक 35 किमी लंबा जाम लग गया। इस जाम में हजारों छोटे बड़े वाहन फंसे रहे। शनिवार रात का जाम रविवार को शाम तक पूरी तरह नहीं छूट पाया।

शनिवार की रात में शंभुआ पुल के पास शनिवार देर रात एक डंपर और ट्रेलर की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों के चालक घायल हो गए। बिधनू पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद क्षतिग्रस्त वाहनों को किनारे किया गया। लेकिन, इस दौरान वाहनों की कतारें लगना शुरू हो गईं और सागर हाईवे पर पूरी तरह जाम में फंस गया।

हजारों की संख्या में मौरंग व गिट्टी के डंपरों ने इस जाम को और विकराल बना दिया। कड़ाके की ठंड में रातभर खुले आसमान के नीचे हजारों परिवार फंसे रहे। रोडवेज की 50 से अधिक बसें इस जाम में फंसी रहीं। सैकड़ों कार सवारों ने सुबह होने का इंतजार किया। भोर होते ही सैकड़ों लोगों ने गांव की ओर पगडंडी से होकर जाम से निकलने की मशक्कत की लेकिन नाकाम रहे।

वाहन किनारे लगाकर सो गये चालक

कई ट्रक चालकों ने ट्रक को सड़क के किनारे किसी ढाबे या खेत में उतारकर खड़ा कर दिया और वहीं सो गये। पुलिस ने भी देर से जाम खुलवाने की कोशिश की लेकिन नाकाम साबित हुए। हजारों लोगों ने दूसरे रास्तों से जाने की कोशिश की, नौबस्ता से सीधे भौंती होते हुए बारा टोल प्लाजा से झांसी मार्ग से पुखरायां के आगे मुड़कर लोगों ने घाटमपुर निकलने की कोशिश की। इसी प्रकार तमाम लोगों ने बिंदकी मार्ग से आगे का रास्ता तय किया।

घाटमपुर हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

दो कारों का शीशा तोड़कर सामान चोरी

कानपुर। स्वरूपनगर में सड़क किनारे खड़ी दो कारों के शीशा तोड़कर चोर अंदर रखा सामान चोरी कर ले गए। पीड़ितों ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। किदवईनगर निवासी हरप्रीत सिंह के अनुसार 26 दिसंबर को वह स्वरूपनगर स्थित एक प्राइवेट अस्पताल गए थे। अस्पताल की कार पार्किंग के बाहर सड़क किनारे उनकी व उनके साथ काम करने वाले सिम्नेचर ग्रीन अपार्टमेंट निवासी आशीष सिंह की कार खड़ी थी। तभी चोरों ने कार का शीशा तोड़कर उसमें रखा सामान चोरी कर लिया। हरप्रीत के अनुसार चोर उनकी कार से एक बैग चोरी कर ले गया, जिसमे आई पैड व जरूरी कागजात थे, जबकि आशीष की कार से चोर लेदर बैग, एपल का लैपटॉप व कुछ जरूरी कागजात चोरी कर ले गए हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए हैं।

दुकान से सामान व रुपये चोरी

कानपुर। रायपुरवा में चोर पान-मसाला की दुकान का शटर तोड़कर हजारों का सामान व गुल्लक से रुपये चोरी कर ले गए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्जकर चोर की तलाश शुरू की है। अफीम कोठी निवासी हितेश चौरसिया के अनुसार डिप्टी पड़ाव में उनकी थोक पान-मसाला, कोल्डड्रिंक की दुकान है। 24 दिसंबर की रात वह दुकान बंद करके घर गए थे। अगले दिन 25 दिसंबर को जब वह दुकान पहुंचे तो शटर का ताला टूटा मिला। दुकान के अंदर सामान फैला था। चोर दुकान से हजारों का माल समेत 80 हजार रुपये चोरी करके ले गए हैं। पीड़ित ने रायपुरवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

हुक्का बार पर छापा संचालक गया जेल

कानपुर। कोहना में रेस्टोरेंट की आड़ में संचालित हुक्का बार में पुलिस ने छापेमारी की। मौके से दो हुक्का, दो चिलम, दो जार, चार पाइप और फ्लेवर तंबाकू बरामद किए। पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक को पकड़, जेल भेजा है। आर्यनगर स्थित ड्रामा रेस्टोरेंट बार में शनिवार रात को पुलिस ने छापा माया। पुलिस को मौके पर रेस्टोरेंट के भीतर टेबल पर हुक्का जलते मिले। रेस्टोरेंट संचालक अंकित ओमर निवासी बिरहाना रोड लाइसेंस भी नहीं दिखा पाए। पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक को हिरासत में लेकर कार्रवाई की और लोगों को हिदायत देकर छोड़ दिया। कोहना थाना प्रभारी प्रतीक सिंह ने बताया कि रेस्टोरेंट संचालक को जेल भेजा गया है।

बाइक रपटने से युवक नहर में गिरा, मौत

कानपुर। बिधनू में बाइक रपटने से युवक नहर में गिर गया। गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई, जबकि बाइक पर पीछे बैठे उसके मामा सड़क पर गिरकर घायल हो गए। सूचना पर पुलिस ने नहर से शव निकलवाकर पोस्टमार्टम भेजा। खबर पाकर परिजनों में कोहराम मच गया। मंझावन निवासी स्व. राजेश का 22 वर्षीय बेटा अमन शटरिंग का काम करता था। डेढ़ साल पहले उसकी शादी हुई थी। परिवार में पत्नी प्रिया और एक बेटा वेदांश हैं। छोटे भाई अमित ने बताया कि शनिवार को अमन बाइक से मामा के घर अकबरपुर गया था। वहां से लौटते समय मामा छिद्दो भी उसके साथ थे। बाइक अमन चला रहा था। बिधनू नहर के पास सड़क पर कीचड़ होने से बाइक रपट गई और अमन नहर में जा गिरा। गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई और मामा सड़क पर गिरने से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नहर से शव निकलवाया। परिजनों में चीख-पुकार मच गई।

गली के गुंडों को खदेड़ेगा एंटी राइट फोर व्हीलर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कानपुर। अतिसंवेदनशील श्रेणी में शामिल कानपुर शहर में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत तथा प्रभावी बनाने के लिए कमिश्नरेट पुलिस को मॉडिफाइड और एडवांस फीचर्स से लैस एंटी-रायट फोर व्हीलर वाहन उपलब्ध कराया गया है। यह वाहन दंगा, बलवा और आपात स्थितियों से निपटने में कारगर भूमिका निभाएगा। घनी आबादी वाली गलियों में तैनात पुलिसकर्मी सुरक्षित रहते हुए उपद्रवियों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण कर सकेंगे। इस मॉडिफाइड दंगा नियंत्रण वाहन को आपातकालीन परिस्थितियों के मद्दे नजर कानपुर की फर्म ने ही डिजाइन किया है। इसमें रूफ बॉक्स, हाइड्रॉलिक ग्रिल, सुरक्षित स्टोरेज के साथ उच्च सुरक्षा व्यवस्था की तकनीक को शामिल किया गया है। इस वाहन को यूपी-112 सेवा में शामिल किया गया है। शहर में अभी तक दंगा नियंत्रण के लिए जिन वाहनों का इस्तेमाल किया जा रहा था, उनका आकार बड़ा होने के कारण व्यावहारिक दिक्कत सामने आती थी। छोटे और कॉम्पैक्ट बॉडी स्ट्रक्चर में तैयार नया दंगा नियंत्रण वाहन इन्हीं समस्याओं का समाधान करेगा। इसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी आसानी से संचालित किया जा सकता है। इस वाहन के ऊपरी हिस्से में बने रूफ बॉक्स स्टोरेज में हेलमेट, शील्ड, डंडे और अन्य एंटी-रायट उपकरण सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से रखे जा सकते हैं। इसके साथ ही इस वाहन की बॉडी को काफी मजबूत बनाया गया है। विंडशील्ड पर हाइड्रॉलिक ग्रिल लगाई गई है। ऐसे में पथराव या तोड़फोड़ की स्थिति में यह वाहन पुलिस कर्मियों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करेगा। कमिश्नरेट पुलिस ने संवेदनशील इलाकों के थानेदारों को दंगा नियंत्रण के लिए मॉडिफाइड और एडवांस फीचर्स से लैस एंटी-रायट फोर व्हीलर वाहन उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। इसके साथ ही इसी मॉडल पर अन्य वाहनों को भी अपग्रेड करने की योजना बनी है।

एंटी राइट वाहन पुलिस को सौंपा गया। अमृत विचार

- मॉडिफाइड, एडवांस वाहन दंगा बलवा और आपात स्थितियों से निपटने में कारगर
- संकरी सड़कों, घनी आबादी तथा बाजार वाले इलाकों में त्वरित कार्रवाई में सक्षम

टेनरी में घुसे चोर को पकड़ा पीटा, पुलिस के हवाले किया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- घर बैठे मोबाइल पर देख लिया था चोर को घुसते

कानपुर। जाजमऊ में टेनरी संचालक ने घर बैठे मोबाइल पर देखा कि प्रतिष्ठान में चोर घुसा है। इस पर संचालक अपने भाई के साथ टेनरी पहुंचा और आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने कुछ दिन पहले टेनरी में चमड़ा चोरी की घटना स्वीकार की और आरोपी को पुलिस के सुपुर्द किया। पुलिस ने चोरी के माल के साथ आरोपी के साथी को भी गिरफ्तार किया है। जाजमऊ के एमरॉल्ड गुलिस्तान फेज वन निवासी अरशद के अनुसार उनकी प्लेटिनम इंटरनेशनल टेनरी संजय नगर में स्थित है। पीड़ित ने बताया कि रविवार तड़के चार बजे उनकी आंख खुली तो उन्होंने मोबाइल पर टेनरी में लगे सीसीटीवी कैमरों को देखा। देखा एक युवक दीवार फांदकर अंदर घूम रहा है। इस पर भाई जीशान के साथ टेनरी पहुंचे। दोनों ने मिलकर उसे पकड़ लिया। आरोपी अपना नाम जाजमऊ ताड़बगिया निवासी आमिर बताया। बताया कि पहले की चोरी का माल तिवारीपुर निवासी राशिद को बेचा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आमिर को हिरासत में लेकर उसके साथी राशिद को भी गिरफ्तार किया।

अग्निशमन विभाग ने चेताया, पार्कों में होते आयोजन, लेकिन आग बुझाने के इंतजाम नहीं

मोतीझील,ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क में हादसों का डर, सब बेखबर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नगर निगम के कई प्रमुख पार्कों में शादी-विवाह के साथ ही कथा, समारोह, मेला प्रदर्शनी, फूड स्टॉल लगाने के साथ अन्य आयोजन होते हैं। जिसमें हजारों की संख्या में लोगों की भीड़ एकत्रित होती हैं। इस दौरान अत्यधिक बिजली के प्रयोग के साथ ही गैस सिलेण्डरों का भी उपयोग किया जाता है। जिससे आग लगने का खतरा रहता है। लेकिन, आपको पता है कि आग की घटना से तुरंत निपटने के कोई भी संसाधन यहां नहीं हैं। ऐसे में अग्निशमन विभाग ने नगर निगम को चेताया है कि पार्कों में खासतौर के मोतीझील के तीनों लॉन और ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क में पंप हाउस, हाइड्रेंट लाइन स्थापित करने के साथ ही ट्रेंड अग्निशमन स्टॉफ लगाए जाएं।

मुख्य अग्निशमन विभाग ने फायर स्टेशन कर्नलगंज क्षेत्र में आने वाले मोतीझील मैदान के सभी लॉन एवं बृजेन्द्र स्वरूप पार्क के लॉन में आये होने वाले आयोजनों को लेकर हर समय अग्निसंशय का भय विद्यमान रहने का अंदेशा जताया है। जिसको देखते हुए मोतीझील तथा बृजेन्द्र स्वरूप पार्क के समस्त लॉनों में एक-एक पम्प हाउस एवं लॉनों में चारो ओर निर्धारित दूरी पर हाइड्रेन्ट लाइन स्थापित कराये जाने के साथ प्रशिक्षित पम्प आपरेटर, अग्निशमन स्टाफ नियुक्त किये जाने के लिए नगर आयुक्त को पत्र भेजकर अनुरोध किया है।

मोतीझील लॉन में लगे एक स्टॉल में चित्रों का संग्रह रखा हुआ। फाइल फोटो

> लॉनों में विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान आग लगने का खतरा हर समय व्याप्त रहता है। इसको लेकर नगर निगम को कई बार बताया गया है। संसाधन होने पर किसी भी आपात स्थिति में इनका उपयोग कर जनधन की सुरक्षा हो सकेगी।
>
> – दीपक शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी

दोनों पार्कों में 02 लाख लीटर का टैंक लगे

- मोतीझील लॉन-01, 02, 03 व ब्रजेंद्र स्वरूप पार्क में अग्निशमन व्यवस्था के लिए एक-एक भूमिगत टैंक जिसकी क्षमता 02 लाख लीटर हो लगाने के लिए कहा गया है। इसके साथ 2280 एलपीएम क्षमता का इलेक्ट्रिक पम्प, 2280 एलपीएम क्षमता का डीजल पम्प, 180 एलपीएम क्षमता का जॉकी पम्प स्थापित करने के लिए कहा गया है। अग्निशमन विभाग ने समस्त लॉनों के चारों तरफ फायर हाइड्रेन्ट लाइन बिछाकर अधिकतम 45 मीटर की दूरी पर हाइड्रेन्ट प्वाइन्ट स्थापित कराते हुये सभी फायर पम्पों को टैंक व हाइड्रेन्ट लाइन से कनेक्ट करने के लिए भी कहा है।

6 पत्र भेजे लेकिन नहीं हुई कोई कार्रवाई

- अग्निशमन विभाग के अनुसार नगर निगम को 6 पत्र भेजे जा चुके हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। 01 अक्टूबर 2024 से अब तक यह पत्र भेजे गए हैं। इस बार सातवीं बार पत्र भेजकर चेताया गया है।

समारोह में पुस्तकों का विमोचन किया गया। अमृत विचार

जन्म, कर्म व क्षमा से सच्चे ब्राह्मण थे आचार्य गोरेलाल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आचार्य की जन्म शताब्दी पर शिष्य ने 51 हजार रुपये स्कूल को दिए दान

अमृत विचार। बेनाझाबर स्थित बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में रविवार को आचार्य गोरेलाल त्रिपाठी की स्मृति पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आचार्य के चित्र पर उनके शिष्यों व अतिथियों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। उनके शिष्य विजय पांडे ने स्मृति पर 51 हजार रुपये ज्ञान भारती एमएस इंटर कॉलेज को दान किया।

डॉ.विजय प्रकाश त्रिपाठी व डॉ. मनीष द्विवेदी की पुस्तक आचार्य गोरेलाल त्रिपाठी व्यक्तित्व एवं कृतित्व, नीरज चतुर्वेदी की पुस्तक काव्य संग्रह और आचार्य गोरेलाल त्रिपाठी के चित्र का कलेंडर का लोकार्पण किया गया। पूर्व प्राचार्य ओमशंकर त्रिपाठी ने कहा कि आचार्य जन्म, कर्म व क्षमा से सच्चे ब्राह्मण थे। कवि सुरेश अवस्थी ने कहा कि कला और पंडिताई उनके रक्त में था। डॉ.श्यामबाबू गुप्त ने कहा कि आचार्य विद्यालय के गौरवशाली व्यक्ति थे। बाल कृष्ण लाहोटी. अवध बिहारी मिश्र, श्याम दत्त जोशी ने बताया कि आचार्य ने समाज को एक दिशा दी। सुरेंद्र गुप्ता गोल्डी ने कहा कि आचार्य ईमानदार व प्रतिभावान थे। कासगंज के डॉ. विमलेश अवस्थी ने कविता सुनाई। कार्यक्रम में डॉ.जगन्नाथ गुप्ता ओमशंकर त्रिपाठी, सुशील मिश्र, ब्रजमोहन कुमार सिंह, उषा नेगी, सुनीता दास, रमाकांत शर्मा, श्याम दत्त जोशी, विजय पाण्डे , सुशील मिश्र, श्यामबाबू गुप्त, डॉ. जगन्नाथ गुप्त व अवध बिहारी मिश्र का सारस्वत सम्मान किया गया।

ट्रेन से उतरने में ट्रैक पर गिरा यात्री

कानपुर। सेंट्रल पर एक यात्री ट्रेन से उतरते समय प्लेटफार्म के बजाय नीचे ट्रैक में चला गया जिससे हड़कंप मच गया। यात्रियों ने शोर मचाया और किसी ने चेन पुलिंग कर दी। इस दौरान वहां ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ ने यात्री को सुरक्षित बाहर निकाल लिया जिससे उसकी जान बच गई।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन आरपीएफ पोस्ट के प्रभारी एसएन पाटीदार ने बताया कि गाड़ी संख्या 12107 मुंबई सुपरफास्ट एक्सप्रेस के साधारण कोच से कानपुर सेंट्रल स्टेशनके प्लेटफार्म नंबर 6 पर उतरते समय यात्री प्लेटफार्म पर पैर रखने की कोशिश की लेकिन ट्रैक के नीचे नीचे चला गया। घटना होते ही किसी यात्री ने ट्रेन में चेनपुलिंग कर दी। आरपीएफ कांस्टेबिल रामाधार ने घटना की जानकारी पोस्ट को दी तो जानकारी स्टेशन अधीक्षक को दी गई। मौके पर पहुंचे डॉ. रितेश ने मरीज को अटेंड किया और उसे हैलट के लिए रिफर किया।

यात्री ने अपना नाम मोहम्मद आसिफ निवासी कुसुमखेर जिला कन्नौज बताया। आरपीएफ की सूचना पर घायल के परिजन हैलट हॉस्पिटल पहुंचे।

कोहरे में डंपर की टक्कर से ट्रक में घुसी कार, बचे सवार

कल्याणपुर, संवाददाता

कानपुर। सचेंडी हाईवे पर भौंती गौशाला के पास घने कोहरे में आलू-प्याज लदे ट्रक के पीछे रुकी कार में पीछे से आए डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे ट्रक व डंपर के बीच फंसकर कारण दोनों तरफ से क्षतिग्रस्त हो गई। कार सवारों की चीख सुनकर डंपर चालक ने ब्रेक लगाई। गनीमत रही चालक को मामूली चोट ही आई। पहुंची पुलिस ने उसे बाहर निकाला। इस दौरान करीब आधे घंटे तक यातायात बाधित रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि फूड कोर्ट के सामने खड़े आलू-प्याज लदे ट्रक को देखकर कार चालक ने करीब 10 फीट पहले ही वाहन रोक दिया था। कोहरा बहुत घना था और कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। इसी बीच पीछे से आए डंपर चालक को कार नहीं दिखी और उसने सीधी ठोकर कार में मारी। तेज ठोकर से कार आगे ट्रक के पीछे जा घुसी। दो भारी वाहनों के बीच कार फंसने से वह दोनों तरफ से पिचक गई। सचेंडी पुलिस ने सबसे पहले कार में फंसे बिल्हौर निवासी चिरंजीव श्रीवास्तव को बाहर निकाला। उसे अस्पताल भेजा। इसके बाद हाईवे पर खड़े क्षतिग्रस्त वाहन को हटवाया। इस दौरान करीब आधे घंटे तक हाईवे पर जाम लगा रहा।

क्षतिग्रस्त कार। अमृत विचार

- सचेंडी हाईवे पर आधे घंटे लगा जाम, चालक को आई मामूली चोट

645 नेत्र रोगियों का आपरेशन किया, दवाएं और कंबल बांटे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय सिंधू सभा के निःशुल्क नेत्र शिविर के समापन पर 645 नेत्र रोगियों का कनिका हॉस्पिटल में आपरेशन किया गया और रोगियों को निःशुल्क दवाओं के साथ कंबल भी वितरित किये गये।

रविवार को भारतीय सिंधू सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक हुई और 40 वें निशुल्क नेत्र शिविर का समापन सिंधी कॉलोनी निकट एस्सेल पैलेस में हुआ। आपरेशन के लिए चिह्नित इस नेत्र शिविर में 645 मरीज का निःशुल्क ऑपरेशन डॉ शरद बाजपेई एवं डॉ. सुकांत पांडे द्वारा किए गये। ऑपरेशन के पश्चात सभी मरीजों को निःशुल्क कंबल व दवाएं वितरित की गई। इस अवसर पर देश भर से भारतीय सिन्धू सभा व सिंधी समाज के जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना रहे। पूर्व मंत्री गुजरात सरकार माया बेन कोड़वानी, साई मोहन लाल जी पीठाधीश्वर शिव शांति आश्रम लखनऊ, विग संघ संचालक कोल्हापुर एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री भगत राम छाबडा, भोपाल से विधायक एवं मध्य प्रदेश भाजपा के महामंत्री भगवान दास सबनानी, भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य लधाराम नागवानी, विधायक सुरेंद्र मैधानी, भारतीय सिन्धूसभा प्रदेश अध्यक्ष अशोक अगनानी, इंद्रजीत आहूजा, ओम बदलानी, दीपक अंशवानी, किशन तलरेजा, चंद्रभान तालरेजा, दिलीप मोटवानी, गिरधारी चंदानी, विक्की मूरजानी, पूरण सीतानी, गोविंद खत्री, चंदू खिलवानी आदि आदि थे।

नेत्र रोग शिविर में मौजूद अतिथि। अमृत विचार

नए साल से कई ट्रेनों का नंबर और समय बदलेगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नए साल यानी 1 जनवरी 2026 से कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन, उनके नंबर समेत कई प्रकार के बदलाव देखने को मिलेंगे। इनमें सेंट्रल स्टेशन से लखनऊ तक चलने वाली मेमू ट्रेनें भी शामिल हैं।

उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि पहली जनवरी 2026 से उत्तर मध्य रेलवे खंड में 30 ट्रेनों को नए नंबर मिलेंगे जबकि फर्रुखाबाद-कानपुर पैसेंजर, कासगंज एक्सप्रेस और कालिंदी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों के समय में परिवर्तन किया जाएगा। कानपुर-लखनऊ मेमू, फर्रूखबाद-कानपुर-अनवरगंज पैसेंजर, मेरठ सिटी-सूबेदारगंज एक्सप्रेस, कालिंदी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों का समय बदलेगा।

इन गाड़ियों का समय बदलेगा: गाड़ी संख्या 54158 फर्रुखाबाद पैसेंजर अनवरगंज पर 12:50 की जगह 12:55 पर आएगी।,गाड़ी संख्या 64204 लखनऊ मेमू कानपुर सेंट्रल से 06:55 के बजाए 7 बजे चलेगी। गाड़ी संख्या 14118 कालिंदी एक्सप्रेस 12:55 के बजाय 12:50 बजे आएगी। गाड़ी संख्या 15038 कासगंज एक्सप्रेस अनवरगंज शाम 06:20 के बजाए 06:30 बजे आएगी। ० गाड़ी संख्या 14164 संगम एक्सप्रेस सूबेदारगंज 08:25 बजे आएगी।

इनका नंबर बदल जाएगा: छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनल का नंबर 15101 की जगह 22583, दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा का 14033 की जगह 20433, मथुरा-छपरा का नंबर 22532 की जगह 15110, कानपुर सेंट्रल-खजुराहो का नंबर 54162 की जगह 64646, ग्वालियर-इटावा का नंबर 51887 की जगह 64641, मुजफ्फरपुर जंक्शन-प्रयागराज का नंबर 12537 की जगह 14111।

अपराध | फ्लैट और दो दुकान देने का झांसा देकर वसूली थी रकम, तीन साल बाद रिपोर्ट

भूमाफिया नेगी पर एक और मुकदमा दर्ज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भूमाफिया गजेंद्र सिंह नेगी की मुश्किलें बढ़ ही रही हैं। रावतपुरा थाने में उसके खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज हुआ है। फ्लैट व दो दुकान देने का झांसा देकर भूमाफिया ने पीड़ित युवक से तीन साल पहले 69.50 लाख रुपये वसूले थे। सुनवाई न होने पर फजलगंज निवासी पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की थी। जब जाकर रिपोर्ट दर्ज हुई। अब तक नेगी के खिलाफ एक दर्जन से अधिक मुकदमें दर्ज हो चुके हैं।

फजलगंज के गड़रियनपुरवा निवासी गुरुचरण सिंह ने पुलिस कमिश्नर को प्रार्थना पत्र देकर अपने साथ हुए धोखाधड़ी की शिकायत की थी। जिसमें बताया था कि अक्टूबर 2016 में उनके दोस्त अतुल शर्मा के जरिए उनकी मुलाकात कैलाश विहार निवासी भूमाफिया गजेंद्र सिंह नेगी से हुई थी। आरोप है कि नेगी ने केशवपुरम में निर्माणाधीन बिल्डिंग में दो दुकान व एक फ्लैट बेचने की बात बताई थी। उनके इच्छा जताने पर बात पक्की हुई थी।

नेगी ने डेढ़ साल में निर्माण पूरा होने पर रजिस्ट्री कराने का भरोसा दिया था और 65 लाख रुपये नकद लिए थे। इसके बाद निर्माण लागत के नाम पर चार लाख नकद और 50 हजार रुपये आरटीजीएस भी वसूले थे। पीड़ित का आरोप है कि निर्धारित समय को काफी वक्त बीत गया। न रजिस्ट्री कराई गई और न ही कब्जा मिला। फोन करने पर नेगी टालमटोल करता रहा। पीड़ित के अनुसार 2022 में भी इसकी पुलिस से शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब जाकर पुलिस कमिश्नर से गुहार लगाई।

साक्ष्य के साथ पूरी घटना की जानकारी दी। तब जाकर उनके निर्देश पर तीन साल बाद रिपोर्ट दर्ज हुई है। रावतपुर पुलिस के अनुसार आरोपी गजेंद्र सिंह नेगी पहले से कई मामलों में महाराजगंज जेल में बंद है। एक दर्जन से अधिक मुकदमें उसके खिलाफ दर्ज हैं। उसकी कुछ संपत्ति भी कुर्क की जा चुकी हैं। थाना प्रभारी मनोज मिश्रा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

गजेंद्र सिंह नेगी। अमृत विचार

- फजलगंज के गड़रियनपुरवा निवासी पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर से लगाई थी गुहार

महिला को बंधक बनाकर दुष्कर्म

कानपुर। नौबस्ता में किराये का कमरा दिखाने के बाहने महिला को बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी व उसके साथी को गिरफ्तार कर दोनों को जेल भेजा है।

मूलरूप से बलरामपुर जिले की रहने वाली 30 वर्षीय मजदूर महिला पति व चार बच्चों के साथ रहती है। महिला का पति राजमिस्त्री है। महिला को नए कमरे की तलाश थी। ठेकेदार ने मजदूर मंगल पाल से महिला को कमरा दिखाने को कहा। मंगल उसे यशोदानगर लेबर चौराहा के पास रहने वाले अपने साथी गौरी शंकर के मकान पर ले गया। वहां उसे कमरा देखने की बात कहकर खुद चला गया। वहीं महिला को अकेला पाकर गौरी शंकर ने उसे कमरे में बंधक बना लिया और दुष्कर्म किया।

सिर पर भारी वार से रोशनी की हुई मौत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- सिर की तीन हड्डियां टूटीं, शरीर पर भी मारपीट के मिले निशान

अमृत विचार। गोविंदनगर में गर्भवती पत्नी की हत्या कर फरार पति की तलाश में पुलिस की चार टीमें दबिश दे रही है। टीम ने उसके पैतृक गांव रेऊना के दहेली व ननिहाल कानपुर देहात के पुखरायां में छापेमारी की, लेकिन वह हाथ नहीं आया। वहीं आरोपी का बंद मोबाइल रविवार देर शाम कुछ देर के लिए खुला तो उसकी लोकेशन हमीरपुर में मिली। इस पर तत्काल एक टीम वहां के लिए रवाना हुई। रविवार को महिला के शव का पोस्टमार्टम हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसके सिर पर भारी वस्तु से पांच वार किए गए, जिससे तीन हड्डियां टूटने से उसकी मौत हुई। वीडियोग्राफी भी कराई गई।

गुजैनी के एफ-ब्लाक निवासी संजय कुमार की आठ दिसंबर 2024 को रेऊना के अकबरपुर झवैया की रहने वाली 25 वर्षीय रोशनी देवी से दूसरी शादी हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही पति-पत्नी में जरा-जरा सी बात पर झगड़ा होने लगा था।

विवाद के चलते ही आरोपी ने बीती 21 नवंबर को भी रोशनी को जलाकर मारने का प्रयास किया था। रोशनी के इसकी शिकायत पुलिस से की थी। पत्नी के रिपोर्ट दर्ज कराने पर संजय अपनी मां और पहली पत्नी से एकलौती बेटी को लेकर अलग रहने लगा था। इस पर रोशनी अपने छोटे भाई राहुल के साथ रह रही थी। बीते मंगलवार को संजय उससे घर पहुंचा और समझौते के बाद पत्नी को साथ ले आया था। राहुल ने बीते शुक्रवार की शाम को बहन का हालचाल जानने के लिए कॉल किया तो उसका मोबाइल बंद मिला था।

दूसरे दिन संपर्क करने पर स्विचऑफ मिला, इस पर वह बहन के घर पहुंच गया था। जहां उसे मकान में ताला बंद मिला। अनहोने की आशंका पर उसने पुलिस को सूचना दी। ताला तोड़कर देखा गया तो पहली मंजिल पर कमरे में रोशनी का शव मिला। शव की समीप ही तवा व बेलन पर खून लगा मिला। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपी की तलाश में चार टीमें दबिश दे रही हैं। संजय की आखिरी लोकेशन हमीरपुर मिलने पर एक टीम वहां के लिए रवाना हुई है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

सिटी ब्रीफ

मौलाना हाशिम को ख्वाजा गरीब नवाज अवार्ड

कानपुर। अंजुमन अहले सुन्नत कमेटी सैय्यद नगर रावतपुर में हाफिज शबनूर रजा कादरी की सरपरस्ती जश्न ख्वाजा गरीब नवाज में मनाया गया। इस मौके पर ऑल इंडिया गरीब नवाज कौंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना हाशिम अशरफी को ख्वाजा गरीब नवाज एवार्ड से मनाया गया। डॉ, निसार अहमद, मौलाना असगर अली यार अल्वी, मौलाना जियाउर रहमान कादरी, मौलाना फैजान रजा आदि थे।

ग्यारहवीं शरीफ की फातिहा में दुआएं

कानपुर। एमएमए जौहर फैंस एसोसिएशन की ओर से प्रेम नगर में ग्यारहवी शरीफ की फातिहा का आयोजन किया गया जिसमें उलेमा ने मुल्क के अमन-ओ-अमान की दुआएं कीं। कार्यक्रम संयोजक हयात जफर हाशमी ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

सात लोग पहुंचे मृत

कानपुर। रावतपुर स्थित कॉर्डियोलॉजी संस्थान में रविवार को ओपीडी में 420 मरीज इलाज के लिए पहुंचे। जबकि शनिवार से लेकर रविवार तक इमरजेंसी में 205 इलाज के आए। 24 घंटे में यहां 45 मरीज भर्ती किया गया। वहीं, सात मरीज अस्पताल में ब्रॉड डेड पहुंचे।

कैंसर का पहले और अधिक सटीक पता लगेगा

एआई से पता चल रही प्रोटीन की संरचना, होगी कैंसर की रोकथाम, अमेरिका से आए डॉ.नीलेश शर्मा ने दी शोध की जानकारियां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। एआई से प्रोटीन संरचना में होने वाले बदलावों का विश्लेषण करके कैंसर की जांच और अनुसंधान में क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है। इससे कैंसर का पहले और अधिक सटीक पता लगाना व उपचार विकसित करना संभव हो रहा है। प्रोटीन संरचनाओं में होने वाले सूक्ष्म परिवर्तनों की पहचान और प्रारंभिक निदान में एआई उल्लेखनीय सुधार की क्षमता प्रदान कर रहा है। यह जानकारी अमेरिका से आए डॉ.नीलेश शर्मा ने दी।

डॉ.नीलेश शर्मा।

डॉ.नीलेश शर्मा ने बताया कि जीन से प्रोटीन बनते हैं। एआई की मदद से प्रोटीन को अलग-अलग कर इसमे कई प्रकार के केमिकल की पहचान अब की जा सकती है। प्रोटीन, कैंसर का पता लगाने, उसके विकास को समझने और इलाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रक्त और ऊतकों में विशिष्ट प्रोटीन (बायोमार्कर) की पहचान करके कैंसर की शुरुआती चेतावनी मिल सकती है,जैसे कुछ प्रोटीन निदान से सालों पहले रक्त में दिख सकते हैं, जो कैंसर के विकास में शामिल होते हैं और लक्षित दवाओं के लिए नए रास्ते खोलते हैं, जिससे कैंसर का जल्द पता लगाना और उसे रोकना संभव हो सकता है। शोध बताते हैं कि रक्त में 19 विभिन्न प्रकार के कैंसर से जुड़े 618 प्रोटीन पाए गए हैं, जो निदान से सात साल पहले दिख सकते हैं, जिससे शुरुआती पहचान संभव होती है। बताया कि लंग कैंसर एशिया में तेजी से बढ़ रहा है। लंग कैंसर और लंग की झिल्ली के कैंसर के सफलता पूर्वक इलाज के लिए दवा का निर्माण किया जा रहा है। शोध के लिए दवा कंपनी ने दिल्ली एम्स से वार्ता की है। वहीं, दिल्ली में इसके संबंध में बैठक भी हो गई है। यूएस इंडिया कैंसर डायलॉग प्रोजेक्ट के तहत शोध शुरू होगा। शोध में आए परिणाम के बाद आगे की चर्चा की जाएगी। बताया कि कैंसर में इम्यूनोथेरेपी अब कारगर हो रही है।

कनपुरिया रंग में रंगे डॉक्टर खिलखिलाए, यादें ताजा कीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के सभागार में रविवार को जेम्स एसोसिएशन ने वर्ष 1995 के छात्र-छात्राओं का सिल्वर जुबली समारोह का आयोजन किया। समारोह में पांच वरिष्ठ डॉ.एसके कटियार, डॉ.नवनीत कुमार, डॉ.आरती लाल चंदानी, डॉ.आरपीएस भारद्वाज और डॉ.विनय कृष्णा को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान वरिष्ठ डॉक्टरों को चिकित्सा क्षेत्र में असाधारण, दीर्घकालिक और महत्वपूर्ण योगदान के लिए दिया गया।

समारोह में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के वर्ष 1995 बैच पैरा पी-1 के छात्र-छात्राएं रविवार को कॉलेज परिसर पहुंचे। परिसर पहुंचते ही डॉक्टरों की पुरानी यादें ताजा हो गईं। डॉक्टरों ने कॉलेज के दिन, शिक्षकों और दोस्तों के साथ बिताए पलों को

वरिष्ठ डॉक्टरों को सम्मानित किया गया। अमृत विचार

- जीएसवीएम के वर्ष 1995 के छात्र-छात्राओं का सिल्वर जुबली समारोह मनाया

ताजा किया। फोटो व वीडियो अपने मोबाइल पर कैद की। 25 सालों में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज और हॉस्टल में आए बदलावों की सराहना की। एक-दूसरे से मेल-मिलाप किया। वहीं, पुराने अंदाज में साथियों ने हाथ मिलाया और गले मिले। कनपुरिया भाषा का क्रेज डॉक्टरों में काफी अधिक देखने को मिला, जैसे ज्यादा न बोलो बहुत पेलेंगे, हमसे ज्यादा बकैती न झोकों, हम से बड़े वाले थोड़ी न हो, का बे घूर का रहे हो, कंटाप देंगे, हमसे ज्यादा भौकाल न दिखाओ समेत आदि बातें कनपुरिया भाषा में की। रावतपुर, मोतीझील व आर्य नगर की चाय को याद किया।

स्टॉल में कानपुर का मलाई मक्खन, केसर कुल्फी, पान, चूरन आदि लुफ्त डॉक्टरों ने लिया। समारोह में डांस-म्यूजिक का दौर चला। डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज के ग्राउंड में हुए खेल और सेमिनार आदि पर खूब चर्चा की।

ये डॉक्टर रहे मौजूद

- जेम्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.संतोष कुमार सिंह, जीएसवीएम के प्राचार्य व संस्था के पैट्रन जेम डॉ.संजय काला, उप प्राचार्य डॉ.रिचा गिरी, पूर्व प्राचार्य प्रो. आरती लाल चंदानी, डॉ.रीना सिंह, डॉ.सौरभ गुप्ता, डॉ.नीलिमा वर्मा, डॉ.नितिन जायसवाल, डॉ.संतोष कुमार पाल, डॉ.बलबीर सिंह, डॉ.प्रेमशंकर, डॉ.संतोष कुमार बर्मन, डॉ.महेंद्र सिंह, डॉ.संजय वर्मा समेत आदि डॉक्टर मौजूद रहे।

ट्रैफिक से लोगों में बढ़ा चिड़चिड़ापन

डॉ.नितिन शुक्ला।

ऑस्ट्रेलिया से आए डॉ.नितिन शुक्ला ने बताया कि अभी तक पांच तरह की समस्या से ग्रस्त मानसिक रोगी अधिक देखे जाते थे, जिसमे करियर में मजा आ रहा है नहीं, सामाजिक रिश्ते, आर्थिक स्थिति, शरीर के अस्वस्थ और करीबी रिश्ते की वजह से आए परेशानी से लोग अधिक ग्रस्त देखे जाते थे। लेकिन अब ट्रैफिक जाम की वजह से लोगों के अंदर चिड़चिड़ापन की समस्या देखी जा रही है। जाम में फंसने की वजह से लोग तय समय पर निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंच पा रहे हैं और 10 मिनट का रास्ता उन्हें 25 से 30 मिनट में कट रहा है, जिसका असर उनकी मानसिक स्थिति पर भी पड़ रहा है।

जीएसवीएम ने बदल दी जिंदगी

डॉ. नीरू मित्तल।

लखनऊ से आई डॉ. नीरू मित्तल ने बताया कि जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई की। यहां पर डॉ.प्रवीन राय से दोस्ती हुई। इसके बाद शादी हुई और बेटी को जन्म दिया। यह खूबसूरत पल जीएसवीएम की वजह से मिला है, जो ताउम्र नहीं भुलाया जा सकता है।

महापुरुषों के प्रतिमा की सफाई करने पहुंचे कांग्रेसी नेता। अमृत विचार

कांग्रेसियों ने अटल जी सहित सबको धोया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- क्रांतिवीरों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों, साहित्यकारों की प्रतिमा धोयी
- कांग्रेसजनों ने अनूठे अंदाज में अपने पार्टी का स्थापना दिवस मनाया

अमृत विचार। कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी ने दलगत भावना से ऊपर उठकर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी वाजपेयी समेत नेहरू, गांधी, पटेल, आंबेडकर, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी क्रांतिवीरों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों, साहित्यकारों एवं महापुरुषों की 146 प्रतिमाओं को स्नान कराया। सफाई की और उनपर माल्यार्पण किया।

महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अगुवाई में कांग्रेसियों ने अनूठे अंदाज में कांग्रेस का स्थापना दिवस मनाया। कांग्रेस की टीम ने गांधी, नेहरू ,बाबा साहेब आंबेडकर, लोहिया, अटल विहारी वाजपेयी, श्याम लाल गुप्ता पार्षद, गणेश शंकर विद्यार्थी, दीन दयाल उपाध्याय, महर्षि वाल्मीकि, मंगल पांडे, तात्या टोपे, अजीजन बाई, लोकमान्य तिलक, झलकारी बाई, मनिंदर नाथ बनर्जी, जटाधर बाजपई आदि की मूर्तियों की सफाई करने के उपरांत उनपर माल्यार्पण किया। इस मौके पर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि पिछले 140 वर्षों में कांग्रेस ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। हमारे नायकों ने हमें सिखाया है कि हमें अपनी गौरवशाली परंपरा के अनुरूप सभ्य और शालीन भाषा में अपने विरोधियों को जवाब देना है। शंकर दत्त मिश्रा, रितेश यादव, पदम मोहन मिश्रा, अजय श्रीवास्तव शीलू,राकेश साहू, राम शंकर राय, उपेंद्र यादव, जावेद उस्मानी, नीरज शर्मा, मुकेश कन्नौजिया, रामजी दुबे,धर्मेंद्र चौहान, विनय पांडे, कपिल जायसवाल आदि थे।

फर्जी दस्तावेज से जमीन कब्जाने का प्रयास, धमकाया

कानपुर। चकेरी में युवक ने गांव के ही दबंग समेत उसके साथियों पर फर्जी दस्तावेज के जरिए उसकी जमीन पर कब्जा करने के प्रयास और विरोध पर धमकाने का आरोप लगाया है। अहिरवां के मवैया गांव निवासी मयंक दीक्षित के अनुसार उनकी गांव में जमीन है। जो उनकी मां मुन्नी देवी को मायके से मिली थी। मां की मौत के बाद जमीन पिता ओम प्रकाश दीक्षित के नाम हुई और पिता की मौत के बाद उसके नाम हुई। पीड़ित का आरोप है कि गांव के दबंग हरिपाल सिंह, भूमाफिया विजय लोधी समेत उसके साथी जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। जानकारी होने पर विरोध किया तो आरोपियों ने धमकाया। हरिपाल सिंह पर और भी जमीन कब्जाने व धोखाधड़ी के मामले दर्ज हैं। पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल से इसकी शिकायत की। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

डायबिटीज मरीजों में फ्रैक्चर का खतरा तीन गुना ज्यादा

बरतें सावधानी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। डायबिटीज ग्रस्त लोगों में हड्डियों के फ्रैक्चर का खतरा आम लोगों की तुलना में तीन से चार गुना ज्यादा होता है। क्योंकि हाई ब्लड शुगर हड्डियों की बनावट और गुणवत्ता को धीमे-धीमे कमजोर करता है, जिससे हड्डियां नाजुक व कमजोर हो जाती हैं, भले ही हड्डियों का घनत्व सामान्य लगे। यह खतरा टाइप-1 और टाइप-2 दोनों तरह के डायबिटीज रोगियों में होता है। यह जानकारी रविवार को डॉ.दक्ष गडी ने दी।

आर्य नगर स्थित गैंजेस क्लब में रविवार को सोसाइटी फोर प्रीवेंशन एंड अवेयरनेस ऑफ डायबिटीज (स्पैड) ने डायबिटीज पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमे डायबिटीज व जोड़ों में दर्द के बीच संबंध विषय पर विशेषज्ञों ने जानकारी साझा की।

स्पैड के संरक्षक डॉ.रिषी शुक्ला ने बताया कि डायबिटीज से जोड़ों में दर्द की मुख्य वजह शरीर में सूजन, रक्त संचार में कमी, नसों का कमजोर होना और एडवांस ग्लाइकेशन एंड-प्रोडक्ट्स का बनना है, जो जोड़ों के ऊतकों को सख्त व कमजोर बनाते हैं, जिससे दर्द,अकड़न और गतिशीलता में कमी आती है। खासकर हाथ, पैर और कंधों के जोड़ों में। यह स्थिति अक्सर अनियंत्रित शुगर से बढ़ती है।

बच्चों के साथ मौजूद डॉक्टरों ने क्रिसमस की खुशियां भी बांटीं। अमृत विचार

समय-समय पर जांच जरूर कराएं

- डॉ.दक्ष ने बताया कि हड्डी रोग से ग्रस्त व्यक्ति में डायबिटीज होने का खतरा अधिक होता है। क्योंकि कम चलने-फिरने की वजह से वजन बढ़ने लगता है, जिससे शुगर का नियंत्रण गड़बड़ा जाता है। वहीं, डायबिटीज ग्रस्त लोगों में हड्डियों का फ्रेक्चर होने की संभावना आम लोगों की तुलना में तीन से चार गुना अधिक होती है। इसलिए डायबिटीज ग्रस्त व्यक्ति को अपनी हड्डियों की और हड्डी रोग से ग्रस्त व्यक्ति को डायबिटीज की जांच जरूर करानी चाहिए। इस दौरान डॉ.अकांक्षा, डॉ.गांगुली, डॉ.सुमित, प्रवीन व खत्री समेत आदि लोग रहे।

- स्पैड ने गैंजेस क्लब में आयोजित की डायबिटीज पर कार्यशाला

डायबिटीज रोगी इन बातों का रखें ध्यान

- स्पैड की अध्यक्ष डॉ.संगीता शुक्ला ने बताया कि सर्दी में डायबिटीज रोगियों को ब्लड शुगर कंट्रोल करने के लिए नियमित जांच, संतुलित आहार, खुद को हाइड्रेटेड रखना, गर्म और आरामदायक कपड़े पहनना जरूरी है। घर के अंदर या जिम में व्यायाम करना चाहिए। साथ ही त्वचा और पैरों की खास देखभाल करनी चाहिए। खासकर पैर के इन्फेक्शन और ठंड से बचाव के लिए पैरों की देखभाल अति महत्वपूर्ण है। साबुत अनाज, फल, सब्जियां और लीन प्रोटीन (मछली, चिकन) खाएं। जबकि मीठे और प्रोसेस्ड फूड से बचें। नियमित रूप से ब्लड शुगर की जांच करें।

भाजपा ने बूथ अध्यक्षों को सम्मानित किया

कानपुर। रविवार को भाजपा बर्रा मंडल द्वारा एक गेस्ट हाउस में वार्ड 77 में कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह एवं किदवई नगर विधायक महेश त्रिवेदी ने एसआईआर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले भाजपा के शक्तिकेंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष, बीएलए टू को सम्मानित किया।

मुख्य अतिथि भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह विधायक महेश त्रिवेदी ने कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम, संकल्प और समर्पण की बदौलत ही भाजपा 2027 में होने वाले विधान सभा चुनाव में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। प्रमुख रूप से जिलामंत्री जसविंदर सिंह, गणेश शुक्ला, पुष्पा तिवारी,मंडल अध्यक्ष बिट्टू परिहार, पार्षद डॉ. अखिलेश बाजपेई, दुर्गेश त्रिपाठी, पंकज गुप्ता,मनोज दर्पण, धर्मेंद्र दीक्षित, अरविंद वर्मा आदि मौजूद रहे।

अटल जी का ड्राइवर बनने का मिला सौभाग्य

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अटल बिहारी वाजपेयी हमेशा अंतिम पंक्ति वाले लोगों को लाभ देने की सोच रखते थे। उनके कार्यकाल से ही बिना किसी भ्रष्टाचार और भेदभाव के डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर की शुरुआत हुई जिससे लोगों को सीधे लाभ मिल रहा है। देश में इससे सकारात्मक बदलाव आए। रविवार को यह बात खत्री धर्मशाला में उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने भाजपा दक्षिण में अटल

मुख्य अतिथि सतीश महाना का स्वागत किया गया। अमृत विचार

जन्म शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित महाराजपुर विधानसभा के अटल स्मृति सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि अटल जी की प्राथमिकताओं में सुशासन और अंत्योदय था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार भी उनका अनुकरण कर रही है। उन्होंने पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल जी के कानपुर प्रवास के दौरान मुझे उनका ड्राइवर बनने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान सतीश महाना एवं भाजपा दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह ने अटल बिहारी बाजपेई जी के चित्र पर पुष्पांजलि की। अनीता परमार, विवेक शुक्ला नंदू,संजय तिवारी , सुमित कश्यप, लक्ष्मी निषाद, बीडी राय, गणेश शुक्ला,जसविंदर सिंह ,विनय मिश्रा, कैलाश पांडेय, विजय अवस्थी, अंकित गुप्ता, विपिन शर्मा आदि मौजूद रहे।

समारोह | कपड़ा कमेटी की आम सभा में 7 महत्वपूर्ण प्रस्ताव हुए पास, मर्चेंट चेंबर ऑफ एसोसिएशन में हुई आम सभा, हुआ सम्मान

अब प्रधान सचिव एक महीने में दोगुना खर्च कर सकेंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर कपड़ा कमेटी की विशेष आमसभा व वार्षिक आमसभा रविवार को आयोजित हुई। मर्चेंट चेंबर सभागार में हुई सभा में 7 विशेष प्रस्ताव रखे गए। सभा के दौरान इन प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। प्रस्ताव के पास होने के बाद अब प्रधान सचिव एक महीने में दोगुना खर्च कर सकेंगे। वरिष्ठ व्यापारियों को सम्मानित भी किया गया।

सभा की अध्यक्षता कमेटी के अध्यक्ष अमित दोसर ने की। सभा के दौरान जो प्रस्ताव पास हुए उनमें कमेटी बढ़ते खर्चों को ध्यान में रखते हुये वार्षिक सभासदी फीस को 4 सौ रुपये से बढ़ाकर 6 सौ रुपये कर दिया गया है। इसी तरह धारा अभी तक 3 माह के अन्दर नया फार्म भरकर देना होता है, उस समय सीमा को बढ़ाकर 6 माह कर दी गई है। उधर अभी तक कोई सभासद 48 घण्टे पूर्व तक अपना प्रतिनिधि परिवर्तित करा सकता था। अब चुनाव लड़ने, वोट देने या अन्य कार्य के लिए प्रतिनिधि परिवर्तन वित्तीय वर्ष समाप्त होने तक हो सकेगा। इसी तरह प्रधान सचिव 5 हजार रुपये तक का खर्च एक माह के अन्दर कर सकते थे। अब यह रकम बढ़ाकर दस हजार रुपये कर दी गई है। इसी तरह कोषाध्यक्ष को 5 हजार रुपये तक रखने के स्थान पर 10 हजार रुपये तक रखने का अधिकार है। वार्षिक आमसभा में संस्था द्वारा कमेटी के पूर्व अध्यक्ष विश्वनाथ गुप्ता, पूर्व प्रधान सचिव दीपक कुमार गुप्ता, काशीप्रसाद शर्मा को 50 वर्षों से अनवरत सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। इसी तरह बाजार के वरिष्ठ सदस्य रामगोविन्द अग्रवाल, हरीप्रसाद मंडावेवाला, श्यामसुन्दर भाटिया, सोमाभाई पटेल, ओमप्रकाश गुप्ता को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य निर्वाचन अधिकारी सत्यनारायण सिंहानिया, सहायक निर्वाचन अधिकारी करूणेश कुमार मिश्रा व राधेश्याम माहेश्वरी, सहयोगी निर्वाचन अधिकारी सन्तगोपाल गुप्ता, गुरप्रसाद गुप्ता, हरिओम तुलस्यान, नरेश कुमार गुप्ता, महेश कुमार भगत, संजय अग्रवाल, अनिल परसरामपुरिया श्याम रूइया, संजय अग्रवाल को भी सम्मानित किया गया।

वरिष्ठ व्यापारियों को सम्मानित किया गया। अमृत विचार

वार्षिक रिपोर्ट पेश हुई

- सभा के दौरान प्रधान सचिव नवीन कुमार नेवटिया ने आमसभा में वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट तथा कमेटी की बैलेश शीट, आय-व्यय, आडीटर एवं डाइरेक्टर्स रिपोर्ट तथा वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया। जो कि चर्चा के बाद सर्व सम्मति से स्वीकार किया गया। आमसभा में सर्व सम्मति से गुप्ता अग्रवाल एण्ड सुल्तानिया को कमेटी के वर्ष 2025-26 के लिये आडीटर नियुक्त किया गया। उनसे संस्था के हित में कार्य करने के लिए सुझाव लिए गए।

पदाधिकारियों की घोषणा

- सभा में निर्वाचन अधिकारी सत्यनारायण सिंहानिया, करूणेशकुमार मिश्रा तथा राधेश्याम माहेश्वरी द्वारा प्रबन्धकारिणी कमेटी के सत्र 2025-27 के नव निर्वाचित सदस्य सर्व अमित दोसर, विश्वनाथ गुप्ता, रूमित सिंह सागरी (सनी सागरी), दीपक कुमार गुप्ता, नवीन कुमार नेवटिया, अशोक कुमार माहेश्वरी, राकेश कपूर (टम्मी), वीरेन्द्र गुलाटी (विक्की), अभिषेक चावला (सोनू) सहित अन्य पदाधिकारियों को निर्वाचित घोषित किया गया।

जवाहरपुरम और इस्पात नगर में 61 करोड़ से काम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- केडीए की ओर से टेंडर किए गए आमंत्रित

अमृत विचार। जवाहरपुरम और इस्पात नगर योजना के ए, बी, सी पार्ट में 61 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। यहां सड़कों, नाली के सुधार के साथ ही आईपीएस का भी निर्माण होगा। केडीए ने इसके लिए टेंडर आमंत्रित कर दिए हैं। जनवरी से कार्य शुरू हो जाएंगे।

इस्पात नगर योजना में मुख्य सड़कों पर नाली निर्माण एवं सीसी सड़क का निर्माण होना है। पार्ट-ए में 18 मीटर चौड़ी सड़कों पर नाली निर्माण एवं सीसी सड़कों के निर्माण में 31.88 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वहीं, योजना के पार्ट बी में 24 मीटर सड़क पर नाली निर्माण एवं सीसी सड़क का निर्माण कार्य में 13.09 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसी तरह पार्ट सी में एलएमएल चौराहे से केस्को के पास तक 24 मीटर चौड़ी सड़क का सुधार होगा। इस कार्य में भी 1.31 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जवाहरपुरम योजना में 20 एमएलडी आईपीएस का निर्माण एवं विकास कार्य में 9.35 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। जवाहरपुरम में 30 मीटर जोनल रोड से जवाहरपुरम सेक्टर 6 की ओर जाने वाली सड़क का सुधारीकरण एवं डिवाइडर का कार्य भी होना है।

इस कार्य में 3.86 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसी तरह पनकी भव सिंह में कालपी मार्ग पर कानपुर प्रवेश मार्ग के सुधार कार्य में भी 1.15 करोड़ रुपये खर्च होगा। इसी तरह ग्राम अहिरवां की ग्राम समाज की भूमि आराजी संख्या पर मियावाकी पद्धति से वृक्षारोपण व अनुरक्षण के कार्य में 1.13 करोड़ और पोखरपुर के पार्क के निर्माण में 8.44 लाख रुपये खर्च होंगे।

मानस संगम संस्था नहीं, आंदोलन : पाठक

संस्था का 57 वां वार्षिक भव्य समारोह आयोजित किया गया, 10 देशों के सदस्य कार्यक्रम में हुए शामिल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। साहित्यिक संस्था 'मानस संगम' का 57वां वार्षिक समारोह रविवार को आयोजित हुआ। समारोह में दस देशों से अधिक से आए प्रतिनिधि भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के विद्वानों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी शामिल हुए। उन्होंने मानस संगम को संस्था के बजाय एक आंदोलन बताया।

कार्यक्रम की शुरुआत आचार्य योगेश जी महाराज, राजेश्वरी एवं कविता सिंह व उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत भजनों से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक रहे। उन्होंने कहा कि मानस संगम संस्था नहीं आंदोलन है, राम का मर्म भारत का प्राण, इसे संप्रेषित करने में शिवाला परिवार सबसे अग्रणी है। कार्यक्रम में सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि 57 वर्ष वह भी किसी साहित्यिक धार्मिक संस्था ने पूरी किए हों यह बड़ी बात है। कानपुर के लिए तुलसी उपवन और नाना राव पार्क इस संस्था की बड़ी देन है। जिस शहर कभी भुला नहीं सकेगा।

समारोह में मानस संगम साहित्य सम्मान 2025 भी प्रदान किए गए। यह राम कथा पर मिथकीय काव्य भजन के लिए डॉ. रमाकांत शर्मा को दिया गया। सामवेदी गायन शैली ''ध्रुपद'' की पुनर्स्थापना के लिए पं. विनोद द्विवेदी को मानस संगम कला सम्मान 2025 से नवाजा गया। इसके साथ ही न्यायिक प्रक्रिया में हिंदी के प्रोत्साहन के लिए उच्च न्यायालय इलाहाबाद में अपर महाधिवक्ता महेश चंद्र चतुर्वेदी को मानस संगम हिन्दी सम्मान 2025 दिया गया। कथेतर साहित्य सृजन के लिए सेवानिवृत्ति आईपीएस हरीश कुमार को मानस संगम विशिष्ट सम्मान 2025 दिया गया। श्रीराम वनगमन स्थलों के भागीरथी अंवेषण के लिए डॉ. राम अवतार शर्मा को एड. सुरेंद्र प्रताप सिंह की स्मृति में दिया जाने वाला मानस संगम तुलसी सम्मान 2025 दिया गया।

मानस संगम हिंदी लेखन प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पीपीएन डिग्री कॉलेज की दीक्षा शर्मा, द्वितीय पुरस्कार जागरण इंस्टीट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड मास कम्युनिकेशन से अंकिता यादव को मिला। तृतीय स्थान वीएसएसडी कॉलेज की आयुषी मौर्या ने हांसिल किया। समारोह में पद्म विभूषण पंडित रामकिंकर उपाध्याय के प्रमुख शिष्य कार्यक्रम के अध्यक्ष पं उमाशंकर व्यास ने कार्यक्रम के अध्यक्षीय भाषण में पं बद्रीनारायण तिवारी के कार्यों को याद करते हुए संस्मरण व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रदीप दीक्षित एवं मनोज सेंगर ने किया। समारोह में निर्मल तिवारी, एमएलसी सलिल विश्नोई, अध्यक्ष विजय नारायण तिवारी व अभिनव तिवारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

साहित्य साधकों का सजा मंच, किया गया सम्मान। अमृत विचार

कानपुर गौरव सम्मान

- समारोह के दौरान प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. आईएन बाजपेई, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. देव शिवहरे, एडवोकेट गौरव निगम, गुरुग्राम वेदांता अस्पताल के कार्डियोलॉजिस्ट कानपुरवासी डॉ. पंकज बाजपेई, कानपुर के इतिहास वेत्ता अनूप शुक्ला, हास्य अभिनेता अन्नू अवस्थी को कानपुर गौरव सम्मान 2025 दिया गया।

विदेश से आए मेहमान

समारोह में हिंदी भाषा पर काम करने वाले विदेशी मेहमानों में उज़्बेकिस्तान, तजाकिस्तान, श्रीलंका, चाड, वियतनाम, सूरीनाम आदि देशों से आए अतिथियों ने हिंदी भाषा व साहित्य एवं संवेदना के विषय में अपने विचार व्यक्त किए।

एप भी हुआ लांच

- कार्यक्रम में मानस संगम मोबाईल ऐप एवं वेबसाइट को भी लॉन्च किया गया। इसके साथ ही मानस संगम प्रकाशन से प्रकाशित पुस्तकों में 50 वर्ष पूर्व की काव्य शैली को प्रस्तुत करती कृति 'पंचशर' का विमोचन हुआ। साहित्य सेवी हस्ती नूर इदरीसी की आत्मकथा 'नूर-ए-सफर' का विमोचन किया गया। प्रखर श्रीवास्तव द्वारा सम्पादित 'मानस संगम' अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक पत्रिका 2025 का लोकार्पण हुआ। कवियों में शबीना अदीब, हेमंत पांडे, कविता तिवारी, व्याख्या मिश्रा, प्रतीक चौहान, अशोक यादव, प्रख्यात मिश्रा ने श्रोताओं को मोहित किया| इसके साथ ही राष्ट्रपति सम्मान पुरुस्कृत पं. विनोद द्विवेदी एवं आयुष द्विवेदी ने अपनी टीम के साथ ध्रुवदमय वन्देमातरम की पेशकश की।

आईआईटी के पूर्व छात्र जुटे। अमृत विचार

अल्मा मेटर को 100 करोड़ का रिकॉर्ड योगदान दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पूर्व छात्रों द्वारा संचालित परोपकार के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक क्षण को चिह्नित करते हुए आईआईटी कानपुर के 2000 बैच ऑफ़ के छात्रों ने सिल्वर जुबली रीयूनियन के दौरान अल्मा मेटर के लिए 100 करोड़ रुपये का योगदान देने की घोषणा की। यह भारत के सभी शैक्षणिक संस्थानों में किसी भी बैच द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक योगदान है। अपने अल्मा मेटर के लिए इस ऐतिहासिक योगदान के माध्यम से, मिलेनियम क्लास आईआईटी कानपुर में 'मिलेनियम स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी एंड सोसाइटी' की स्थापना को समर्थन देने का प्रस्ताव रखती है। यह घोषणा सिल्वर जुबली रीयूनियन समारोह का प्रमुख आकर्षण रही, जिसमें दुनिया भर से आए पूर्व छात्र परिसर, संकाय और एक-दूसरे से पुनः जुड़ने के साथ-साथ आईआईटी कानपुर के भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए एकत्र हुए। आईआईटी के निदेशक प्रो. मणिंद्र अग्रवाल ने कहा, यह योगदान आईआईटी कानपुर और उसके पूर्व छात्रों के बीच के अटूट संबंध का सशक्त प्रमाण है।

आईआईटी के डीन ऑफ रिसोर्स एंड एलुमनाई, प्रो. अमेय करकरे ने कहा, यह योगदान आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र समुदाय को परिभाषित करने वाली साझेदारी की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस अवसर पर नवीन तिवारी, तमाल दास आदि रहे।

सिटी ब्रीफ

बारातशाला का हुआ लोकार्पण

कानपुर। हरबंस मोहाल में आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने विधायक निधि से निर्मित महर्षि वाल्मीकि बारातशाला का लोकार्पण किया। कहा कि बारात शाला का निर्माण क्षेत्र की गरीब व जरूरतमंद जनता के सामाजिक कार्यक्रमों के उपयोग के लिए किया गया है, जिसे निशुल्क रूप से आम जनता को उपलब्ध कराया जाएगा। इस दौरान पार्षद रजत बाजपेई, अंबर त्रिवेदी, कुतुबुद्दीन मंसूरी, पप्पन शर्मा, अमित बाल्मीकि समेत आदि रहे।

मकान के विवाद में युवक को पीटा

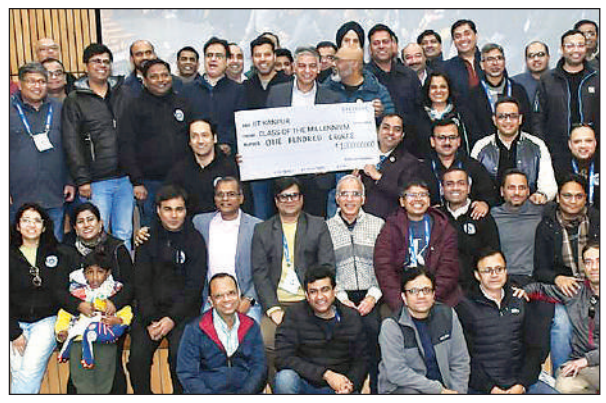

कानपुर। जाजमऊ में मकान के विवाद में आरोपी ने युवक को पीट दिया। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। छबीलेपुरवा निवासी अनिकेत अवस्थी के अनुसार बीती 25 दिसंबर की रात को वह अपने घर पर थे, तभी मोहल्ले के जुनैद अपने साथी मोहम्मद सफी खान उर्फ पप्पू बाली, उसके बड़े भाई जावेद और एक अन्य के साथ उनके घर पर आया और फिर अनिकेत को बाहर बुलाकर गाली-गलौज किया। विरोध करने पर आरोपियों ने अनिकेत को मारापीटा और मकान छोड़कर चले जाने की धमकी दी। पीड़ित ने जाजमऊ थाने में इसकी शिकायत की। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

शिक्षक राजन लाल सम्मानित

कानपुर। बेसिक शिक्षा विभाग एवं नवाचारी शैक्षणिक समूह एडुस्टफ की ओर से राज्य स्तरीय शैक्षिक उन्नयन कार्यशाला का आयोजन किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय में हुए आयोजन में शहर के राज्य पुरस्कृत शिक्षक राजन लाल ने पीपीटी के माध्यम से अपने शैक्षणिक कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया। कार्यशाला में जनपद कानपुर नगर से बेहतर शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षक राजन लाल को मुख्य अतिथि प्रदीप कुमार सिंह, संयुक्त मंडलीय शिक्षा निदेशक माध्यमिक शिक्षा प्रो .संजय मेधावी की ओर से शिक्षक राजन लाल को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान प्रदीप कुमार सिंह, प्रो. संजय मेधावी, शिव शंकर सिंह तथा एडुस्टफ की संस्थापक प्रीति श्रीवास्तव मौजूद रहीं।

महादेव का रुद्राभिषेक

कानपुर। श्री महादेव सेवा समिति की ओर से रविवार को रुद्राभिषेक आयोजित हुआ। खलासी लाइन में हुए धार्मिक आयोजन में भक्तों को प्रसाद रूपी भंडारा भी वितरित किया गया। इस दौरान रामशंकर तिवारी, प्रभु तिवारी, सुनील बाजपेई, अवध मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

www.amritvichar.com पर भी खबरें पढ़ें

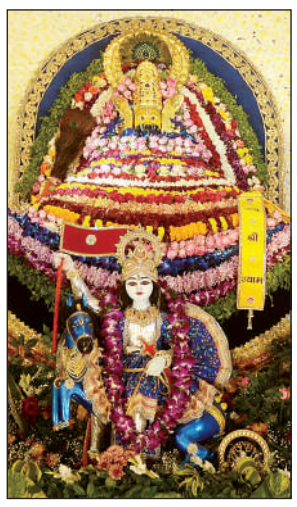

बाबा का दरबार सजा। अमृत विचार

भक्तों ने भजनों पर जयकारे लगाए। अमृत विचार

आज हमको बाबा तुम्हारी जरूरत पड़ गई है...

- श्री श्याम बिहारी कृपा मण्डल ने मनाया श्याम महोत्सव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्री श्याम बिहारी कृपा मण्डल की ओर से रविवार को श्री श्याम महोत्सव आयोजित किया गया। नानाराव पार्क में आयोजित इस समारोह में भक्तों ने फूलो की बगिया बनाकर श्याम प्रभू का दरबार सजाया।

समस्तीपुर से रेशमी शर्मा ने भजनों से माहौल भव्य कर दिया। 'हज़ारो बार देखा है हज़ारो बार सजते हो, मगर क्या बात है बाबा गजब के आज लगते हो' और कलकत्ता से सौरभ शर्मा ने 'पानी है सर से ऊपर मुसीबत अड़ गई है आज हमको बाबा तुम्हारी जरूरत पड़ गई है' सुनाकर सभी को बाबा की भक्ति में लीन कर दिया। कुमार श्रवण ने 'भटके क्यूं दर बदर कर भरोसा श्याम पर जिसने भी दिल से पुकारा हर मसीबत से उबारा' और अलवर से आए विकास अग्रवाल ने 'श्याम बाबा का श्रृंगार मन भावे खाटू वाले का दरबार मन भावे' गाया।

सांसद रामेश अवस्थी, एमएलसी सलिल विश्नोई, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक अभिताभ बाजपेई, राम जी गुप्ता, नीरज ओमर, मनीष केसरवानी, आशीष जायसवाल, अनिल अग्रहरी, ज्ञानेन्द्र विश्नोई सहित अन्य मौजूद रहे।

बड़ा चौराहा मेट्रो स्टेशन पर संगीत और काव्य पाठ ने बांधा समां

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। बड़ा चौराहा मेट्रो स्टेशन पर प्रीत की महफिल संस्था के सहयोग से काव्य पाठ एवं संगीत प्रस्तुति का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के साथ-साथ बाहर से आए युवा कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर लगभग 2 बजे हुआ। काव्य पाठ के दौरान कवियों ने एक-के-बाद-एक अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भावविभोर किया। संस्थापिका एवं कवयित्री ऋचा तिवारी 'प्रीत' ने अपनी कविता वह लड़की प्यारी चिड़िया सी से श्रोताओं का मन मोह लिया। कवि विनय कुमार माधव ने "वसुधा का अभिमान बनेगा, भारत विश्व प्रधान बनेगासे खूब वाहवाही बटोरी। कवि अर्सलान बेग आरिश' की पंक्तियां न मरे किसान और बलिदान हो कोई भी, अब शीश नहीं" श्रोताओं के मन में देर तक गूंजती रहीं। अतुल फर्रुखाबादी ने कुछ मिट्टी के लोग यहां पर कलयुग के भगवान बने हैं" और उन्नाव से आए कवि नरेंद्र कुमार ओसियां ने "जब तलक मां जिंदा है, सेवा कर लोकी भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इसके अलावा संतोष सुगम, आरजे अंश, वर्तिका राजपूत, मोहित उपाध्याय, अहाना मिश्रा, आकाश अद्भुत, सुशील कुमार, आशीष द्विवेदी, प्रतीक मिश्रा, गौरव, अंतरा एवं तृप्ति ने भी अपनी कविताओं से काव्य गोष्ठी को विशेष रंग दिया। इसके साथ ही शैलेंद्र, साक्षी पाल, दिव्या कुशवाहा, अर्चना, अमित बाजपेई, अमित श्रीवास्तव, ज्ञानेंद्र सहित अन्य कलाकारों ने फिल्मी गीतों की सुंदर प्रस्तुतियों से यात्रियों को मंत्रमुग्ध कर दिया और जमकर तालियां बटोरीं।

युवाओं ने गीत गाए। अमृत विचार

सनिगवां में जश्ने गरीब नवाज जलसा हुआ। अमृत विचार

अल्लाह के वलियों को कोई डर नहीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अल्लाह के वली वही होते हैं जो अल्लाह की इबादत करते हैं और उसके हुक्म पर अमल करते हैं। अल्लाह ऐसे लोगों को अपना खास करीबी बना लेता है। कुरआन में है कि अल्लाह के वलियों को न कोई डर होता है और न कोई गम क्योंकि अल्लाह का डर उन्हें दुनिया के हर डर से आजाद कर देता है। जो एक अल्लाह से डरता है, वह किसी और से नहीं डरता।

रविवार को कांशीराम कॉलोनी फेज-1 सनिगवां में आयोजित जश्न-ए-गरीब नवाज जलसे में ये बात गद्दियाना ईदगाह के इमाम एवं ऑल इंडिया गरीब नवाज कौंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना हाशिम अशरफी ने कही। मौलाना ने अफसोस जताते हुए कहा कि आज समाज में चोरी, जिना, नशाखोरी, सूदखोरी, माता-पिता की नाफरमानी, रिश्तों से दूरी, नमाज छोड़ना और अभद्रता करना आम बात हो गई है। लोगों को औलिया अल्लाह की जिंदगी से सीख लेना चाहिए। संचालन हाफिज मोहम्मद अरशद अशरफी ने किया। यूसुफ रजा कानपुरी, कारी मोहम्मद अहमद अशरफी और मोहम्मद हसन शिबली अशरफी ने नातिया कलाम पेश किया। इस मौके पर ताजुद्दीन, मोहम्मद नाजिम, मोहम्मद वसीम, मोहम्मद इदरीस, कारी मोहम्मद आजाद थे।

आज यहां नहीं रहेगी बिजली

कानपुर। गुजैनी जी ब्लॉक, बर्रा चार व पांच, तिलक नगर, केडीए, वैष्णवी विहार, निराला नगर और इस्कॉन क्षेत्र में बिजली सुबह 10 बजे से शाम को साढ़े चार बजे तक बिजली गुल रहेगी। विष्णुपुरी, आजाद नगर, सिविल लाइन, परमट व ग्रीन पार्क में बिजली तीन बजे तक गुल रहेगी। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक इन क्षेत्रों में जरूरी कार्य किए जाएंगे।

मेयर इलेवन ने बिठूर को 15 रनों से हराया

कानपुर। रविवार को टीसीएच ग्राउंड में खेले गए एक रोमांचक क्रिकेट मुकाबले में मेयर इलेवन ने बिठूर इलेवन को 15 रनों से मात दे दी। बिठूर इलेवन क्रिकेट टीम का नेतृत्व जहां पर बिठूर के विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने किया वहीं मेयर इलेवन टीम की कप्तानी पार्षद सौरभ देव ने की। टॉस जीतकर मेयर इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 197 रन बनाए जिसका पीछा करने उतरी बिठूर इलेवन टीम महज 182 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। मेयर इलेवन की तरफ से सबसे ज्यादा 86 रन और 4 विकेट हसीन ने लिए, मेयर इलेवन की तरफ से हसीन को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया।

श्रीराम कथा

जीवन में मित्र का महत्व बहुत अधिक है, राम-हनुमान से सीखें

सहयोगी मित्र व भाई एक समान : डॉ. कुमार विश्वास

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

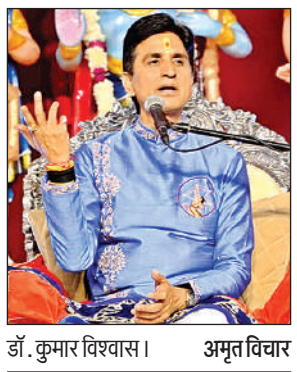

अमृत विचार। राम-रावण युद्ध के दौरान जब लक्ष्मण मूर्क्षित हुए तो प्रभु राम की सहायता वीर हनुमान ने सबसे अधिक की। उनकी सहायता से ही मूर्क्षित पड़े लक्ष्मण को प्रभु राम दोबारा गले लगा सके। जब लक्ष्मण मूर्क्षित अवस्था से उठे तो प्रभु राम ने वीर हनुमान और लक्ष्मण को एक साथ गले लगाया। उन्होंने यह संदेश दिया कि सगा भाई और सहायता करने वाला मित्र एक समान होता है। दोनो में कोई भेद नहीं है।

यह विचार रविवार को सीएसए विवि मैदान में कथा वाचक डॉ. कुमार विश्वास ने व्यक्त किए। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि जीवन में मित्र का योगदान बहुत अधिक है। डॉ. कुमार विश्वास ने रावण वध प्रसंग का विस्तार से वर्णन करते हुए अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया। इसके साथ ही उन्होंने मंदोदरी प्रसंग के माध्यम से यह बताया कि विवेक और सत्य का साथ देने की क्षमता किसी भी परिस्थिति में मनुष्य को महान बनाती है। बालि और सुग्रीव के दृष्टांत को प्रस्तुत करते हुए उन्होंने राजनीति, मित्रता और न्याय की बारीकियों को सरल भाषा में श्रोताओं के सामने रखा। डॉ. कुमार विश्वास ने राम युग का भावपूर्ण चित्र प्रस्तुत किया। राम भक्त हनुमान के चरित्र पर चर्चा करते हुए उन्होंने उन्हें प्रतिभा, प्रतिबद्धता और समर्पण की मिसाल बताया। गलतियां बताने वाला ही सच्चा मित्र होता है। कथा में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। उन्होंने मंच से श्री लक्ष्मी जी मंदिर के निर्माण के लिए यथासंभव सहयोग करने का भक्तों से आह्वान किया।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, राकेश सचान, विधायक सुरेंद्र मैथानी, राहुल बच्चा, रघुनंदन भदौरिया, मुकुंद मिश्रा, ज्ञानेंद्र विश्नोई, आयोजन समिति के अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल, संयोजक अभिषेक अग्रवाल मौजूद रहे।

डॉ. कुमार विश्वास। अमृत विचार

संगीतमय पदयात्रा में शामिल भक्त। अमृत विचार

भक्तों ने निकाली पदयात्रा

कानपुर। श्री बजरंग भक्त परिवार मण्डल न्यास की ओर से पनकी हनुमान दरबार तक की पारिवारिक संगीतमय पदयात्रा निकाली गई। बादशाही नाका हनुमान मन्दिर से निकाली निकली यात्रा का कई जगह फूल बरसाकर स्वागत हुआ। यात्रा में वीर हनुमान की भव्य प्रतिमा फूलों से सजे रथ पर विराजमान थी। आरती उतार कर श्रद्धालु भक्तजन गुणगान करते हुये चल रहे थे। यह पद यात्रा मूलगंज, लाटूश रोड, डिप्टी पड़ाव, चन्द्रिका देवी, जरीब चौकी, दर्शनपुरवा होते हुए मंदिर पहुंची। इस दौरान बाबा की आरती कर छप्पन भोग अर्पित किया गया। संचालन पंकज अग्रवाल, मनीष दर्पण, विवेक शुक्ला, अमित गुप्ता, ज्ञानेन्द्र कुमार विश्नोई, अभिनव अग्रवाल, उत्कर्ष नरेश मिश्रा कर रहे थे। सलिल विश्नोई, विधायक अभिताभ बाजपेयी, सौरभ अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, अर्पित अग्रवाल, विशाल अग्रवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

शिवकृपा से शुरू होगा नया साल, व्रत का संयोग मिलेगा

- नववर्ष के पहले दिन ही भक्त रखेंगे साल का पहला प्रदोष व्रत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नववर्ष के पहले दिन बेहद खास संयोग बन रहा है। साल के पहले ही दिन भक्तों को साल के पहले प्रदोष व्रत रखने का मौका मिल रहा है। ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि साल का पहला दिन गुरुवार होने के कारण भगवान शिव और नारायण की पूजा आराधना करने से दोगुनी फल की प्राप्ति होगी। गुरुवार और प्रदोष व्रत का संयोग होने से इसे गुरु प्रदोष व्रत कहा जाएगा, यह अत्यंत खास संयोग है।

वैदिक विभूषण ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि 1 जनवरी 2026 को भगवान शिव और विष्णु की पूजा का संयोग भक्तों को सुख, समृद्धि, रोग मुक्ति और मोक्ष प्रदान करने वाला रहेगा। इस वर्ष 1 जनवरी को प्रदोष व्रत है। इसलिए भगवान शिव की उपासना कर जलाभिषेक करना लाभकारी रहेगा। इससे घर-परिवार में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। उन्होंने बताया कि इस विशेष संयोग के दौरान जरूरतमंदों को दान करना पुण्य का कार्य माना जाता है। साल के पहले दिन अच्छे विचारों के साथ जरूरतमंद लोगों को कपड़ा, अन्न का दान, कंबल और ऊनी कपड़े का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। दान करने से कुंडली के कुछ दोष भी शांत होते हैं। साल के पहले दिन संकल्प लेना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। खासतौर पर करियर, व्यापार, नौकरी, प्रेम जीवन या अन्य किसी कार्य के लिए कुछ संकल्प इस संयोग पर निर्धारित करने से लाभ हासिल हो सकता है।

कार्यकर्ता को पीटने का आरोप लगा भाजपाइयों का हंगामा

कानपुर। चकेरी के सफीपुर में रविवार जुआ पकड़ने पहुंची पुलिस ने वहां से गुजर रहे एक भाजपा कार्यकर्ता को पकड़ लिया। पुलिस कार्यकर्ता को रामादेवी चौकी उठाकर ले गई। जहां चौकी प्रभारी समेत पुलिस कर्मियों ने कार्यकर्ता को पीटा। सूचना पाकर भाजपाइयों ने थाने का घेराव कर हंगामा किया। एसीपी चकेरी ने जांच कर कार्रवाई का भरोसा देकर मामला शांत कराया।

सफीपुर निवासी सौरभ निषाद भाजयुमो कार्यकर्ता हैं। वह रामादेवी चौराहे पर वह अपने पिता सब्जी विक्रेता राजकुमार को टिफिन देने जा रहे थे। रास्ते मे जुआ चल रहा था। जिसे पकड़ने के लिए पुलिस आई थी। पुलिस कर्मियों ने उन्हें भी जुआरी समझकर पकड़ लिया। इस पर सौरभ ने अपना परिचय दिया। पुलिस ने उनसे अभद्रता की।

न्यूज ब्रीफ

साइबर फ्रॉड का निपटारा कर रिफंड कराई धनराशि

शुक्लागंज, उन्नाव। एसपी के निर्देश पर चलाये गये अभियान के दौरान गंगाघाट कोतवाली पुलिस ने पीड़ित को धनराशि रिफंड कराई है। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि गांधी नगर निवासी पीयूष वर्मा ने ऑनलाइन साइबर पोर्टल पर प्रार्थना पत्र देते हुए बताया था कि यूपीआई के माध्यम से उनके खाते से 58,204 रूपये का फ्रॉड हुआ है। जिस पर पुलिस ने जांच शुरू की और रविवार को गंगाघाट पुलिस ने आवेदक पीयूष वर्मा के खाते में 22,679 रूपये रिफण्ड कराए है।

72 शिक्षकों का होगा समायोजन

उन्नाव। जनपद में संचालित एकल शिक्षकों वाले विद्यालयों को सरप्लस शिक्षकों वाले विद्यालयो से समायोजन के लिए बीएसए ने रविवार को समस्त बीईओ की बैठक बुलाकर नजदीक के विद्यालयों मैं समायोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो एकल विद्यालय हैं वहां पर उसके पड़ोस के ऐसे विद्यालय के शिक्षकों को स्थानांतरित किया जाए जहां पर शिक्षक अधिक हैं। सबसे पहले ग्राम पंचायत न्याय पंचायत एवं ब्लॉक स्तर पर उन्हें समायोजित किया जाए। बीएसए शैलेश कुमार पांडे ने बताया कि जनपद में 40 प्राइमरी तथा 32 उच्च प्राथमिक विद्यालय एक शिक्षक वाले हैं। वहां पर अन्य विद्यालयों से शिक्षकों को समायोजित किया जाना है।

जांच टीम का न्यू पीएचसी में औचक निरीक्षण

शुक्लागंज। रविवार को शासन के निर्देश पर मंडल स्तरीय दो सदस्यीय स्वास्थ्य जांच टीम ने राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुक्लागंज का औचक निरीक्षण किया। अचानक जांच टीम के पहुंचने से स्थानीय मेडिकल स्टाफ में हड़कंप मच गया। इस दौरान टीम ने मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। रविवार सुबह करीब 11 बजे लखनऊ से आई जांच टीम में कन्नौज आरसीएच के एसीएमओ डॉ. बृजेश शुक्ला एवं डॉ. आतिफ असलम शामिल रहे। टीम ने ओपीडी रजिस्टर, ड्रग स्टोर, दवाइयों के स्टॉक, जांच किट, लैब सहित अन्य स्वास्थ्य संसाधनों की गहन जांच की। निरीक्षण के दौरान टीम ने मौजूद मरीजों से स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली, जिस पर मरीजों ने संतोष व्यक्त किया।

खंडित मूर्तियों का किया गया विसर्जन

उन्नाव, अमृत विचार। रविवार को विश्वकर्मा जी सेवा संस्थान द्वारा जिला स्तर पर खंडित मूर्तियों का विसर्जन कार्यक्रम सिद्धनाथ घाट पर श्रद्धा और विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम पूज्य बालयोगी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संस्थान के अध्यक्ष बुद्धिलाल शर्मा ने खंडित मूर्तियों का भूमि विसर्जन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि खंडित मूर्तियों का सम्मानपूर्वक विसर्जन करना एक धार्मिक और सामाजिक दायित्व है। साथ ही उन्होंने संकल्प लिया कि यह कार्यक्रम हर वर्ष भव्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा, ताकि धार्मिक आस्थाओं की मर्यादा बनी रहे। इस अवसर पर संस्थान के कोषाध्यक्ष कवि अशोक कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष मुकेश शर्मा, महासचिव हरी शंकर शर्मा, मीडिया प्रभारी करन शर्मा, संरक्षक लेखलाल शर्मा सहित करीब दो सैकड़ा सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गायत्री शक्तिपीठ धाम में डाली गईं आहुतियां

उन्नाव। गायत्री शक्तिपीठ में रविवार को विश्व कल्याण की भावना के साथ यज्ञ एवं पूजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साधकों ने मां गायत्री की उपासना कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। महिला मंडल द्वारा आयोजित गायत्री यज्ञ का संचालन महिला मंडल प्रमुख दीनू शुक्ला एवं साधना सिंह के नेतृत्व में किया गया। यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित कर सुख, शांति एवं सद्बुद्धि की कामना की। इस अवसर पर मंदिर के व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव (एडवोकेट) ने साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि मां गायत्री की उपासना से जीवन में सुख और शांति की प्राप्ति होती है।

नवीन बीएसए कार्यालय का निर्माण तेजी से शुरू

उन्नाव। बीएसए कार्यालय के नए भवन के निर्माण की धनराशि की प्रथम किस्त मार्च 2024 में एक करोड़ 80 लाख शासन द्वारा स्वीकृत की गई थी मगर निर्माण का कार्य अब शुरू हो पाया है। रविवार को नॉर्मल स्कूल परिसर मैं बनने वाले बीएसए कार्यालय के फाउंडेशन में बनाए जाने वाले पिलर का कार्य तेजी से चलता दिखा। जिससे आशा की जाती है कि भवन का निर्माण जल्द ही पूरा हो सकेगा। इसके पहले वर्ष 1988 से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में भवन का निर्माण कार्य शुरू हुआ था।

कोहरा और शीतलहर का कहर, गलन भरी ठंड से कांपा जनजीवन

नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन, पूरे दिन छाया रहा कोहरा, वाहन चालकों को धीमी गति से गुजरना पड़ा

संवाददाता, शुक्लागंज

अमृत विचार। रविवार को नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कोहरा और शीतलहर का कहर देखने को मिला। बर्फीली हवाओं के चलते लोगों को गलन भरी ठंड का सामना करना पड़ा। पूरे दिन सूर्य के दर्शन नहीं हुए, जिससे ठंड का असर और बढ़ गया। शाम होते-होते गलन और तेज हो गई और लोग कंपकंपाते नजर आए। सार्वजनिक स्थानों पर सन्नाटा पसरा रहा और आम जनजीवन प्रभावित हुआ।

दिसंबर के अधिकांश दिनों में मौसम सामान्य रहा, लेकिन रविवार को अचानक मौसम ने करवट ली। सुबह से ही घना कोहरा छाया रहा, जिससे हाईवे, बैराज मार्ग, आजाद मार्ग और नवीन पुल पर वाहनों की रफ्तार थम सी गई। वाहन चालकों को बेहद धीमी गति से गुजरना पड़ा। दोपहिया वाहन सवारों को फॉग लाइट जलाकर निकलना पड़ा।

दोपहर के समय राजधानी मार्ग पर अलाव की आंच लेते लोग। अमृत विचार

सर्दी से बचने के लिये ऊनी कपड़े पहनकर जातीं महिलाएं। अमृत विचार

दृश्यता कम होने के कारण दुर्घटना की आशंका बनी रही। सर्दी के असर से रोजमर्रा के कामकाज भी प्रभावित हुए। लोग आवश्यक कार्यों के अलावा घरों से बाहर निकलने से कतराते दिखे। नगर में अलाव की पर्याप्त व्यवस्था न होने से पटरी दुकानदार, यात्री, रिक्शा चालक और दिहाड़ी मजदूर ठंड में ठिठुरते नजर आए। ठंड से बचने के लिए ऊनी कपड़े पहनकर निकले लोग भी गलन से परेशान रहे। रात के समय नगर की सड़कों पर चहल-पहल कम हो गई। राहगीरों और विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों की मुसीबतें बढ़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है, जिससे लोगों की परेशानी और बढ़ सकती है।

सड़कों और बाजार में दिखा सन्नाटा

उन्नाव। रविवार की सुबह जब लोगों की आंख खुली तो पूरा जिला घने कोहरे की सफेद चादर में लिपटा हुआ था। बर्फीली हवाओं के साथ बढ़ी गलन ने लोगों को घरों में कैद होने पर मजबूर कर दिया। मौसम के बदलते तेवरों को देखते प्रशासन ने स्कूली बच्चों शिक्षण संस्थानों के समय में बदलाव के निर्देश जारी किए हैं। रविवार सुबह से ही विजिबिलिटी कम दर्ज की गई। कोहरे का असर इस कदर था कि लखनऊ-कानपुर हाईवे एक्सप्रेसवे सहित जिले की मुख्य सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई। चालकों को दिन के उजाले में भी अपनी गाड़ियों की हेडलाइट और इंडिकेटर जलाकर रेंगते हुए चलना पड़ा। कोहरे के कारण लंबी दूरी की बसें और मालवाहक ट्रक अपने निर्धारित समय से काफी देरी से चल रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

सदर विधायक ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

कंबल वितरित करते सदर विधायक पंकज गुप्ता। अमृत विचार

उन्नाव। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने रविवार को अपने कैम्प कार्यालय पर लोगो को कंबल वितरित किए। उन्होने बढ़ती ठंड के मद्देनजर लोगो को आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी। विधायक ने बताया कि सर्द हवाएं स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकती है। क्षेत्र से आए लोगो ने बढ़ती ठंड को देखते हुए कंबल की मांग की थी। सदर विधायक ने तत्काल कंबलों की व्यवस्था की और जरुरतमन्दो को वितरित किए। विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से यह प्रयास निरन्तर जारी रहेगा। इस अवसर पर सुखवीर प्रधान, संजीत प्रधान, सुरेश प्रधान, अनिल, अनूप, राजेश, गोवर्धन, सुरेन्द्र आदि लोग मौजूद रहे।

एक बेटे की अर्थी व दूसरे को जेल जाता देख कर सुबकती रही मां

उन्नाव, अमृत विचार। सदर कोतवाली क्षेत्र के पीडी नगर में बड़े भाई ने छोटे भाई की चाकू घोंप कर हत्या की थी। मां की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर हत्या आरोपी को पुलिस ने जेल भेजा। वहीं छोटे भाई के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों के सुपुर्द किया।

बता दे मां से अभद्रता करने से मना करने पर छोटे भाई सत्यम का बड़े भाई शिवम से विवाद हुआ। जिसमें बात इतनी बढ़ी की शिवम ने चाकू घोंप कर सत्यम की हत्या कर दी। भाई-भाई के बीच हुए खूनी संघर्ष में एक बेटे की मौत हुई। वहीं दूसरा जेल चला गया। यह दृश्य पति की मौत के बाद छोटी बेटी आराध्या के हांथ पीले करने के लिए लोगों के घरों में खाना बना कर जीविका चलाने वाली मां आशा के आंसू थमने के नाम नहीं ले रहे है। बेटे की अर्थी व दूसरे के जेल जाने से वह आहत है। बड़ी बेटी सहित दो बेटे उसे समझने में लगे रहे लेकिन मां की ममता उसे झकझोर रही थी। पुलिस ने रविवार को सत्यम का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें उसके चाकू के दो वार मिले। एक वार जांघ

पुलिस गिरफ्त में खड़ा हत्यारोपी।

- बड़े भाई ने की थी छोटे भाई की चाकू घोंप कर हत्या

में दूसरा पीठ में था। इसी से वह अचेत होकर गिर गया। अस्पताल पहुंचने तक अत्यधिक रक्त स्राव से उसकी जान चली गई। आशा व अन्य परिजनों के मुताबिक सत्यम जिद्दी व झगड़ालू स्वभाव का था। वह मां से अक्सर विवाद करता था। इसी को लेकर शिवम उसे मना करता था। कई बार इसी को लेकर दोनों में पहले भी कहासुनी हुई थी। पिता गणेश की मौत पहले हो चुकी थी। रविवार को पुलिस ने हत्या के आरोपी शिवम को गदन खेड़ा चौराहा के पास से पकड़ लिया। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा ने बताया आला कत्ल बरामद कर उसे कोर्ट में पेश किया गया। जहां से वह जेल भेजा गया।

अमर शहीद के 167वें बलिदान दिवस पर हुआ श्रद्धांजलि समारोह

उन्नाव। बैसवारा के गौरव और 1857 की क्रांति के अग्रणी योद्धा अमर शहीद राजा राव राम बख्श सिंह के 167वें बलिदान दिवस के अवसर पर बक्सर स्थित उनके बलिदान स्थल एवं स्मारक पर भव्य श्रद्धांजलि अर्पण समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम अमर शहीद राजा राव राम बख्श सिंह स्मारक एवं बलिदान दिवस समारोह समिति के संयोजन में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजसेवी, साहित्यकार, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समारोह समिति के मंत्री वीर प्रताप सिंह ने बताया कि अमर शहीद राजा राव राम बख्श सिंह के बलिदान की शताब्दी वर्ष 1959 में तत्कालीन क्षेत्रीय विधायक एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भगवती सिंह विशारद ने स्मारक एवं श्रद्धांजलि समारोह की आधारशिला रखी थी। तब से यह आयोजन निरंतर प्रत्येक वर्ष मनाया जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी डॉ. एस.पी. सिंह ने की। इस अवसर पर अंकित सिंह परिहार ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कोहरे में बढ़ा सड़क हादसों का खतरा

विनीत सिंह, नवाबगंज

अमृत विचार। क्षेत्र में घने कोहरे और बढ़ती सर्द हवाओं के चलते सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सुबह और देर रात दृश्यता बेहद कम हो जाने से हाईवे के साथ-साथ ग्रामीण मार्गों पर भी हादसों की आशंका कई गुना बढ़ गई है। कोहरे की वजह से वाहन चालकों को सामने की स्थिति स्पष्ट नहीं दिख पा रही है, जिससे टक्कर और फिसलन जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं।

पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार गश्त, वाहन चेकिंग और जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, इसके बावजूद आमजन की लापरवाही दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। पुलिस की बार-बार अपील के बावजूद कई वाहन चालक तेज रफ्तार से वाहन चला रहे हैं। कुछ वाहन बिना लाइट और संकेतक के सड़कों पर दौड़ते नजर आ रहे हैं,

डंपर चालक को जानकारी देते सीओ अरविंद चौरसिया। अमृत विचार

जो जानलेवा साबित हो सकता है। कोहरे में ओवरटेक करना, बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाना और हाईवे किनारे भारी वाहनों को खड़ा करना दुर्घटनाओं को न्योता दे रहा है। वहीं पैदल यात्री भी अंधेरे और कोहरे में सड़क पार करते समय सावधानी नहीं बरत रहे हैं। कोहरे में वाहन की गति नियंत्रित रखें, फॉग लाइट और हेडलाइट का सही ढंग से प्रयोग करें तथा आगे चल रहे वाहन से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। अचानक ब्रेक लगाने से बचें। दोपहिया वाहन चालक हेलमेट पहनें और रिफ्लेक्टिव जैकेट का इस्तेमाल करें। भारी वाहन चालकों और ढाबा संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि हाईवे किनारे वाहन खड़ा न करें। पैदल यात्रियों से भी अपील की गई है कि वे चमकीले कपड़े पहनकर सतर्कता के साथ सड़क पार करें। इस संबंध में सीओ अरविंद चौरसिया ने बताया कि सड़क सुरक्षा में जनसहयोग बेहद जरूरी है।

स्वास्थ्य शिविर में 100 से अधिक मरीजों का परीक्षण

शिविर में मरीजों की जांच करते डॉक्टर। अमृत विचार

संवाददाता, शुक्लागंज

अमृत विचार। राजधानी मार्ग स्थित सुषमा एंड नर्सिंग हॉस्पिटल में रविवार को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पेट रोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया गया। इस दौरान करीब एक सैकड़ा से अधिक मरीजों ने शिविर का लाभ उठाया।

अस्पताल प्रबंधन के प्रबंधक ओपी आर्या एवं डॉ. सुषमा आर्या ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर का आयोजन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया। शिविर में वरिष्ठ पेट एवं गैस्ट्रो रोग विशेषज्ञ डॉ. कार्तिक अग्रवाल तथा नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. साक्षी गुप्ता ने ओपीडी कर मरीजों को परामर्श दिया। डॉ. कार्तिक अग्रवाल ने बताया कि ठंड के मौसम में गैस, एसिडिटी एवं लिवर में सूजन की समस्या लेकर अधिक मरीज पहुंचे। ऐसे मरीजों को अधिक पानी पीने, मिर्च-मसाले वाले भोजन से परहेज करने तथा समय पर खान-पान करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा कि इस मौसम में शरीर में पानी की कमी नहीं होने देनी चाहिए और पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन जरूरी है। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में नगर क्षेत्र के साथ-साथ दूरदराज के ग्रामीण इलाकों से भी मरीज पहुंचे।

नम आंखों से दी गई मुख्य आरक्षी को अंतिम विदाई

पिता को ढांढस बंधाते एसपी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। सड़क हादसे में जान गंवाने वाले मुख्य आरक्षी का शव पोस्टमार्टम के बाद पुलिस लाइन लाया गया। जहां उसे एसपी सहित अन्य पुलिस अफसरों ने श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

बता दे कि महोबा जिला के चरखारी थाना क्षेत्र के रोशनपुरा गांव निवासी मुकेश कुमार (35) पुत्र बलदेव प्रसाद मुख्य आरक्षी था। वर्तमान में उसकी तैनाती पीआरवी में थी। वह पीडी नगर मोहल्ला में किराए के मकान में रहता था। शनिवार रात दरोगा खेड़ा से ड्यूटी समाप्त कर वापस लौटते समय सदर कोतवाली क्षेत्र के लखनऊ-कानपुर हाइवे पर नवीन मंडी व हुसैन नगर चौराहा के मध्य अज्ञात वाहन की टक्कर से उसकी मौत हो गई थी। पुलिस से मिली सूचना से परिजनों में कोहराम मच गया। पत्नी दीपा व दो बच्चे सहित मां मुन्नी बदहवाश रही। रविवार को शव का पोस्टमार्टम करा उसे पुलिस सम्मान के साथ पुलिस लाइन लाया गया। जहां एसपी जयप्रकाश सिंह, एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह, दक्षिणी प्रेमचंद सभी सीओ ने उसके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र व रीथ अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथियों ने नम आंखों से उसे अंतिम विदाई दी। एसपी ने मुकेश के पिता को ढांढस बंधा हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। जिसके बाद पुलिस वाहन व गारद के साथ शव उसके गृह जनपद भेजा गया।

सिटी डायरी

शिवम में चेरिश-25 एनुअल एग्जिबिशन एवं कार्निवल का आयोजन

शुक्लागंज। आनंद नगर स्थित शिवम कन्वेंट स्कूल द्वारा रविवार को 'चेरिश-25 एनुअल एग्जिबिशन एवं कार्निवल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विज्ञान, साहित्य और गणित विषयों पर आधारित आकर्षक प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी में बच्चों की रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता देखने को मिली।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के मनोरंजन के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया। साथ ही फूड स्टॉल और मनोरंजन गतिविधियों ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों को शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ उनके मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के डायरेक्टर अंकुर शुक्ला ने किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रश्मि शुक्ला, ऐश्वर्य शुक्ला सहित विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

एग्जिबिशन के दौरान मॉडल का अवलोकन करते डायरेक्टर और प्रधानाचार्या।

पुराण संग्रह का लोकार्पण करते सदर विधायक पंकज गुप्ता।

पीएचसी में स्वास्थ्य मेले में मौजूद मरीज।

पुराण भारतीय संस्कृति के विश्वकोश हैं

उन्नाव। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था आचमन का वार्षिक आयोजन गार्डेन ग्रीन, चौरा रोड उन्नाव में भव्य रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान भारतीय सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से अठारह महापुराणों का संक्षिप्त सार प्रस्तुत करने वाले 'संक्षिप्त पुराण संग्रह' का लोकार्पण किया गया। इस संग्रह का संकलन संस्था के उपाध्यक्ष विकास मिश्रा (डी.के. मिश्रा) द्वारा किया गया है। मुख्य अतिथि सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि संक्षिप्त पुराण संग्रह समाज, देश और विश्व के लिए जनमानस का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि पुराण भारतीय संस्कृति के विश्वकोश हैं, जिनसे समाज को संस्कार और संस्कृति को दिशा मिलती है।

स्वास्थ्य मेले में 101 मरीजों का हुआ परीक्षण, दी दवाइयां

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। रविवार को न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। जहां नगर व आस पास रहने वाले मरीज पहुंचे। इस दौरान मेले में मौजूद डॉक्टरों ने मरीजों का परीक्षण किया और उन्हें दवाइयां दी। राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुक्लागंज में मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में एलोपैथिक के डॉक्टरों ने मरीजों का परीक्षण कर दवा बांटी। पीएचसी में 101 मरीजों का परीक्षण कर उन्हें दवाइयां बांटी गई।

वसुन्धरा जन कल्याण समिति की बैठक एवं सम्मान समारोह संपन्न

शुक्लागंज। वसुन्धरा जन कल्याण समिति की बैठक एवं सम्मान समारोह रविवार को ऋषिनगर स्थित रामजी गुप्ता के आवास पर आयोजित हुआ। बैठक में समिति द्वारा पूर्व में आयोजित प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों की समीक्षा की गई। सदस्यों ने भविष्य में भी विद्यार्थियों के हित में कार्य जारी रखने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान केंद्रीय विद्यालय, विजयवाड़ा में शिक्षिका पद पर नियुक्त अदिती प्राची अग्निहोत्री को सेवानिवृत्त अपर जिलाधिकारी अमृत लाल साहू, गोविंद कुमार साहू एवं रामजी गुप्ता द्वारा अंगवस्त्र, माला व शील्ड भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुकेश तिवारी, अजय कुमार मिश्र, रमेश तिवारी, अंजनी अग्निहोत्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन रामजी गुप्ता ने किया।

शिक्षिका को सम्मानित करते पदाधिकारी। अमृत विचार

आयोजन | सेवा कार्य के साथ महापुरुषों को किया नमन

कांग्रेस ने मनाया 141वां स्थापना दिवस

कांग्रेस कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते कार्यकर्ता।

स्थापना दिवस पर पदयात्रा निकालते कांग्रेस कार्यकर्ता। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 141वें स्थापना दिवस के अवसर पर जिला और शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कांग्रेसजनों ने ध्वजारोहण कर पार्टी की गौरवशाली विरासत को याद किया और महात्मा गांधी व क्रांतिकारी राजा रावराम बख्श सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पर आयोजित गोष्ठी में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा ने ध्वजारोहण के बाद संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 1885 में मुंबई से शुरू हुई इस पार्टी ने देश की आजादी में सर्वस्व न्योछावर किया है।

कार्यकर्ताओं ने झंडा लेकर निकाली पदयात्रा

शुक्लागंज। नगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का 141वां स्थापना दिवस रविवार को नगर महामंत्री रवि शंकर गुप्ता के नेतृत्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता पुतीलाल वर्मा ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी संघर्ष और बलिदान का प्रतीक रही है। नगर उपाध्यक्ष जयपाल साहू ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को मुंबई में ए.ओ. ह्यूम द्वारा की गई थी।

अमृत विचार

सोमवार, 29 दिसंबर 2025

तुम वो हो जो तुम होने का यकीन करते हो।

–पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

सर्दियों का समाधान

उत्तर प्रदेश, बिहार, समेत कई राज्यों में तेज ठंड पड़ रही है, पश्चिमी विक्षोभों की तीव्रता में बदलाव, जेट स्ट्रीम का दक्षिण की ओर खिसकना, आर्कटिक क्षेत्र में तापमान असामान्य रूप से बढ़ना और इसके कारण ठंडी हवा का निचले अक्षांशों तक पहुंचना इसकी वजह है। जलवायु परिवर्तन के मौसम पर असामान्य प्रभाव के चलते अचानक और तीव्र ठंड अब अपवाद नहीं रही। इस सर्दी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या केंद्र और राज्य सरकारें इस स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त रूप से तैयार हैं।

सच यह है कि अधिकांश उपाय प्रतिक्रियात्मक हैं। सर्दी बढ़ने के बाद अलाव, रैन बसेरे और कंबल वितरण शुरू होते हैं, जबकि दीर्घकालिक तैयारी का अभाव दिखता है। सर्दियों के साथ प्रदूषण का बढ़ना और श्वसन, हृदय तथा संक्रामक रोगों का प्रकोप एक जाना-पहचाना चक्र है। इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं की अग्रिम तैयारी, दवाओं की उपलब्धता, मोबाइल हेल्थ यूनिट और प्रदूषण नियंत्रण के कड़े कदम अपेक्षित हैं। उत्तर प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने प्रयास किए हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर यह अभी भी असमान है। सूबे में सरकार ने करोड़ों व्यय कर अपेक्षाकृत व्यापक प्रबंध किए हैं। रैन बसेरों की संख्या बढ़ाना, शहरी व ग्रामीण इलाकों में अलाव की व्यवस्था, कंबल वितरण, अस्पतालों में विशेष वार्ड और आपात सेवाओं को अलर्ट पर रखना, स्कूलों में अवकाश। इनका असर खासतौर पर हाशिये पर रहने वाले लोगों, बेघर, वृद्ध, दिहाड़ी मजदूरों पर सकारात्मक पड़ सकता है, बशर्ते वितरण और निगरानी में लापरवाही न हो। पशुओं और मवेशियों के लिए अस्थायी शेड, चारा और पशु चिकित्सा सेवाओं की व्यवस्था भी जरूरी है, क्योंकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा पशुधन पर निर्भर है। सर्दियों का असर यातायात और व्यवसाय पर न पड़े कोहरे और शीतलहर के कारण सड़क व रेल दुर्घटनाएं न बढ़ें, इसके लिए बेहतर विजिबिलिटी सिस्टम, समय पर ट्रैफिक एडवाइजरी, रेल-सड़क समन्वय और कार्य समय में लचीलापन और जरूरी है। मानवाधिकार आयोग का निर्देश है कि ठंड से किसी बेघर की मृत्यु न हो, पर हर वर्ष देश में ठंड के असर से हजारों लोगों की मौत होती है। इन आंकड़ों को आपदा के रूप में दर्ज होना चाहिए। शीत लहर के लिए कोई सशक्त, मानकीकृत राष्ट्रीय कार्य योजना नहीं है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, स्थानीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग को मिलकर सूचना साझा करने और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया मजबूत बनाने के लिए, यह करना आवश्यक है।

पूर्व नियोजित तैयारियों तथा विभागों के बीच समन्वय की कमी, धन का अक्षम उपयोग, डेटा और तकनीकी क्षमता के अभाव में स्थान और समय विशिष्ट योजनाओं को तैयार न कर पाना हर साल की इस मुसीबत से निबटने में विफलता के मुख्य बिंदु हैं। हमें प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों में तकनीकी खामियां दूर कर स्थानीय भाषा में रियल-टाइम अलर्ट, पंचायत और शहरी वार्ड स्तर तक सूचना तंत्र और समुदाय-स्तरीय तैयारी को सालाना प्रक्रिया का हिस्सा बनाना होगा। उम्मीद है कि इस वर्ष की सर्दी से सबक लेकर सरकारें पूरे साल की योजना बनाएंगी।

प्रसंगवश

वन, पर्वत, नदियों को निगलने की भूख

दुनिया के किसी भी देश का अस्तित्व उसके वन, पर्वत और नदियों पर निर्भर करता है। मानव सभ्यता के विकास में इन तीनों का सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वन, पर्वत और नदियां मानव सभ्यता के हजारों वर्ष पहले से विद्यमान हैं। प्रकृति के आरंभ से लेकर आज के आधुनिक युग तक, समस्त जीवों का जीवन इन्हीं पर निर्भर रहा है। यही कारण है कि भारतीय धर्मग्रंथों और परंपराओं में वन, पर्वत और नदियों की पूजा की जाती है, तथा उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया जाता है। विडंबना यह है कि जैसे-जैसे मानव शिक्षित और आधुनिक होता गया, उसने तथाकथित विकास के नाम पर इन्हीं प्राकृतिक संसाधनों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है, और यह विनाशकारी सिलसिला आज भी जारी है।

विकास और पैसे की भूख की वजह से वन, पर्वत और नदियों का तेजी से विनाश हो रहा है। इसके पीछे एक बड़ी वजह खनन और भू-माफियाओं को प्राप्त राजनीतिक संरक्षण भी है। नर्मदा तथा गंगा की वर्तमान स्थिति किसी से छिपी नहीं है। करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ी इन नदियों में खनन माफियाओं द्वारा जिस बेरहमी से अवैध रेत खनन किया जा रहा है, उससे न केवल नदियों का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है, बल्कि पर्यावरण को भी भारी क्षति पहुंच रही है। भारत के लगभग हर राज्य में बड़ी नदियों पर चौबीसों घंटे, सातों दिन अवैध रेत उत्खनन जारी है, जो राज्य सरकारों की 'नदी बचाओ' जैसी मुहिमों को खुली चुनौती देता है। सरकार और सशक्त कानूनों की मौजूदगी के बावजूद खनन माफियाओं का बेखौफ खेल कहीं-न-कहीं राज्य सरकारों की मौन स्वीकृति की ओर भी संकेत करता है।

अरविंद रावल

लेखक

माफियाओं की धन-लालसा केवल नदियों तक सीमित नहीं है। देश के लगभग हर राज्य, हर जिले के पर्वतों का सीना छलनी किया जा चुका है। वह भारत, जो कभी ऊंचे पर्वतों, कल-कल बहती नदियों और विशाल वन क्षेत्रों के लिए जाना जाता था, आज उसी प्राकृतिक धरोहर को स्वार्थी मानव अपनी लालसा की भेंट चढ़ा रहा है। कई गांवों और शहरों से पूरे के पूरे पहाड़ गायब हो चुके हैं और नदियों के स्वरूप को बिगाड़कर कंक्रीट की मीनारें खड़ी की जा रही हैं। वन क्षेत्र भले ही कागजों में सरकार के नियंत्रण में हों, पर वास्तविकता यह है कि लकड़ी तस्कर रात-दिन सैकड़ों पेड़ों को काट रहे हैं। वन, पर्वत और नदियों के विनाश का सीधा असर वन्य जीवों पर पड़ा है। कई प्रजातियां पूरी तरह समाप्त हो चुकी हैं और अनेक प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इसका प्रभाव अब मानव जीवन पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

अब अरावली पहाड़ियों पर संकट है। इसके हटने से थार रेगिस्तान की धूल उड़कर दिल्ली के प्रदूषण को और अधिक भयावह बना देगी। गुजरात के ब्रह्मखेड़ा से लेकर दिल्ली के रायसीना हिल्स तक लगभग 692 किलोमीटर में फैली अरावली पर्वतमाला न केवल कई राज्यों को रेगिस्तान बनने से बचा रही है, बल्कि अनेक नदियों का उद्गम स्थल भी है, जो मनुष्य और वन्य प्राणियों दोनों की प्यास बुझाती हैं। इसके बावजूद, भू-माफिया और खनन माफिया वर्षों से अरावली के अस्तित्व को मिटाने पर तुले हुए हैं।

आज आवश्यकता है कि केंद्र और राज्य सरकारें अपनी वन, पर्वत, नदी संरक्षण योजनाओं पर पुनः गंभीर मंथन करें और एक ठोस, प्रभावी तथा कठोर रणनीति बनाएं। साथ ही सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों को भी अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा की जिम्मेदारी लेनी होगी, तभी हम खनन माफियाओं के जाल से वन, पर्वत और नदियों के अस्तित्व को बचा पाएंगे।

भाजपा के लिए तुरुप का पत्ता हुमायूं कबीर

नवीन गुप्ता

बरेली

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस वक्त नए मोड़ पर खड़ी है। अयोध्या में बाबरी मस्जिद विवाद सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद शांत हो गया, लेकिन मुसलमानों का रहनुमा बनने के चक्कर में तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने इस विवादित मुद्दे को पुनः छेड़ दिया। हुमायूं ने न सिर्फ बाबरी मस्जिद की नींव रखकर खुद को मुसलमानों के बीच अपने को स्थापित करने की कोशिश की है, बल्कि हिंदू-मुस्लिम जनमानस के बीच तनाव का कारण भी बन गए। उन्होंने नई पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव में टीएमसी के लिए मुसीबत भी पैदा कर दी है।

पुनः सत्ता पर काबिज होने का ख्वाब देख रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए उन्होंने मुसीबत खड़ी कर दी है। यही वजह है कि भाजपा से ज्यादा टीएमसी उन पर हमलावर है और उन्हें भाजपा का एजेंट साबित करने में लगी है। भाजपा भी उन पर टीएमसी के मुस्लिम तुष्टीकरण एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगा रही है। बहरहाल उनकी बगावत से सत्ता पाने की भाजपा की राह आसान होती दिख रही है, तो टीएमसी के लिए वह दीवार बनते नजर आ रहे हैं। अब देखना यह है कि टीएमसी इस मुसीबत से कैसे निपटती है।

पश्चिम बंगाल में 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में टीएमसी ने 215 सीटें जीतकर तीसरी बार सत्ता पर कब्जा किया था, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी से हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा ने इस चुनाव में 77 सीटें जीत कर राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया था, हालांकि वामपंथ और कांग्रेस का तंबू यहां पूरी तरह से उखड़ गया था। तब यह माना गया था कि भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेसी और वामपंथी मतदाता टीएमसी के साथ चले गए, इसलिए ममता बनर्जी को बड़ी जीत मिली।

भाजपा इस बार सत्ता में आने के लिए पुनः एड़ी चोटी का जोर लगाए हुए है। बिहार में मिली प्रचंड जीत से पार्टी कार्यकर्ताओं के भी हौसले बुलंद हैं। एसआईआर में बंगाल में बड़े पैमाने पर वोट कटे हैं। बांग्लादेश से आए घुसपैठिये देश छोड़कर पुनः अपने देश वापस जा रहे हैं। भाजपा इसे मुद्दा बना रही है कि ममता के कारण ही बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों ने पश्चिम बंगाल के निवासियों के संसाधनों पर कब्जा कर रखा है। एसआईआर के बाद बदली परिस्थितियों से टीएमसी परेशान तो है ही, अब उसके माथे पर हुमायूं कबीर ने भी बल ला दिया है। उन्होंने जनता उन्नयन पार्टी का गठन किया है। जाहिर सी बात है कि बाबरी मास्जिद की नींव रखकर उन्होंने मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण की कोशिश की है। साथ ही मुर्शिदाबाद में एक भी सीट टीएमसी को न जीतने देने का दावा किया है।

हुमायूं कबीर मुस्लिम मौलानाओं, मोलवियों को अपनी पार्टी से जोड़ रहे हैं। उन्हें यह बताने में जुटे हैं कि अब एक मंच के नीचे आना होगा। इसका असर दिख रहा है। उनकी सभाओं में मुस्लिम युवाओं की खासी भीड़ जुट रही है, जो टीएमसी नेताओं की बेचैनी को बढ़ाने वाली है। जो भी मुस्लिम वोट उनके साथ जाएगा, वह टीएमसी से छिटककर जाएगा। ऐसे में इसका सीधा नुकसान ममता बनर्जी को होगा और लाभ भाजपा को होगा।

भाजपा ने 294 सीटों वाले इस राज्य में 160 सीटों पर जीत का लक्ष्य रखा है। भाजपा की नजर कांग्रेस नेतृत्व से नाराज कार्यकर्ताओं और नेताओं पर भी है। पार्टी उन सीटों पर ज्यादा फोकस कर रही है, जहां उसे 10 हजार या उससे कम वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। टीमएसी को मुस्लिम मतदाताओं का लगभग 70 फीसदी वोट मिलता आया है। कबीर 100 मुस्लिम बहुल सीटों पर विशेष रणनीति से काम कर रहे हैं। भाजपा ने भी यहां ताकत झोंक रखी है। कबीर की कोशिश मुस्लिम मतदाताओं के ध्रुवीकरण की है। जाहिर सी बात है कि क्रिया की प्रतिक्रिया होगी और हिंदू मतदाता भी एकजुट होगा। ऐसे में इसका सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा।

कबीर की रणनीति की काट खोजने में ममता बनर्जी जुटी हुई हैं। वह यह बताने में लगीं हैं कि कबीर को भाजपा से फंडिंग हो रही है, ताकि मुस्लिम मतदाता बंट जांए और इसका लाभ भाजपा को मिले, हालांकि इसमें वह कितना सफल होंगी यह चुनाव के वक्त ही पता चलेगा। वैसे उनके लिए दूसरी मुसीबत एआईएमआईएम के मुखिया असद्दुदीन ओवैसी भी हैं। बिहार में पुनः पांच सीटें जीतने वाले ओवैसी ने बंगाल में पूरी ताकत से चुनाव लड़ने का एलान किया है और वे उम्मीदवार तय करने में जुटे हैं। कबीर उनकी पार्टी से गठबंधन चाहते हैं। अगर दोनों नेता एक हुए तो टीएमसी को बड़ा नुकसान हो सकता है।

राजनीतिक विश्लेषक तो यह भी कह रहे हैं कि हुमायूं कबीर भाजपा के लिए तुरुप का पत्ता साबित हो सकते हैं, क्योंकि वे जितना हिंदू विरोधी बयान देकर मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट करेंगे, उतना ही लाभ भगवा खेमे को होगा। कहीं ओवैसी और कबीर मिल गए तो फिर भाजपा के लिए सोने पर सुहागा ही हो जाएगा। वैसे ओवैसी चाहेंगे कि उनकी पार्टी के साथ कांग्रेस का भी गठजोड़ हो जाए, ताकि वे राज्य में मजबूत टक्कर टीएमसी को दे सकें।

राज्य में कुल 294 विधानसभा सीट है। सरकार बनाने के लिए जादुई आंकड़ा 148 सीटों का है। ऐसे में भाजपा यहां मिशन 165 प्लस का एलान कर सकती है। वैसे भाजपा नेताओं में आंतरिक कलह जबरदस्त है। पार्टी नेतृत्व इसे खत्म करने में लगा हुआ है। कांग्रेस और टीएमसी से आए नेताओं को भाजपा कैडर के नेता पचा नहीं पा रहे हैं। यह भाजपा के लिए चिंता का विषय है। इस कलह का खामियाजा भाजपा को लोकसभा चुनाव में भुगतना पड़ा था। उधर, ममता बनर्जी आदिवासी वोटों के लिए झारखंड की सत्ता में काबिज झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ गठजोड़ कर सकतीं हैं। यदि ऐसा होता है तो इसका लाभ उन्हें मिलेगा।

> हुमायूं ने न सिर्फ बाबरी मस्जिद की नींव रखकर खुद को मुसलमानों के बीच अपने को स्थापित करने की कोशिश की है, बल्कि उन्होंने नई पार्टी बनाकर विधानसभा चुनाव में टीएमसी के लिए मुसीबत भी पैदा कर दी है।

आमने

एक साइट पर मुझे ये तस्वीर मिली। ये बहुत ही प्रभावशाली है। किस प्रकार आरएसएस का जमीनी स्वयंसेवक और जनसंघ बीजेपी का कार्यकर्ता नेताओं के चरणों में फर्श पर बैठकर प्रदेश का सीएम और देश का पीएम बना। ये संगठन की शक्ति है।

–दिग्विजय सिंह

कांग्रेस नेता

सामने

नफरत फैलाने वाले संगठन आरएसएस से हमें नहीं सीखना है। कांग्रेस नफरत के खिलाफ है, कांग्रेस मोहब्बत वाले हैं। आरएसएस से सीखने के लिए कुछ नहीं है। गांधी की पार्टी का हूं। 140 साल पहले कांग्रेस एक कमरे में बनी और लोगों की पार्टी बन गई।

–माणिकम टैगोर

कांग्रेस सांसद

फिसलता रुपया: आम आदमी व उद्योगों पर असर

रजत मेहरोत्रा

वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारतीय रुपया एक बार फिर ऐतिहासिक दबाव में है और डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर से नीचे फिसलने की आशंका ने नीति-निर्माताओं से लेकर आम लोगों तक की चिंता बढ़ा दी है। पिछले दो वर्षों में रुपया लगभग 12–15 प्रतिशत तक कमजोर हुआ है। जहां 2022 में डॉलर 76–77 के आसपास था, वहीं अब यह 89–90 के नजदीक पहुंच चुका है। यह गिरावट केवल एक मुद्रा मूल्य का उतार-चढ़ाव नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई, आयात-निर्यात, निवेश, औद्योगिक लागत और आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या कमजोर होता रुपया भारत के लिए खतरनाक संकेत है, या फिर कुछ क्षेत्रों के लिए यह अवसर भी पैदा करता है? और इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) क्या कर रहा है?

रुपये की गिरावट के कई वैश्विक और घरेलू कारण हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बनाए रखना, डॉलर इंडेक्स का मजबूत होना, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में अस्थिरता और वैश्विक पूंजी का उभरते बाजारों से अमेरिका की ओर जाना- ये सभी कारक रुपये पर दबाव बनाते हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। जब कच्चा तेल 80 डॉलर से ऊपर टिकता है और रुपया कमजोर होता है, तो आयात बिल तेजी से बढ़ता है। केवल तेल आयात पर ही भारत सालाना 160–180 अरब डॉलर खर्च करता है। ऐसे में रुपये की गिरावट से सरकार और अर्थव्यवस्था पर हजारों करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ता है।

> पिछले दो वर्षों में रुपया लगभग 12–15 प्रतिशत तक कमजोर हुआ है। जहां 2022 में डॉलर 76–77 के आसपास था, वहीं अब यह 89–90 के बेहद नजदीक पहुंच चुका है।

घरेलू मोर्चे पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। भारत का चालू खाता घाटा (करंट अकाउंट डेफिसिट) कुछ तिमाहियों में GDP के 1.5–2 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPI) की लगातार निकासी भी रुपये को कमजोर करती है। जब विदेशी निवेशक भारतीय शेयर और बॉन्ड बाजार से पैसा निकालते हैं, तो डॉलर की मांग बढ़ती है और रुपया दबाव में आ जाता है। इसके अलावा भारत में महंगाई का स्तर, सरकारी उधारी, व्यापार घाटा और आयात-निर्भरता भी रुपये के कमजोर होने में योगदान देते हैं।

रुपये की कमजोरी का सबसे पहला और सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। भारत जो भी पेट्रोलियम उत्पाद, गैस, कोयला, खाद्य तेल, उर्वरक, इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाओं के कच्चे माल का आयात करता है, वे सभी डॉलर में भुगतान होते हैं। जब डॉलर महंगा होता है, तो देश के भीतर इन वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं। केवल पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर ही नहीं, बल्कि ट्रांसपोर्ट, दवाइयों, खाद्यान्न और रोजमर्रा की वस्तुओं पर भी इसका असर पड़ता है। अनुमान है कि रुपये में 5 प्रतिशत की गिरावट से थोक महंगाई में लगभग 0.8–1 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हो सकती है। इसका बोझ अंततः आम लोगों पर पड़ता है, जिसकी आय तो स्थिर रहती है, लेकिन खर्च बढ़ता जाता है।

कमजोर रुपया पूरी तरह नकारात्मक भी नहीं है। निर्यात क्षेत्र के लिए कमजोर मुद्रा कई बार वरदान साबित होती है। आईटी सेवाएं, फार्मास्यूटिकल्स, टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स, केमिकल्स और इंजीनियरिंग गुड्स जैसे क्षेत्रों को कमजोर रुपये से प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलती है। इन क्षेत्रों की डॉलर में होने वाली कमाई रुपये में बदलने पर ज्यादा हो जाती है, जिससे उनके मुनाफे बढ़ते हैं। भारत का कुल निर्यात अब 770 अरब डॉलर के आसपास पहुंच चुका है। इसमें सेवा निर्यात की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। कमजोर रुपया निर्यातकों के लिए अल्पकालिक लाभ जरूर देता है, लेकिन मुद्रा बार-बार अस्थिर हो तो लंबी अवधि में निवेश और योजना पर नकारात्मक असर पड़ता है।

उद्योगों पर रुपये की गिरावट का असर दोहरा होता है। जो कंपनियां आयातित कच्चे माल पर निर्भर हैं, जैसे- पेट्रोकेमिकल, पॉवर, एविएशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल, उनकी लागत तेजी से बढ़ती है। उदाहरण के लिए एविएशन सेक्टर में ईंधन लागत कुल खर्च का 40–45 प्रतिशत होती है। जब डॉलर महंगा होता है, तो एयर टर्बाइन फ्यूल महंगा हो जाता है और टिकट दरों पर दबाव बढ़ता है। वहीं दूसरी ओर आईटी, फार्मा और एक्सपोर्ट-ओरिएंटेड कंपनियों को कमजोर रुपये से फायदा होता है। इस असमान असर के कारण शेयर बाजार में भी सेक्टर-वार उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है।

आम उपभोक्ता के नजरिए से देखा जाए तो कमजोर रुपया जीवन को और महंगा बनाता है। मोबाइल, लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक सामान, मेडिकल उपकरण, विदेशी शिक्षा, विदेश यात्रा और आयातित खाद्य पदार्थ सब कुछ महंगा हो जाता है। विदेश में पढ़ने वाले छात्रों को अब पहले से कहीं ज्यादा रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं, क्योंकि डॉलर में ट्यूशन फीस और रहन-सहन का खर्च सीधे बढ़ जाता है। इसी तरह विदेश यात्रा भी आम आदमी की पहुंच से और दूर होती जा रही है।

सोशल फोरम

शिक्षा के नाम पर कैसा समाज बना रहे हैं हम

गोरखपुर में नर्सरी में पढ़ने वाली एक बच्ची जब स्कूल जा रही थी, तो उसने पापा से ज़िद की कि उसे डीएम साहब से मिलना है। वो अपने पापा को लेकर डीएम ऑफिस पहुंच गई और वहां जाकर उसने डीएम से कहा कि मुझे आपकी तरह डीएम बनना है। इस घटना से भावुक 'स्कूली शिक्षित' लोग भाव-विभोर होकर वाह-वाह कर रहे हैं, क्योंकि इन सबके घरों का यही माहौल होता है। बच्चों को डीएम, डॉक्टर, इंजीनियर बनाने का इनका सपना होता है और इसे ये शिक्षा बोलते हैं।

सिद्धार्थ ताबिश

लेखक

जब डीएम ने उस बच्ची से पूछा कि तुम्हें मेरे जैसा क्यों बनना है? तो उसने कहा कि 'घर में सब लोग मुझे कहते हैं कि तुम्हें डीएम बनना है।' ये घर का माहौल है, जो नर्सरी की बच्ची को डीएम बनने को बोल रहा है। अब अगर आगे चलकर इस बच्ची को समझ आ गई और वो अपने दिमाग से चलने और सोचने लगेगी और कहीं वो ये निर्णय कर बैठी कि उसे बस 'बांसुरी' बजाना है जीवन में, तो इन घर वालों का दिल टूट जाएगा। इनके सपने टूट जाएंगे। ये दूसरों से कहेंगे कि हमने क्या-क्या सपना देखा था, मगर इसने सब चकनाचूर कर दिया। बचपन में कितनी समझदार थी कि डीएम से मिलने पहुंच गई थी। पेपर में भी इसका नाम आ गया था।

आप के घरों में जो माहौल होता है, बच्चे वही करते हैं। आपको लगता है कि आप अपने बच्चों पर कोई दबाव नहीं बनाते हैं, मगर आप ने ऐसा भयंकर मनोवैज्ञानिक दबाव बचपन से बना रखा होता है कि आपके बच्चे आपके अपने 'सपनों' और आपकी अपनी 'महत्वाकांक्षाओं' से अलग कुछ सोच नहीं पाते हैं। वो बेचारे ये समझते हैं कि उन्हें डॉक्टर बनना है, जबकि ये उनका नहीं आपका सपना होता है।

सोचिए कोई क्यों डॉक्टर बनना चाहेगा? 24 घंटे मरीज़ से घिरे रहना, बीमारी, गंदगी, उल्टी, मवाद, गू-मूत्र इत्यादि देखना और उसी में जीवन बिताना। आपके आस-पास कभी कोई स्वस्थ औरा बन ही नहीं पाता है। जिस अस्पताल में लोग जाने से घबराते हैं और दुआ करते हैं कि भगवान उन्हें कभी अस्पताल न पहुंचाएं, वहां आपको 24 घंटे और सारी उम्र रहना है। ये कोई ड्रीम जॉब है? ये कुछ ऐसा है, जिसे करने की लालसा किसी के मन में 'प्राकृतिक' रूप से जन्म ले? नहीं, प्राकृतिक रूप से आप के भीतर डॉक्टर बनने की चाहत कभी नहीं आती है। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

असम में 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान

असम की भाजपा सरकार घुसपैठियों को नियंत्रित करने के लिए 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान चला रही है। 'मियां मुस्लिम' उन लोगों को कहा जाता है, जो बाग्लादेशी मूल के हैं और अवैध रूप से भारत में आकर बसे हुए हैं। इस तरह के लोगों को अन्य नाम से भी पुकारा जाता है, पहचान किया जाता है। अन्य नामों में बांग्लादेशी, रोहिंग्या शामिल है। खासकर असम में 'मियां मुस्लिम' एक अपमानजनक नाम और पहचान है। 'मियां मुस्लिम' समूह पर आरोप है कि इन लोगों ने बांग्लादेश, म्यांमार और पाकिस्तान से आकर असम की डेमोग्राफी को बदला है। सरकारी जमीन पर कब्जा किया है। जंगलों का सफाया किया है। पहाड़ों को तोड़ा है।

आमतौर पर यह धारणा असम के अंदर मजबूत है और इसी के ईद-गिर्द असम की राजनीति भी घूमती-फिरती है। सतारूढ़ दल की भी सोच यही है। सत्तारूढ़ दल, जहां 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान से लाभार्थी होने की रणनीतियां बनाता है, वहीं विपक्ष कांग्रेस और अन्य मुस्लिम राजनीतिक पार्टियां 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान को मुसलमानों को अपमानित करने और मुसलमानों को प्रताड़ित करने के साथ ही साथ उन्हें घर-बार से वंचित करने के तौर पर देखता है। इससे अपना जनाधार विकसित करता है। यह कहना कि फायदे की राजनीति, तनाव की राजनीति, नफरत की राजनीति सिर्फ सत्ताधारी पार्टी भाजपा ही करती है, पूरी तरह से सच नहीं है।

आचार्य श्रीहरि

लेखक

रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों को संरक्षण देकर बसाने और रोजगार उपलब्ध कराकर अपना जनाधार संरक्षित करने का काम कांग्रेस और मुस्लिम पार्टियां भी करती हैं, लेकिन सच को दबाया नहीं जा सकता है। छुपाया नहीं जा सकता है। रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ एक सच है, जो प्रमाणित है। अवैध घुसपैठ के कारण न सिर्फ असम की डेमोग्राफी बदली है, खतरनाक हुई है, हिंसक हुई है, बल्कि देश के अन्य भागों में इसकी एक झलक देखने को मिलती है। रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों की अवैध घुसपैठ को राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रतीक और सनातन संहार का विषय और कारण मान लिया गया है।

एलानिया तौर पर असम में 'मियां मुस्लिम' बेदखली अभियान जोरों पर है। इसको लेकर असम की भाजपा सरकार भी गंभीर है और सक्रिय है तथा आक्रामक है। असम भाजपा सरकार कोई कोताही बरतने के लिए तैयार नहीं है। अभियान को जोरशोर से चलाया जा रहा है। अभी तक हजारों घरों को तोड़ा गया है। उस पर बुलडोजर चला दिया गया है। खेती की जमीन पर अतिक्रमण हटा दिया गया है। बुलडोजर चलने का आधार यह है कि सरकारी जमीन है, जिस पर अवैध कब्जा है। सरकारी जमीन पर कभी जंगल था, सरकारी जमीन पर कभी पहाड़ था, कभी पेड़-पौधे थे, जिसे काटकर घर बनाए गए और खेती के लिए जमीन बनाई गई।

अगले वर्ष असम में चुनाव हैं। चुनाव के दृष्टिकोण से ही बेदखली अभियान प्रभावी है। भाजपा का आरोप है कि 'मियां मुस्लिम' ग्रेटर राज के लिए घुसपैठ जारी है। हिंदुओं को बलपूर्वक भयभीत किया जा रहा है और उन्हें अपने मूल स्थान से भागने के लिए विवश किया जा रहा है। असम के कई जिले देखते-देखते मुस्लिम बहुल हो गए। कई विधान सभा क्षेत्र मुस्लिम बहुल हो गए, जहां पर मुस्लिम उम्मीदवार की ही जीत अनिवार्य हो गई है। असम में मुसलमानों की एक नयी पार्टी भी बन गई है, जो न केवल प्रभावी है बल्कि अपना दखल भी विशेष रखती है। असम यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट नाम की मुस्लिम पार्टी पर विदेशी घुसपैठियों को संरक्षण देने के आरोप लगते रहे हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह***

0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

आउटिंग के लिए हमेशा बड़ी गाड़ियों की जरूरत होती है। अगर आप एडवेंचर पसंद हैं और आपको पहाड़ों पर जाना पसंद है तो आपके लिए मार्केट में कई गाड़ियां हैं। हर गाड़ी की अपनी खूबियां हैं। अहम है आपकी जरूरत और पंसद कैसी है। यह गाड़ियां ऐसी हैं, जिनमें फैमिली के साथ सुहाने सफर पर निकला जा सकता है। हम यहां बात करेंगे महिंद्रा थार रॉक्स, मारुति सुजुकी जिम्नी और फोर्स गुरखा 5-डोर की। जानिए कौन सी एसयूवी है, फैमिली और एडवेंचर दोनों के लिए बेस्ट।

Thar Roxx वर्सेज Jimny Vs Gurkha 5-Door

मार्केट में कई ऑफ-रोड एसयूवी आ गई हैं। सभी बहुत खूबसूरत और जबरदस्त हैं। ताकतवर इंजन, स्टाइलिश लुक के साथ ही इनमें बेहतरीन फीचर्स भी हैं। महिंद्रा थार रॉक्स, मारुति सुजुकी जिम्नी और फोर्स गुरखा 5-डोर- तीनों ही दमदार इरादों के साथ मार्केट में हैं। इनमें से कोई बेहतरीन टेक्नोलॉजी के साथ मैदान में है, तो कोई दमदार परफार्मेंस के साथ तो कोई हल्के वजन और अपनी सादगी के साथ लुभा रही है। सबसे अहम बात यह है कि आपकी जरूरत कैसी है और जंगल व पहाड़ पर एडवेंचर टूर के लिए आप किसको पसंद करते हैं।

कौन है ऑफ रोडर सुल्तान

बात फैमिली के साथ सफर की

अगर बात रियर सीट की करें, तो थार रॉक्स इन सबमें बेहतर है। इसमें पैरों के लिए काफी जगह है। एडजस्टेबल बैकरेस्ट है। साथ ही पैनोरमिक सनरूफ फैमिली इस्तेमाल को आसान बनाते हैं। जिम्नी चार-सीटर है और पीछे बैठने वालों को सीमित जगह से समझौता करना पड़ सकत है। गुरखा की खासियत इसका तीसरा रो है, लेकिन वहां पहुंचना और सामान के साथ इस्तेमाल करना उतना आसान नहीं लगता है।

ऑफ-रोड पर दमदारी किसकी

तीनों ही एसयूवी का बेस ऑफ-रोडर है। लैडर-फ्रेम चेसिस और लो-रेंज गियरिंग इनकी खूबरियां हैं। जिम्नी की खूबी उसका छोटा आकार और हल्का वजन है। बिना डिफरेंशियल लॉक के भी अगर सही लाइन पकड़ ली जाए तो जिम्नी मुश्किल रास्तों से भी आसानी से निकल जाती है। गुरखा 5-डोर- जैसा इसका नाम है वैसा ही इसका काम है। यह देसी, रॉ और मैकेनिकल फील देता है। फ्रंट और रियर डिफ लॉक इसकी खूबी है, जो कठिन हालात में बड़े काम के साबित होते हैं। थार रॉक्स की अपनी विशेषताएं हैं। इलेक्ट्रॉनिक रियर डिफ लॉक, हल्का इलेक्ट्रिक स्टीयरिंग और बेहतरीन कंट्रोल इसकी तकनीकी खूबियां हैं जो इसे ताकत भी देते हैं। लंबा व्हीलबेस होने के बावजूद ऑफ-रोड क्षमता में कोई कमी फील नहीं होती है।

लुक और रोड प्रेजेंस

जिम्नी सबसे कॉम्पैक्ट है। इसे शहर में चलाना आसान है। गुरखा 5-डोर ऊंचाई और बॉक्सी डिजाइन के कारण रोड पर काफी भारी-भरकम दिखती है- स्नॉर्कल और रूफ रैक इसे एडवेंचर रेडी बनाते हैं। जहां तक थार रॉक्स की बात है तो स्टाइल और साइज की इसकी बात दीगर है। केबिन में कदम रखते ही इसका प्रीमियम एहसास अलग फील कराता है। बड़ा टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट्स अच्छा एहसास करता हैं। गुरखा का इंटीरियर अभी भी बेसिक सा ही है।

इंजन की दमदारी

जिम्नी का पेट्रोल इंजन काफी बेहतर है, लेकिन हाईवे पर इसका जोश थोड़ा कम सा फील कराता है। गुरखा में नया डीजल इंजन है, जो पहले से कहीं बेहतर है। थार रॉक्स का डीजल इंजन काफी बेहतर है। ताकत, रिस्पॉन्स और गियर बॉक्स का तालमेल शहर, हाईवे और ऑफ-रोड- तीनों जगह बेहतर परफार्मेंस देता है। इसकी स्टीयरिंग भी ज्यादा आधुनिक और हल्की है।

सेफ्टी और कीमत

सेफ्टी फीचर्स में थार रॉक्स काफी बेहतर है। इसमें छह एयरबैग हैं। साथ ही स्टेबिलिटी कंट्रोल के साथ-साथ एडीएएस जैसी आधुनिक तकनीक इसे ज्यादा भरोसेमंद बनाती है। जिम्नी और गुरखा यहां थोड़ा लिमिटेड लगती है। अगर कीमत का आकलन करें तो जिम्नी सबसे सस्ती है। गुरखा बीच में और थार रॉक्स सबसे महंगी साबित होगी। तीनों की कीमत, फीचर्स, लुक, दमदार इंजन के साथ ही आपकी पसंद तय करेगी कि आपके लिए बेहतर क्या है?

मॉय फर्स्ट राइड

चार पहियों पर आत्मविश्वास की शुरुआत

मेरे लिए पहली बार कार चलाना सिर्फ़ एक नया हुनर सीखना नहीं था, बल्कि अपने डर पर जीत पाने की एक बड़ी कोशिश थी। आज भी उस दिन को याद करती हूं, तो दिल में हल्की-सी घबराहट और ढेर सारी खुशी एक साथ महसूस होती है। मैंने कार चलाना सीखने का फैसला बहुत सोच-समझकर लिया था। मन में कई सवाल थे-क्या मैं ठीक से चला पाउंगी? कहीं गलती हो गई तो? घरवाले और समाज की बातें भी अक्सर कानों में गूंजती थीं कि "महिलाओं के लिए ड्राइविंग मुश्किल होती है।" लेकिन कहीं न कहीं मेरे भीतर यह इच्छा ज़रूर थी कि मैं खुद स्टीयरिंग संभालूं और अपनी राह खुद तय करूं। जिस दिन पहली बार ड्राइविंग सीट पर बैठी, हाथ अपने आप कांप रहे थे। स्टीयरिंग पकड़ते ही उसकी ठंडक हथेलियों तक उतर आई। सामने फैला हुआ डैशबोर्ड, शीशों में दिखती सड़क और पैरों के नीचे क्लच-ब्रेक-सब कुछ नया और थोड़ा डरावना लग रहा था। ट्रेनर ने शांत आवाज में कहा, "डरने की ज़रूरत नहीं, आराम से।"

मैंने गहरी सांस ली और खुद को संभाला। जैसे ही इंजन स्टार्ट किया, दिल जोर-जोर से धड़कने लगा। पहली बार एक्सीलेरेटर दबाते समय ऐसा लगा मानो पूरी दुनिया मुझे देख रही हो।

कार धीरे-धीरे आगे बढ़ी और उसी पल मेरे भीतर कुछ बदल गया। डर अभी भी था, लेकिन उसके साथ एक अजीब-सी खुशी भी जुड़ गई थी। हर गियर बदलने पर आत्मविश्वास थोड़ा-थोड़ा बढ़ रहा था। सड़क पर निकलते ही मैंने शीशे में खुद को देखा। आंखों में डर के साथ-साथ गर्व भी था। मोड़ लेते समय हाथ सख्त हो जाते थे, लेकिन जैसे-जैसे कार मेरी पकड़ में आ रही थी, मन हल्का होता जा रहा था। हवा खिड़की से अंदर आ रही थी और मुझे एहसास हो रहा था कि मैं सिर्फ कार नहीं चला रही, बल्कि अपनी सीमाओं को भी पीछे छोड़ रही हूं।

एक बार कार हल्की-सी झटकी और मैं घबरा गई, लेकिन प्रशिक्षक की मुस्कान और हौसला देखकर फिर से संभल गई। उस छोटी-सी गलती ने मुझे सिखाया कि सीखने की प्रक्रिया में डर और गलतियां दोनों जरूरी हैं। जब ड्राइव खत्म हुई और मैंने कार रोकी, तो दिल से एक लंबी राहत की सांस निकली। चेहरे पर अपने आप मुस्कान आ गई। वह पल मेरे लिए बेहद खास था। पहली बार कार चलाकर मुझे यह एहसास हुआ कि आत्मनिर्भरता कितनी ताकत देती है। आज मैं जब भी कार चलाती हूं, उस पहले दिन को याद करती हूं। वह अनुभव मुझे हर बार याद दिलाता है कि अगर हिम्मत की स्टीयरिंग अपने हाथ में ले ली जाए, तो जिंदगी की कोई भी सड़क मुश्किल नहीं लगती।

-प्रो. प्रीती अभिषेक विमल, नई दिल्ली

नए ड्राइवरों के लिए सुरक्षित ड्राइविंग टिप्स

आज के समय में गाड़ी चलाना केवल एक तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। खासकर नए ड्राइवरों के लिए सड़क पर उतरना उत्साह के साथ-साथ सतर्कता की मांग करता है। ट्रैफिक नियमों की सही समझ, वाहन पर नियंत्रण और धैर्यपूर्ण व्यवहार ही सुरक्षित ड्राइविंग की बुनियाद होते हैं। अक्सर शुरुआती ड्राइवर जल्दबाजी या आत्मविश्वास की कमी के कारण गलतियां कर बैठते हैं, जो दुर्घटनाओं का कारण बन सकती हैं। ऐसे में यह गाइड नए ड्राइवरों को न केवल सुरक्षित ड्राइविंग के आवश्यक नियम सिखाता है, बल्कि उन्हें जिम्मेदार और समझदार चालक बनने की दिशा भी दिखाता है। आइए आपको बताते हैं सुरक्षित आसान टिप्स-

सुरक्षा, समझ और संयम से बनें बेहतर ड्राइवर

आज के तेज रफ्तार दौर में गाड़ी चलाना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। खासकर नए ड्राइवरों के लिए ड्राइविंग सीखना उत्साह और थोड़ी घबराहट दोनों का मेल होता है। सड़क पर आत्मविश्वास तभी आता है, जब नियमों की समझ, सही अभ्यास और धैर्य साथ हों। यह गाइड नए ड्राइवरों को सुरक्षित, संतुलित और जिम्मेदार चालक बनने में मदद करेगा।

ड्राइविंग से पहले सही तैयारी

ड्राइविंग शुरू करने से पहले सीट, स्टीयरिंग और शीशों को अपने शरीर के अनुसार एडजस्ट करना बेहद जरूरी है। सीट इतनी दूरी पर हो कि क्लच, ब्रेक और एक्सीलेरेटर आराम से दब सकें। रियर और साइड मिरर ऐसे सेट हों कि पीछे और बगल की सड़क साफ दिखाई दे। यह छोटी-सी तैयारी बड़ी दुर्घटनाओं से बचा सकती है।

ट्रैफिक नियम: सड़क की भाषा

ट्रैफिक सिग्नल, रोड साइन और लेन सिस्टम सड़क की भाषा होते हैं। नए ड्राइवरों को इन्हें गंभीरता से समझना चाहिए। रेड लाइट पर रुकना, जेब्रा क्रॉसिंग का सम्मान करना और ओवरस्पीडिंग से बचना- ये सभी आदतें आपको एक सभ्य चालक बनाती हैं। सीट बेल्ट लगाना केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन रक्षक उपाय है।

क्लच और ब्रेक पर नियंत्रण

शुरुआती ड्राइवर्स के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम होता है क्लच कंट्रोल। अचानक क्लच छोड़ना या तेज ब्रेक लगाना गाड़ी को झटके दे सकता है। अभ्यास के साथ धीरे-धीरे क्लच छोड़ना और ब्रेक का संतुलित इस्तेमाल सीखें। स्मूद ड्राइविंग ही सुरक्षित ड्राइविंग की पहचान है।

इंडिकेटर और हॉर्न का शिष्टाचार

मोड़ लेते समय या लेन बदलते वक्त इंडिकेटर देना आपकी जिम्मेदारी है। इससे पीछे और आगे चल रहे ड्राइवर सतर्क रहते हैं। हॉर्न का अनावश्यक इस्तेमाल तनाव और दुर्घटना दोनों बढ़ाता है, इसलिए केवल ज़रूरत पड़ने पर ही हॉर्न बजाएं।

स्पीड पर रखें कंट्रोल

तेज चलाना कौशल नहीं, बल्कि जोखिम है। नई जगहों, ट्रैफिक वाले इलाकों या संकरी सड़कों पर हमेशा धीमी गति रखें। गति नियंत्रण न केवल दुर्घटनाओं से बचाता है, बल्कि ईंधन की भी बचत करता है।

सुरक्षित दूरी का महत्व

आगे चल रही गाड़ी से पर्याप्त दूरी बनाए रखना बहुत जरूरी है। अचानक ब्रेक लगने की स्थिति में यह दूरी आपको प्रतिक्रिया देने का समय देती है। बारिश या धुंध में यह दूरी और बढ़ा देनी चाहिए।

रात की ड्राइविंग में सावधानी

रात में ड्राइव करते समय हाई बीम का गलत इस्तेमाल सामने से आने वाले ड्राइवर के लिए खतरनाक हो सकता है। सामने वाहन होने पर लो बीम का प्रयोग करें और सड़क पर पैदल चलने वालों का विशेष ध्यान रखें।

धैर्य और आत्मविश्वास

शुरुआत में गलती होना सामान्य है। जरूरी है कि आप घबराएं नहीं, जल्दबाज़ी न करें और अनुभव से सीखें। शांत मन और धैर्य ही आपको बेहतर चालक बनाते हैं।

मोबाइल और ड्राइविंग खतरनाक मेल

ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग जानलेवा साबित हो सकता है। कॉल या मैसेज के लिए गाड़ी किनारे रोकें। सड़क पर आपकी एकाग्रता ही आपकी सबसे बड़ी सुरक्षा है।

एसएस रिटेल ने आईपीओ के लिए सेबी को दिए दस्तावेज

नई दिल्ली। मोबाइल खुदरा कंपनी एसएस रिटेल ने अपनी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 500 करोड़ जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज भेजे हैं। कंपनी के दाखिल किए दस्तावेज के अनुसार, कंपनी की पहली सार्वजनिक पेशकश 300 करोड़ के शेयरों के ताजा निर्गम के साथ प्रवर्तकों और अन्य शेयरधारकों द्वारा 200 करोड़ की बिक्री की पेशकश का संयोजन होगी।

अमृत विचार

कानपुर, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

एनसीएलटी का आदेश एनसीएलएटी ने किया रद्द

नई दिल्ली। कलवर मैक्स एंटरटेनमेंट को राहत देते हुए राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) ने ओडिशा स्थित वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी के खिलाफ दायर दिवाला याचिका को खारिज करने वाले राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के आदेश को रद्द कर दिया है। एनसीएलएटी ने मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए एनसीएलटी की कटक पीठ को भेज दिया है। एनसीएलएटी ने कहा कि एनसीएलटी को कलवर मैक्स को आवेदन में दोष को सुधारने का अवसर देना चाहिए और कहा कि वर्तमान मामले में अवसर नहीं दिया गया था। इसी वजह से एनसीएलटी का 30 अप्रैल 2024 का आदेश गलत और अवैध माना गया है और उसे रद्द किया जाना चाहिए।

जलपोत परियोजनाओं के दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली। बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) ने 44,700 करोड़ से अधिक के परिव्यय के साथ दो प्रमुख जलपोत निर्माण योजनाओं के लिए दिशानिर्देश अधिसूचित किए हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, जहाज निर्माण वित्तीय सहायता योजना (एसबीएफएएस) और जहाज निर्माण विकास योजना (एसबीडीएस) नामक दो पहल का उद्देश्य देश की घरेलू जहाज विनिर्माण क्षमता को मजबूत करना और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करना है। एसबीएफएएस के तहत सरकार जहाज की श्रेणी के आधार पर प्रति जहाज 15-25% की वित्तीय सहायता देगी। इसका कोष 24,736 करोड़ रुपये है।

रक्षा विनिर्माण में निवेश करेगा अडाणी समूह

नई दिल्ली। अडाणी समूह अगले साल रक्षा विनिर्माण में 1.8 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। सूत्रों ने बताया कि इसके तहत मानवरहित प्रणालियों और उन्नत हथियारों में क्षमताओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अडाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने लंबी योजना प्रक्रियाओं से आगे बढ़ते हुए त्वरित तैनाती की ओर रुख किया और सैन्य उपकरणों का उपयोग ऑपरेशन सिंदूर में किया। कंपनी मानवरहित व स्वायत्त प्रणालियों, हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई आधारित बहुक्षेत्रीय अभियानों तथा रखरखाव, मरम्मत व प्रशिक्षण के विस्तार में निवेश करेगी।

अमेरिकी शुल्क के बावजूद भारत का निर्यात स्थिर

भारतीय निर्यातकों ने बाजारों को विविधीकरण करके निर्यात की वृद्धि को बनाए रखा मजबूत

- भारत का निर्यात 2020 में 276.5 अरब डॉलर से बढ़कर 2025 में 407 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ष 2025 में अमेरिका ने भारत के निर्यात पर 50% अतिरिक्त शुल्क लगाया, लेकिन भारतीय निर्यातकों ने अपने बाजारों को विविध करके निर्यात वृद्धि को मजबूती से बनाए रखा और यह तेजी 2026 में भी जारी रहने की संभावना है। व्यापार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, व्यापार पानी की तरह है, यह अपना मार्ग खुद ढूंढ लेता है।

भारतीय वस्तु निर्यात ने कोविड, रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, लाल समुद्र शिपिंग संकट, सेमीकंडक्टर आपूर्ति समस्या और अब अमेरिका के उच्च शुल्क जैसी चुनौतियों के बीच भी तेजी से प्रतिक्रिया दी है। भारत का निर्यात 2020 में लगभग 276.5 अरब डॉलर था, जो 2021 में बढ़कर 395.5 अरब डॉलर और 2022 में 453.3 अरब डॉलर हो गया था। 2023 में यह गिरकर 389.5 अरब डॉलर रहा, लेकिन फिर 2024 में यह 443 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वर्ष 2025 (जनवरी-नवंबर) तक इसका आंकड़ा लगभग 407 अरब डॉलर हो चुका है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का माल और सेवा निर्यात ऐतिहासिक उच्च स्तर 825.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सालाना आधार पर 6% से अधिक वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल-नवंबर 2025) में भी निर्यात 562 अरब डॉलर रहा, जो वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लचीलेपन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान रुझानों के आधार पर 2026 में भी भारत की निर्यात वृद्धि मजबूत रहने की संभावना है। खास तौर पर तीन मुक्त व्यापार समझौते (ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड) अगले साल लागू होने वाले हैं, जो भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को बेहतर बाजार पहुंच देंगे। अमेरिका ने 2025 में भारतीय वस्तुओं पर उच्च शुल्क लागू किए। इसके कारण सितंबर और अक्टूबर में अमेरिका के लिए निर्यात प्रभावित हुआ, लेकिन नवंबर 2025 में अमेरिका के लिए निर्यात 22.61 प्रतिशत बढ़कर 6.98 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो निर्यातकों के अनुकूल संकेत है। हालांकि, निर्यातक अभी भी वैश्विक अनिश्चितताओं को लेकर सतर्क हैं। वे अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते के जल्द पूरा होने की आशा कर रहे हैं ताकि निर्यात को और मजबूती मिले।

व्यापार तथा विनिर्माण गतिविधियों में कमी के संकेत

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने चेताया है कि 2025 में वैश्विक व्यापार केवल 2.4 प्रतिशत बढ़ सकता है, जबकि 2026 के लिए यह अनुमान घट कर 0.5 प्रतिशत हो गया है, जो विकसित अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार तथा विनिर्माण गतिविधियों में कमी का संकेत देता है। सरकार ने निर्यातकों को सहायता देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें 25,060 करोड़ रुपये के निर्यात प्रचार मिशन, योग्य निर्यातकों को 20,000 करोड़ रुपये तक बिना गिरवी क्रेडिट सुविधा, कर्ज भुगतान में लंबी अवधि, और नये व्यापार समझौतों (एफटीए) का उपयोग शामिल है, ताकि निर्यातियों को वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद मिले।

बाजारों के विविधीकरण से आगे बढ़ेगा निर्यात

निर्यात विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में भी भारत का निर्यात बढ़ेगा क्योंकि घरेलू वस्तुओं और सेवाओं की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता, उत्पादों तथा बाजारों का विविधीकरण निर्यात को आगे बढ़ाएगा। विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात लगभग 39 फीसदी बढ़ा है, जो विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के कारण क्षमता निर्माण और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में गहरी हिस्सेदारी को दर्शाता है। इसके अलावा इंजीनियरिंग वस्तु, दवा और वाहन निर्यात भी निरंतर गति बनाए हुए हैं।

बिजली कारोबार शुल्क घटाएगा सीईआरसी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दक्षता बढ़ाने, नकदी की मजबूती व एक्सचेंजों में कीमतों को तर्कसंगत बनाने में होगा मददगार
- केंद्रीय आयोग ने जुलाई में दो साल से अधिक समय तक चले विचार-विमर्श के बाद दी थी मंजूरी

केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग बिजली कारोबार एक्सचेंजों पर लगने वाले लेनदेन शुल्क को तर्कसंगत बनाने पर विचार कर रहा है। इस पहल का मकसद बिजली की कीमतों को कम करना है। यह सुधार दक्षता बढ़ाने, नकदी की स्थिति को मजबूत करने और विभिन्न एक्सचेंजों में कीमतों को तर्कसंगत बनाने में मददगार होगा। इस कदम से समय के साथ बिजली खरीदारों के लिए कुल लागत में कमी आ सकती है।

बाजार समेकन को केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग ने इस साल जुलाई में दो साल से अधिक समय तक चले विचार-विमर्श के बाद मंजूरी दी थी। इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने का प्रस्ताव है, जिसकी शुरुआत जनवरी 2026 से की जाएगी। बाजार समेकन का मतलब बिजली की अलग-अलग एक्सचेंजों में होने वाली खरीद-फरोख्त को एक ही प्रणाली में जोड़ देना है, ताकि एक ही कीमत तय हो। एक अधिकारी ने बताया कि सीईआरसी ने दिसंबर 2025 में बिजली एक्सचेंजों द्वारा वसूले जाने वाले लेनदेन शुल्क की समीक्षा पर एक विचार-पत्र को अंतिम रूप दिया है। नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि नियामक यह जांच कर रहा है कि मौजूदा लेनदेन शुल्क ढांचा, जिसकी सीमा प्रति यूनिट दो पैसे है, क्या उस बाजार के लिए सही है, जहां कारोबार की मात्रा तेजी से बढ़ी है और जो एकीकृत मूल्य खोज व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है।

बैंक, वित्तीय संस्थान सतर्कता मामलों की शीघ्र जानकारी दें : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी

- कई मामलों की जानकारी के बाद वित्तीय सेवा विभाग की ओर से जारी किया निर्देश

वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे अपनी कंपनियों के पूर्णकालिक निदेशकों से जुड़े सतर्कता संबंधी मामलों की जानकारी तुरंत दें। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग ने यह निर्देश ऐसे कई मामलों के बाद जारी किया है, जिनमें बोर्ड स्तर पर नियुक्त किए गए अधिकारियों के बारे में नकारात्मक या समस्याग्रस्त जानकारी समय पर साझा नहीं की गई।

कई मामलों में, ऐसी महत्वपूर्ण नकारात्मक जानकारी जैसे निजी शिकायतें, अदालत के नोटिस या टिप्पणियां, संदर्भ या सीबीआई और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों की जानकारी केवल उस समय साझा की जा रही है जब सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) से विशेष रूप से सतर्कता मंजूरी मांगी जाती है। इस माह जारी की गई सलाह में बिना किसी विशेष मामले का जिक्र किए कहा गया कि कुछ मामलों में पूरे समय कार्यरत निदेशकों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी को सतर्कता मंजूरी के फॉर्म में नहीं भरा जाता, इस वजह से कि ऐसे खुलासे के लिए कोई अलग कॉलम मौजूद नहीं है।

सलाह में कहा गया कि किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को छोड़ना, खासकर नियुक्ति, पदोन्नति, बोर्ड स्तर की नियुक्ती और पूरे समय कार्यरत निदेशकों की तैनाती से जुड़ी जानकारी, गंभीर चिंता का विषय है। इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से ऐसी मामलों में सख्त पालन की उम्मीद की जाती है। वित्तीय सेवा विभाग ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे बोर्ड स्तर के अधिकारियों के बारे में किसी भी नकारात्मक जानकारी को तुरंत सूचित करें, भले ही वह जानकारी किसी अन्य भूमिका से संबंधित हो।

आर्थिक आंकड़े, विदेशी निवेशक तय करेंगे बाजार की चाल

नई दिल्ली, एजेंसी

इस सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों की धारणा व्यापक आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझानों और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों से प्रभावित होगी। विश्लेषकों ने कहा कि वाहन बिक्री के आंकड़ों पर भी करीबी नजर रखी जाएगी। कुछ कारोबारी सत्र ही बाकी रहने से शेयर बाजारों के सीमित दायरे में रहने का अनुमान है, हालांकि रुझान सकारात्मक रह सकता है।

सात कंपनियों की पूंजी 35,439 करोड़ रुपये घटी

छुट्टियों से छोटे रहे गत सप्ताह में शीर्ष 10 में शामिल सात मूल्यवान कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 35,439.36 करोड़ रुपये घट गया। भारतीय स्टेट बैंक को सबसे अधिक नुकसान हुआ। शीर्ष कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और भारतीय जीवन बीमा निगम की पूंजी में गिरावट आई। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और इंफोसिस लाभ में रहे।

रिलायंस ब्रोकिंग लिमिटेड में वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजित मिश्रा ने कहा कि इस सप्ताह कैलेंडर वर्ष 2026 की शुरुआत होगी, और दिसंबर के वायदा-विकल्प सौदे पूरे होने से अधिक उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। घरेलू स्तर पर जिन प्रमुख आंकड़ों पर नजर रहेगी, उनमें नवंबर का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिका से जुड़े व्यापक आर्थिक संकेतों पर नजर रखेंगे, जिनमें एफओएमसी बैठक का ब्योरा और फेडरल रिजर्व की बैलेंस शीट से जुड़ी जानकारियां हैं। एनरिच मनी के सीईओ पोन्मुडी आर ने कहा कि कुछ कारोबारी सत्र ही बाकी रहने से इक्विटी बाजारों के सीमित दायरे में रहने का अनुमान है। इस सप्ताह निघरेलू और विदेशी स्तरों पर व्यापक आर्थिक आंकड़ों से प्रभावित होगी।

राष्ट्रीय

जमीनी स्तर की योजनाओं से मिलती हैं बड़ी उपलब्धियां

आईएमए नेटकॉन 2025 को अमित शाह ने किया संबोधित

- केंद्रीय गृह मंत्री बोले- मलेरिया के मामलों में 97% की गिरावट, देश शीघ्र ही इस बीमारी से होगा मुक्त

अहमदाबाद, एजेंसी

100वें आईएमए नैटकॉन 2025 में शामिल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और आईएमए के पूर्व अध्यक्ष केतन देसाई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि उपलब्धियां तभी हासिल होती हैं जब योजनाओं को जमीनी स्तर पर उतारा जाता है। भारत में मलेरिया के मामलों में 97% कमी आई है और देश जल्द इससे मुक्त होगा। अहमदाबाद के शेला में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के ऑल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस-आईएमए नेटकॉन 2025 को शाह संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत और मिशन इंद्रधनुष जैसी विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं से मलेरिया में 97 प्रतिशत कमी आई है और हम जल्द मलेरिया से मुक्त होंगे। सरकार डेंगू से होने वाली मृत्यु दर को घटाकर एक प्रतिशत तक लाने में सफल रही है। मातृ मृत्यु दर में 25% की कमी आई है। केंद्र का स्वास्थ्य बजट 2014 के 37,000 करोड़ रुपये से बढ़कर प्रधानमंत्री मोदी के शासनकाल में अब 1.28 लाख करोड़ हो गया है। नागरिकों के स्वास्थ्य में अभूतपूर्व बदलाव के लिए भी काम किया गया है। शाह ने कहा कि आईएमए की भूमिका आज और भी महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत की दिशादृष्टि को साकार करने के लिए देश को एक स्वस्थ जनसांख्यिकी की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस प्रयास के कुछ प्रमुख घटक स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत, 'फिट इंडिया मूवमेंट' और 'खेलो इंडिया' हैं। उन्होंने बताया कि हमने जेनेरिक दवाएं किफायती बनाई, जीएसटी हटाकर कई दवाओं की लागत कम की और मेडिकल सीट की संख्या बढ़ाई। हम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईएमएस) की पहुंच का विस्तार कर रहे हैं। हम एम्स के माध्यम से एक कार्यक्रम शुरू करेंगे जिसके तहत टेलीमेडिसिन और वीडियोग्राफी के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) को मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

राहुल गांधी लोगों की पसंद का विरोध करेंगे, तो वोट कैसे मिलेंगे

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अगर कोई पार्टी लोगों को पसंद आने वाली हर चीज का विरोध करती है, तो उसे वोट नहीं मिलेंगे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि राहुल गांधी को यह सरल तर्क समझाना उनकी क्षमता से परे है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी इसे समझाने में विफल रहे हैं। शाह अहमदाबाद शहर के पास एक गांव में एक सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि हाल ही में लोकसभा में हुई बहस के दौरान, राहुल गांधी ने मुझसे अजीब सवाल पूछा- चुनाव में हर बार सिर्फ उनकी पार्टी ही क्यों हारती है? उन्होंने लोगों से पूछने के बजाय मुझसे पूछा। राहुल बाबा, अगर आप मेरे द्वारा शुरू की गई इन दो पहल को समझेंगे, तो आपको इसका जवाब मिल जाएगा। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी को हार से थकना नहीं चाहिए क्योंकि कांग्रेस आगामी तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में निश्चित रूप से हारेगी।

भाजपा की सफलता लोगों का सिद्धांतों से जुड़ना

उन्होंने दावा किया कि 2029 के लोकसभा चुनावों में भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा विजयी होगी। हमारी सफलता का कारण यह है कि लोग हमारे सिद्धांतों से जुड़े हैं। कांग्रेस ने राम मंदिर, आतंकियों पर सर्जिकल स्ट्राइक, अनुच्छेद 370 को हटाने, समान नागरिक संहिता, तीन तलाक विरोधी अधिनियम और बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के हमारे अभियान का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि अब बताइए, अगर आप लोगों का विरोध करेंगे तो आपको वोट कैसे मिलेंगे? लेकिन राहुल बाबा को यह सरल तर्क समझाना मेरी क्षमता से परे है, क्योंकि कांग्रेस के नेता भी ऐसा करने में असफल रहे हैं। नवी वंजार में आयोजित कार्यक्रम में शाह ने 173 निवासियों को सनद (भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र) सौंपे।

सिक्किम में उप्र के पर्वतारोही की मौत

गंगटोक। सिक्किम के प्रसिद्ध गोएचाला पर्वतारोहण मार्ग पर उत्तर प्रदेश के 45 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान सूरज तिवारी के रूप में हुई है। वह अपने दो दोस्तों के साथ यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल खांगचेंद्जोंगा राष्ट्रीय उद्यान में आठ दिन की गोएचाला पर्वतारोहण यात्रा पर गया था।

पुलिस ने बताया कि उसने गुरुवार को चढ़ाई शुरू की थी तभी सुबह नौ बजे कोक्चुरोंग शिविर के पास उसकी तबीयत खराब हो गई और उसमें लकवे जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। साथी पर्वतारोहियों और गाइड ने उसे प्राथमिक उपचार दिया। स्थानीय लोगों और अन्य पर्वतारोहियों की मदद से उसे युकसोम ले जाए जाने के दौरान गुरुवार शाम आठ बजे 12,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित फेदांग के पास उसकी मौत हो गई। उसका शव ग्यालशिंग जिला अस्पताल लाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

तकनीकी मुद्दे से बंगाल में छूटे मतदाताओं की सुनवाई रुकी

- निर्वाचन आयोग ने जिला चुनाव अधिकारियों को फिर जारी किए निर्देश
- 2002 की सूची के पीडीएफ को सीएसवी में परिवर्तित न कर पाने से समस्या हुई उत्पन्न

कोलकाता, एजेंसी

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल के जिला चुनाव अधिकारियों को फिर निर्देश जारी किया है कि मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 2002 की मतदाता सूचियों के डिजिटलीकरण में तकनीकी समस्याओं के कारण बीएलओ एप में जो मतदाता छूट गए हैं उन्हें सुनवाई के लिए नहीं बुलाया जाना चाहिए, भले ही सिस्टम द्वारा ऐसे नोटिस स्वतः उत्पन्न हो गए हों। पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय द्वारा शनिवार को जारी निर्देश में कहा गया है कि यह समस्या 2002 की मतदाता सूची के पीडीएफ संस्करण को सीएसवी प्रारूप में पूरी तरह से परिवर्तित न कर पाने के कारण उत्पन्न हुई है।

परिणामस्वरूप कई मतदाताओं के लिए बीएलओ एप में लिंकिंग में समस्या आ रही है। राज्य में पिछला विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) 2002 में हुआ था। आयोग ने कहा है कि सिस्टम में दर्ज नहीं के रूप में चिह्नित होने के बावजूद, ऐसे कई मतदाताओं का 2002 की मतदाता सूची की हार्ड कॉपी के साथ वैध स्व-पहचान या वंशज संबंध है, जिसे जिला चुनाव अधिकारियों (डीईओ) द्वारा विधिवत प्रमाणित किया गया है और सीईओ की वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। सीईओ कार्यालय ने कहा कि ऐसे मामलों में स्वचालित रूप से उत्पन्न होने वाले सुनवाई नोटिसों को तामील करने की जरूरत नहीं है और उन्हें चुनावी पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) या सहायक चुनावी पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) के स्तर पर रख लिया जाना चाहिए। निर्देशों के अनुसार, 2002 की सूची के अंश को संबंधित डीईओ को निर्वाचन आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार सत्यापन हेतु भेजे जा सकते हैं, जिसके बाद ईआरओ या एईआरओ उचित निर्णय ले सकते हैं।

केंद्र ने प. बंगाल के सीईओ को दी वाई-प्लस श्रेणी सुरक्षा

नई दिल्ली/कोलकाता। एसआईआर प्रक्रिया के मद्देनजर केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल को संभावित खतरे को देखते हुए सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा 26 दिसंबर को जारी आदेश के बाद अग्रवाल को कोलकाता में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) की वाई-प्लस श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। अग्रवाल की निजी और आवास की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ वीआईपी सुरक्षा विंग के 11-12 सशस्त्र कर्मियों की टीम तैनात की गई है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद अधिकारी को संभावित खतरों को लेकर केंद्रीय एजेंसियों से मिली सूचना के चलते सुरक्षा व्यवस्था जरूरी हो गई।

एसआईआर के बीच एक और बीएलओ की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में रविवार को बूथ-स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) मृत पाया गया, जिसके बाद इन आरोपों को बल मिलने लगा है कि मतदाता सूची में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से संबंधित काम के दबाव ने इसमें मुख्य भूमिका निभाई हो सकती है। यह घटना रानीबांध ब्लॉक में हुई। पुलिस ने बताया कि मंडल शिक्षक थे और वह रानीबांध ब्लॉक के रजकाटा क्षेत्र के अंतर्गत बूथ संख्या 206 के बीएलओ थे। मौके से मृतक के हस्ताक्षर वाला लिखित नोट मिला है, जिसमें उन्होंने काम के दबाव को झेलने में असमर्थता का जिक्र किया है। राज्य में अब तक एसआईआर के कारण चार बीएलओ सहित 39 आम नागरिकों की मौत हो चुकी है।

कांग्रेस एक विचारधारा और ये नहीं मरती

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। खरगे ने इंदिरा भवन स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा कि कांग्रेस के महान नेताओं के कारण ही भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र बन पाया।

उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों से कहना चाहता हूं, जो कहते हैं कि कांग्रेस का अंत हो गया है। हमारी शक्ति भले ही कम हो गई हो, लेकिन हमारा हौसला अब भी बुलंद है। हमने किसी से समझौता नहीं किया, न संविधान से, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही गरीबों के अधिकारों से। हम भले ही सत्ता में न हों, लेकिन हम समझौता नहीं करेंगे। खरगे ने बताया कि कांग्रेस ने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं मांगे और जोर देकर कहा कि पार्टी ने कभी मंदिर-मस्जिद के नाम पर नफरत नहीं फैलाई। कांग्रेस एकजुट करती है, जबकि भाजपा) बांटती है।

कांग्रेस राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा : राहुल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक दल नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है, जो हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश के साथ खड़ी है। उन्होंने पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित स्थापना दिवस में भाग लिया। गांधी ने एक्स पर कहा, संकल्प है कि नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मज़बूती से लड़ेंगे। आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हर कांग्रेसजन को हार्दिक शुभकामनाएं।

दिग्विजय का शशि थरूर ने किया समर्थन कहा- संगठन को मजबूत करना चाहिए

शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का समर्थन करते हुए कहा कि संगठन को मजबूत करना चाहिए। थरूर इंदिरा भवन मुख्यालय में दिग्विजय सिंह के बगल में बैठे थे। दिग्विजय सिंह ने शनिवार को आरएसएस और भाजपा की संगठनात्मक ताकत की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री की तस्वीर साझा करते हुए कहा था कि किस तरह एक कार्यकर्ता मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री बना। उन्होंने कांग्रेस की मजबूती का मुद्दा भी उठाया था।

कश्मीर : आरक्षण नीति के खिलाफ छात्र आंदोलन से पहले कई नेता नजरबंद

श्रीनगर, एजेंसी

- नेताओं के छात्रों को समर्थन देने के बाद प्रशासन ने उठाया कदम

जम्मू कश्मीर में मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से रोकने के लिए रविवार को पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के सांसद आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी सहित कई नेताओं को नजरबंद कर दिया गया।

अधिकारियों ने बताया कि महबूबा मुफ्ती, उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती, श्रीनगर से लोकसभा सदस्य रुहुल्लाह मेहदी, पीडीपी नेता वहीद पारा और श्रीनगर के पूर्व महापौर जुनैद मट्टू को उनके घरों में नजरबंद कर दिया गया है। प्रशासन ने कदम इन नेताओं द्वारा उन छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त प्रकट किये जाने के बाद उठाया, जिन्होंने रविवार को गुपकर रोड पर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई थी। इन नेताओं ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा इस मुद्दे के समाधान के लिए समिति गठित किये जाने के एक साल पूरे होने के बावजूद नतीजा नहीं निकलने पर छात्रों की ओर से आयोजित मार्च में शामिल होने की मंशा जताई थी। पारा ने कहा कि नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है ताकि वे छात्रों के साथ एकजुटता न प्रकट कर सकें।

जरदारी बोले, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुझे बंकर में छिपने की मिली थी सलाह

● एक कार्यक्रम में पाकिस्तानी राष्ट्रपति ने किया खुलासा

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने खुलासा किया है कि उन्हें इस साल मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बंकर में छिपने की सलाह दी गई थी। जरदारी ने यह खुलासा अपनी पत्नी और पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की 18वीं पुण्यतिथि के मौके पर सिंध प्रांत के लरकाना में एक कार्यक्रम में किया।

सत्ताईस दिसंबर 2007 को रावलपिंडी में बेनजीर भुट्टो की हत्या कर दी गई थई। उन्होंने कहा कि मेरे एमएस (सैन्य सचिव) मेरे पास आए और कहा कि सर, युद्ध शुरू हो गया है। मैंने उन्हें चार दिन पहले ही बता दिया था कि युद्ध होने वाला है। उन्होंने कहा कि सर, हमें एक बंकर में चले जाना चाहिए ... मैंने कहा कि अगर शहादत आनी है, तो यहीं आएगी। नेता बंकरों में नहीं मरते। वे युद्धभूमि में मरते हैं।

भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाया था। यह कार्रवाई पहलगाम हमले के प्रतिशोध में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इस हमले के बाद चार दिन तक दोनों देशों के बीच भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने के समझौते के साथ समाप्त हुई।जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान शांति चाहता है, लेकिन पूरी तरह से अपनी रक्षा के लिए तैयार है। राष्ट्रपति जरदारी ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर की सराहना की और कहा कि यह भारत को दिया गया उचित जवाब था। जरदारी ने यह दावा भी किया कि अब अंतर्राष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान के रुख को स्वीकार कर रहा है ।

मजबूत हुई सीमा की निगरानी और सुरक्षा

आधुनिक युद्ध और सुरक्षा व्यवस्था में ड्रोन और टोही विमानों का महत्व बढ़ गया है। क्योंकि यह विमान सीमाओं की निगरानी, इलाके की रेकी और खुफिया जानकारी जुटाने जैसे कामों में बहुत उपयोगी साबित होते हैं। दुश्मन की पकड़ में आ जाने पर कोई जनहानि नहीं होती क्योंकि इनमें कोई सवार नहीं रहता है। दुनिया के विकसित देशों ने बहुत पहले से इनका प्रयोग दुश्मन के इलाकों की टोह लेने को शुरू कर दिया था। अब भारत भी तेजी से इन विमानों पर निर्भर होता जा रहा है। थलसेना, वायुसेना और नौसेना द्वारा उपयोग किए जा रहे ये विमान सीमा सुरक्षा, समुद्री निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये विमान अत्याधुनिक कैमरों, रडार तथा सेंसरों से लैस होते हैं। ये विमान दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखने, सीमा पर घुसपैठ का पता लगाने और रणनीतिक क्षेत्रों की निगरानी में सक्षम हैं।

मानव रहित विमान

मानव रहित विमानों के कार्य

● मानव रहित विमान कई दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होते हैं। सीमा क्षेत्रों, समुद्र तटों, जंगलों और संवेदनशील इलाकों की लगातार निगरानी की जा सकती है। इनमें लगे दिन-रात कैमरों और सेंसर से दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। दुश्मन की स्थिति, मूवमेंट और ठिकानों की जानकारी जुटाना आसान होता है। वास्तविक समय में कमांड सेंटर को डेटा भेजना आसान होता है। इनके माध्यम से खुफिया जानकारी, तस्वीरें, वीडियो, रडार और थर्मल डेटा इकट्ठा करना बहुत सरल होता जिससे सेना को निर्णय लेने में मदद मिलती है। सीमा और तटीय सुरक्षा में काफी कारगर होते हैं। आधुनिक सुरक्षा और रक्षा व्यवस्था का एक बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये सुरक्षित, किफायती और प्रभावी तरीके से जानकारी देते हैं।

इन विमानों के फायदे

● मानव रहित टोही विमानों के कई फायदे हैं। इनसे मानव जीवन की सुरक्षा होती है। खतरनाक इलाकों में पायलट भेजने की जरूरत नहीं पड़ती है। सुरक्षा का जोखिम कम होता है। ये टोही विमान लंबे समय तक उड़ान भरने में सक्षम होते हैं। इनके माध्यम से दुश्मन के इलाकों की लगातार निगरानी कर पाना संभव होता है। इनकी लागत कम होती है और मानव चालित विमानों की तुलना में संचालन सस्ता होता है। ईंधन और प्रशिक्षण पर भी खर्च कम आता है।

आपदा प्रबंधन में भी होते हैं सहायक

● घुसपैठ, तस्करी और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के साथ यह आपदा प्रबंधन में भी ये सहायक होते हैं। बाढ़, भूकंप, आग जैसी आपदाओं में नुकसान का आकलन इनके माध्यम से आसानी से किया जा सकता है। बाढ़ या आग में फंसे लोगों की खोज में मददगार होते हैं।

भारत के पास मौजूद टोही विमान

● भारतीय वायुसेना, नौसेना और थलसेना के पास विभिन्न श्रेणियों के मानव रहित टोही विमान हैं। सर्चर एमके-2 श्रेणी का विमान एक मध्यम ऊंचाई और लंबे समय तक उड़ान भरने वाला है। इसका निर्माण इजराइल में हुआ है। यह लगातार निगरानी, टोही और लक्ष्य जानकारी के लिए इस्तेमाल होता है। हेरोन एमके-2 का इस्तेमाल विशेष रूप से सीमा क्षेत्रों में लंबी अवधि की निगरानी और इंटेलिजेंस के लिए किया जाता है। रूस्तम-2 भारत में विकसित मानव रहित विमान है जिसे टोही और निगरानी के लिए डिज़ाइन किया गया है। डीआरडीओ द्वारा विकसित लक्ष्य का उपयोग वेरिएंट प्रशिक्षण और टोही व्यवहार में किया जाता है। हाल ही में आर्य नामक एक मानव रहित विमान भी वायुसेना में शामिल किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

बालेंद्र शाह पीएम प्रत्याशी घोषित

काठमांडू। काठमांडू महानगरपालिका के महापौर बालेंद्र शाह को राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की ओर से रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया। बालेंद्र शाह को बालेन के नाम से भी जाना जाता है। इससे पहले, बालेन और आरएसपी ने नेपाल आम चुनाव मिलकर लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। देश में आम चुनाव के लिए मतदान पांच मार्च को होने हैं। रातभर चली लंबी बातचीत के बाद हुए सात सूत्री समझौते के तहत 35 वर्षीय बालेन को संसदीय दल का नेता एवं प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया।

भारतीय ने जीता नस्ली भेदभाव का मुकदमा

लंदन। ब्रिटेन के एक न्यायाधिकरण ने दक्षिण-पूर्वी लंदन में एक मशहूर कंपनी के फ्रेंचाइजी आउटलेट में अपने प्रबंधक पर गलत तरीके से बर्खास्तगी और नस्ली भेदभाव का आरोप लगाने वाले एक भारतीय व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया और मुआवजे के रूप में लगभग 67,000 पाउंड देने का आदेश दिया। तमिलनाडु से ताल्लुक रखने वाले मधेश रविचंद्रन ने रोजगार न्यायाधिकरण की सुनवाई में बताया कि उनके श्रीलंकाई तमिल प्रबंधक ने उनके साथ भेदभाव किया और उनके लिए गुलाम और भारतीय धोखेबाज हैं जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया।

दिल्ली में पकड़े गए सात नाइजीरियाई

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में पुलिस ने वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रहने के आरोप में सात नाइजीरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि पुलिस की कई टीम ने प्राप्त सूचना के आधार पर 24 दिसंबर को सत्यापन अभियान चलाकर इन विदेशी नागरिकों को पकड़ा और जांच के दौरान पता चला कि उनके पास वैध दस्तावेज नहीं थे। पकड़े गए सभी व्यक्ति या तो वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी भारत में रह रहे थे या वैध अनुमति के बिना रह रहे थे।

गिनी में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान

कोनाक्री। गिनी में 2021 के सैन्य तख्तापलट के बाद राष्ट्रपति चुनने के लिए रविवार को पहली बार मतदान हो रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि जनरल ममादी डौम्बौया की जीत की प्रबल संभावना है। यह चुनाव उस सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया का अंतिम चरण है, जो चार साल पहले डौम्बौया द्वारा तत्कालीन राष्ट्रपति अल्फा कोंडे की सत्ता से बेदखली के बाद शुरू हुई थी।

बांग्लादेश का दावा, उस्मान हादी के दो संदिग्ध हत्यारे भारत भागे

ढाका पुलिस ने कहा, संदिग्ध फैसल करीम और आलमगीर शेख मेघालय में घुसे

● दोनों संदिग्ध कब भागकर भारत में घुसे, दावे में यह स्पष्ट नहीं

ढाका, एजेंसी

इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के दो मुख्य संदिग्ध बांग्लादेश से फरार हो गए हैं और उनके इस समय भारत में होने का संदेह है। ढाका महानगर पुलिस (डीएमपी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। नकाबपोश बंदूकधारियों ने 12 दिसंबर को मध्य ढाका के विजयनगर इलाके में हादी के सिर में उस समय गोली मार दी थी, जब वह चुनाव प्रचार कर रहे थे। बाद में सिंगापुर में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। डीएमपी ढाका के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं परिचालन) एसएन मोहम्मद नजर-उल इस्लाम ने कहा कि संदिग्ध फैसल करीम मसूद और आलमगीर शेख स्थानीय सहयोगियों की मदद से भारत के मेघालय में घुस गए हैं।

द डेली स्टार ने इस्लाम के हवाले से खबर में कहा कि हमारी जानकारी के अनुसार, दोनों संदिग्ध हलुआघाट सीमा के रास्ते भारत में प्रवेश कर गए। सीमा पार करने के बाद उन्हें पहले पुरती नाम का एक व्यक्ति मिला। इसके बाद सामी नाम के एक टैक्सी चालक ने उन्हें मेघालय के तूरा शहर तक पहुंचाया। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस को अनौपचारिक जानकारी मिली कि फरार आरोपियों की मदद करने वाले दोनों लोग पुरती और सामी को भारत में अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया है।

डीएमपी अधिकारी ने कहा कि बांग्लादेश सरकार संदिग्धों को वापस लाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उनकी गिरफ्तारी और प्रत्यर्पण सुनिश्चित करने के लिए हम औपचारिक और अनौपचारिक दोनों माध्यमों से भारतीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। हालांकि, डीएमपी अधिकारी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि दोनों संदिग्ध कब बांग्लादेश से भागकर भारत में घुसे। इस मामले पर भारतीय अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संवाद संस्था (बीएसएस) की खबर के अनुसार इस्लाम ने कहा है कि हादी की हत्या की जांच लगभग पूरी हो चुकी है और आगामी सात से दस दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब तक हत्या के मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से छह ने अदालत के सामने इकबालिया बयान दिए हैं।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाओं के विरोध में रविवार को बेंगलुरु में विभिन्न हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन किया और अंतरिम सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

छात्र-नेतृत्व वाली एनसीपी में चुनाव से पहले फूट

ढाका। बांग्लादेश में फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से पहले जमात-ए-इस्लामी के साथ प्रस्तावित गठबंधन के प्रस्ताव को लेकर छात्र नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) में रातों रात आंतरिक फूट देखी जा रही है। दरअसल, पार्टी के 30 नेताओं ने इस प्रस्ताव का विरोध करते हुए एक संयुक्त पत्र जारी किया है जबकि दो वरिष्ठ सदस्यों ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी है। एनसीपी, स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) का एक बड़ा राजनीतिक धड़ा है। एसएडी ने पिछले वर्ष हुए हिंसक आंदोलन का नेतृत्व किया था।

बीएसएफ व पुलिस ने दावों को किया खारिज

शिलांग। मेघालय की सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेश पुलिस के उन दावों को रविवार को सिरे से खारिज कर दिया कि इंकलाब मंच के नेता शरीफ उस्मान हादी के हत्यारे भारतीय राज्य में दाखिल हो गए हैं। मेघालय में बीएसएफ के आईजी ओ पी उपाध्याय ने कहा कि ये दावे निराधार और भ्रामक हैं। उपाध्याय ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि किसी व्यक्ति ने हलुआघाट सेक्टर से मेघालय में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पार की हो। मेघालय पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गारो पर्वतीय क्षेत्र में संदिग्धों की मौजूदगी के दावे की पुष्टि करने के लिए कोई जानकारी या खुफिया प्रमाण नहीं है। अधिकारी ने कहा कि स्थानीय पुलिस इकाइयों को इस तरह की किसी गतिविधि की सूचना नहीं मिली है।

लॉकहीड मार्टिन भारत में बनाएगा सी 130जे विमान का उत्पादन केंद्र

● भारतीय वायुसेना के लिए विमान को बताया उपयोगी

मैरिएटा (अमेरिका), एजेंसी

करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदे जाने की भारत की तैयारी के बीच अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी लॉकहीड मार्टिन ने अपने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस को सर्वश्रेष्ठ विकल्प के रूप में पेश करते हुए कहा है कि विमानों का एक अतिरिक्त बेड़ा 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के बीच सामरिक हवाई परिचालन में भारत को मजबूत ताकत प्रदान करेगा।

लॉकहीड मार्टिन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि यदि लॉकहीड मार्टिन को मौका मिलता है, तो वह भारत में इस विमान के उत्पादन के लिए एक बड़ा केंद्र स्थापित करेगा और यह अमेरिका के बाहर इस तरह की पहली वैश्विक सुविधा होगी। अब तक लॉकहीड मार्टिन सी-130जे सुपर हरक्यूलिस श्रेणी के 560 से अधिक विमानों की आपूर्ति कर चुकी है, जिन्होंने 30 लाख से अधिक उड़ान घंटे पूरे किए हैं। यह अग्रणी सामरिक परिवहन विमान 23 देशों में 28 संचालकों को सेवा दे रहा है। भारतीय वायु सेना वर्तमान में 12 सी-130जे विमानों का संचालन करती है। भारत के अलावा क्वाड के तीन अन्य सदस्य देश-अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान-भी सी-130जे का संचालन कर रहे हैं। लॉकहीड मार्टिन में हवाई गतिशीलता और समुद्री मिशन की उपाध्यक्ष पेट्रिशिया ट्रिश पेगन ने कहा कि सी-130जे सुपर हरक्यूलिस हर कार्यक्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन और क्षमताएं प्रदान करता है। यह विमान भारत के लिए सबसे बेहतर विकल्प होगा।

भारतीय वायु सेना ने 2022 में सोवियत काल के अपने पुराने एएन-32 और आईएल-76 विमानों के स्थान पर मध्यम परिवहन विमान (एमटीए) खरीदने के लिए सूचना अनुरोध (आरएफआई) जारी किया था। भारतीय वायु सेना करीब 80 सैन्य परिवहन विमान खरीदने की योजना बना रही है और कई अरब डॉलर की इस खरीद को अगले कुछ सप्ताह में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से मंजूरी मिलने की संभावना है। अमेरिकी रक्षा कंपनी ने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस कार्यक्रम के लिए टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ साझेदारी की है। लॉकहीड मार्टिन एरोनॉटिक्स में रखरखाव संचालन के उपाध्यक्ष रोडरिक मैक्लीन ने कहा कि एमटीए कार्यक्रम भारत-अमेरिका साझेदारी को नई रणनीतिक मूल्य दे सकता है, क्योंकि इससे दोनों पक्ष रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत कर सकेंगे। मैक्लीन ने यह भी कहा कि इतिहास में सी-130जे जैसा प्रासंगिक और बहु उपयोगी सामरिक परिवहन विमान कोई नहीं है, क्योंकि इसमें 70 वर्षों से अधिक समय से हुए नवोन्मेष शामिल हैं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नयी विशेषताएं भी जोड़ी जा रही हैं।

खालिदा जिया की हालत बेहद गंभीर

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री एवं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। उनके निजी चिकित्सक ने यह जानकारी दी। कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रही 80 वर्षीय खालिदा जिया 23 नवंबर से ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उन्हें 11 दिसंबर को वेंटिलेटर पर रखा गया था। डॉ. ए.जेड.एम. जाहिद ने बताया कि यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी हालत में सुधार हुआ है। फिलहाल उनकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

श्रीहरिकोटा में चार साल में तीसरे प्रक्षेपण पैड को तैयार करने का इसरो का लक्ष्य

चेन्नई, एजेंसी।

● प्रक्रिया जारी, उपयुक्त कंपनियों की हो रही तलाश : पद्म कुमार

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र पर तीसरा प्रक्षेपण पैड विकसित करने की प्रक्रिया में है और वर्तमान में इसके लिए उपयुक्त कंपनियों की तलाश की जा रही है। यह जानकारी एक शीर्ष वैज्ञानिक ने दी है।

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई से करीब 135 किलोमीटर पूर्व में स्थिति श्रीहरिकोटा परिसर 175 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यह बेंगलुरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी को विभिन्न प्रक्षेपण यानों के जरिये उपग्रहों को कक्षा में पहुंचाने की सेवा मुहैया कराता रहा है। श्री हरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के निदेशक और प्रख्यात वैज्ञानिक पद्मकुमार ईएस ने कहा कि अंतरिक्ष में विभिन्न कक्षाओं में 12,000-14,000 किलोग्राम से अधिक वजन वाले बड़े उपग्रहों को स्थापित करने की योजना पर आगे बढ़ने के लिए इसरो को बड़े प्रक्षेपण यानों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए इसरो तीसरे प्रक्षेपण पैड की योजना बना रहा है।

पद्मकुमार ने कहा कि हमारी योजना चार साल में तीसरा लॉन्च पैड स्थापित कर संचालित करने की है। इसके लिए प्रक्रिया चल रही हैं। हम खरीद प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं और इस विशाल परियोजना के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए उपयुक्त कंपनियों की पहचान कर रहे हैं। इस केंद्र का परिचालन अक्टूबर 1971 में रोहिणी-125 रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुआ था।

दक्षिण अफ्रीका में इमारत गिरी, तीन लोगों की मौत

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के पश्चिम में स्थित सोवेटो उपनगर में रविवार तड़के दो मंजिला इमारत के ढहने से एक साल के बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में तीन अन्य लोग घायल हो गए और उनका उपचार जारी है। उन्होंने बताया कि इमारत ढहने के समय उसके भीतर कुल छह लोग मौजूद थे, आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों ने मलबे के नीचे फंसे तीन घायलों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जोहान्सबर्ग आपातकालीन प्रबंधन सेवाओं के प्रवक्ता जोलिले खुमालो ने कहा कि इस दुखद घटना में तीन लोगों की मौत हो गई जिनमें दो वयस्क महिलाएं और एक बच्चा शामिल था। मामले की जांच अधिकारियों को सौंप दिया गया है।

म्यांमा में सैन्य शासन के बाद पहले चुनाव को मतदान शुरू

यांगून, एजेंसी

● दो दौर पूरे होने पर जनवरी के अंत में आएंगे अंतिम परिणाम

म्यांमा में सैन्य सरकार की देखरेख में पहली बार हो रहे आम चुनाव के पहले चरण के लिए रविवार को मतदान जारी है। जनवरी के अंत में मतदान के दो और दौर पूरे होने के बाद ही अंतिम परिणाम पता चलेंगे। व्यापक रूप से यह संभावना जताई जा रही है कि 2021 में सेना के सत्ता पर काबिज होने के बाद से देश का शासन संभाल रहे जनरल मिन आंग ह्लाइंग राष्ट्रपति पद ग्रहण करेंगे।

सैन्य सरकार ने इस चुनाव को चुनावी लोकतंत्र की वापसी के रूप में प्रस्तुत किया है लेकिन आलोचकों का आरोप है कि यह चुनाव सैन्य शासन को वैध दिखाने के लिए किया जा रहा है। म्यांमा में फरवरी 2021 में सेना द्वारा आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को सत्ता से हटाए जाने के बाद सैन्य शासन शुरू हुआ था। देश के सबसे बड़े शहर यांगून, राजधानी नेपीता और अन्य जगहों पर मतदाता विद्यालयों, सरकारी भवनों और धार्मिक इमारतों में मतदान कर रहे हैं। आलोचकों का तर्क है कि प्रमुख दलों को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने और दमनकारी माहौल के कारण चुनाव परिणाम वैध नहीं होंगे। मतदान तीन चरणों में हो रहा है। रविवार को पहला चरण म्यांमा की कुल 330 टाउनशिप में से 102 में कराया जा रहा है। दूसरा चरण 11 जनवरी को और तीसरा चरण 25 जनवरी को होगा। अंतिम नतीजों की घोषणा फरवरी तक होने की उम्मीद है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 दिसंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, नवमी 10 .12 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

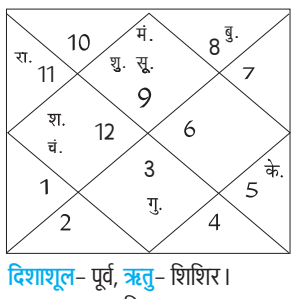

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-रेवती 07 .41 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज परिवार में आंतरिक मतभेद उभर सकते हैं। अव्यवहारिक निर्णय लेने से नुकसान होगा। सरकारी कार्यों में मनोनुकूल परिणाम मिलने से आप काफी प्रसन्न रहेंगे। बहुप्रतीक्षित कार्यों में कुछ विलंब हो सकता है। धन उधार देने से बचें। दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष — आज पड़ोसियों से संबंध खराब हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से मतभिन्नता हो सकती है। दवाइयों का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें। व्यवसाय में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। मेहनत से पीछे न हटें और अपना काम करते रहें।

मिथुन — आज का दिन काफी शुभ रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन कर सकते हैं। व्यापारियों को योजनाओं में सफलता मिलेगी। बहुप्रतीक्षित कार्यों में सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर समस्या दूर होगी। प्रेमी जन को आप आज कुछ उपहार दे सकते हैं।

कर्क — आज जीवनसाथी की बातों को महत्व अवश्य दें। नजदीकी संबंधों में संवादहीनता उत्पन्न हो सकती है। कार्यक्षेत्र में गलतियों को बार-बार न दोहरायें। यात्रा के दौरान असुविधाजनक स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। गुस्से में आपके काम बिगड़ सकते हैं।

सिंह — आज आपके सभी काम सफल होंगे। जीवनसाथी आपको अच्छा उपहार दे सकते हैं। प्राइवेट नौकरी कर रहे लोगों को पदोन्नति मिल सकती है। यदि आप शॉपिंग कर रहे हैं तो उसमें आपको भारी छूट मिल सकती है। मित्र व संबंधी आपसे काफी प्रसन्न रहने वाले हैं।

कन्या — आज आप काफी व्यस्त रहेंगे। अपने शौक और मनोरंजन पर धन खर्च कर सकते हैं। आर्थिक मामलों को लेकर सावधान रहेंगे। प्रेम संबंधों में परस्पर सम्मान की भावना का ध्यान रखें। नकारात्मक प्रवृत्ति के लोग आपको भ्रमित कर सकते हैं।

तुला — आज कार्यक्षेत्र में आपकी योग्यता की प्रशंसा होगी। आप दूसरों की मदद को लेकर तत्पर रहेंगे। उत्तम भोजन का आनंद उठायेंगे। किसी शुभ कार्य को लेकर मन में शंका उत्पन्न हो सकती है। विपरीत लिंग के लोग आपसे आज काफी आकर्षित रहेंगे।

वृश्चिक — आज विदेश में व्यापार करने के अवसर मिलेंगे। जो लोग पहले से विदेश में काम कर रहे हैं उन्हें बड़े व्यापारिक अनुबंध मिल सकते हैं। परिजनों के साथ किसी गंभीर मुद्दे पर चर्चा कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ किसी देवस्थल की यात्रा कर सकते हैं।

धनु — आज नई नौकरी की शुरुआत कर सकते हैं। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है। घर में हास्य व मनोरंजन का माहौल रहेगा। किसी शुभ कार्य को लेकर मन में शंका उत्पन्न हो सकती है। जीवनसाथी के साथ पर्यटन पर जाने के लिये दिन उत्तम है।

मकर — आज अपनी पुरानी गलतियों को स्वीकारें व उसे दूर करने का प्रयास करें। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। मन में अनिष्ट का भाव रहेगा। अपनी योजनाओं को दूसरों से शेयर न करें। किसी तरह की बहसबाजी से आपको बचना चाहिए।

कुंभ — आज परिवार में किसी बात को लेकर मतभेद हो सकते हैं। जहां आवश्यक न हो वहां बोलने से बचें। व्यर्थ के खर्चों के कारण बजट गड़बड़ा सकता है। आज आवश्यक न हो तो दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें। बीमार लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मीन — आज धार्मिक क्रियाओं में आपकी सहभागिता बढ़ेगी। मतभेदों को दूर करने में सफलता मिलेगी। व्यवसाय में किसी तकनीक त्रुटि के दूर होने से राहत मिलेगी। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम प्राप्त होंगे। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे।

सुडोकू -16

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		7	8		6			
	1		4					9
				3				5
9		5		2			8	
	6			1		3		4
2			9	6				7
4		6			3		1	
					5	6		

सुडोकू - 15 का हल

4	6	9	7	3	1	2	8	5
5	3	2	6	8	4	7	9	1
8	7	1	9	2	5	4	6	3
1	4	5	3	7	8	9	2	6
7	2	8	1	9	6	5	3	4
6	9	3	4	5	2	8	1	7
9	1	6	8	4	7	3	5	2
3	5	7	2	6	9	1	4	8
2	8	4	5	1	3	6	7	9

> 160 किमी प्रति घंटा मेरे लिए किसी भी विकेट से कहीं अधिक मायने रखता है। निश्चित तौर पर टीम सर्वोपरि होती है तथा विश्व कप (2003) जीतना, लगातार 16 टेस्ट जीतना। यह सर्वोच्च उपलब्धि है। इसके लिए ही तो खेल खेला जाता है।
> –ब्रेट ली, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज

स्टेडियम

कानपुर नगर, सोमवार, 29 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

पाइपर्स ने रांची रॉयल्स को 2-0 से हराया

एसजी पाइपर्स और रांची रॉयल्स के खिलाड़ी मुकाबला करते हुए। एजेंसी

रांची। कप्तान नवनीत कौर और टेरेसा वियाना के एक-एक गोल की मदद से एसजी पाइपर्स ने रविवार को यहां महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के पहले मैच में रांची रॉयल्स को 2-0 से हरा दिया। मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में नवनीत कौर ने 27वें मिनट में गोल कर एसजी पाइपर्स को बढ़त दिलाई। इसके बाद वियाना ने 46वें मिनट में गोल किया।

पाकिस्तानी खिलाड़ी पर आजीवन प्रतिबंध

कराची। पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी उबैदुल्लाह राजपूत पर इस महीने की शुरुआत में एक निजी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने पर राष्ट्रीय महासंघ ने अनिश्चितकाल प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान कबड्डी महासंघ (पीकेएफ) ने शनिवार को आपातकालीन बैठक के बाद राजपूत पर प्रतिबंध लगाया। उन्हें महासंघ या अन्य संबंधित अधिकारियों से अनिवार्य अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लिए बिना टूर्नामेंट में खेलने के लिए विदेश यात्रा करने का दोषी पाया गया।

युवराज संधू ने टाटा ओपन खिताब जीता

जमशेदपुर। युवराज संधू ने टाटा ओपन 2025 गोल्फ टूर्नामेंट में एक स्ट्रोक की जीत के साथ पीजीटीआई में एक ही सत्र में सबसे ज्यादा सात खिताब जीतने का नया रिकॉर्ड बनाया। संधू (67-64-68-65) बीती रात संयुक्त बढ़त पर थे।

भारतीय महिलाएं क्लीन स्वीप के निकट चौथे टी-20 मैच में भी श्रीलंका परास्त

रिकॉर्ड की लगी झड़ी, स्मृति और शेफाली ने खेलीं शानदार अर्धशतकीय पारियां

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के अर्धशतक और दोनों के बीच पहले विकेट की रिकॉर्ड शतकीय साझेदारी से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को यहां चौथे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 30 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला में 4-0 की बढ़त बनाई।

भारत के 222 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम कप्तान चामरी अटापट्टू (52 रन, 37 गेंद, तीन छक्के, तीन चौके) के अर्धशतक और हसिनी परेरा (33) के साथ उनकी पहले विकेट की 59 और इमेशा दुलानी (29) के साथ दूसरे विकेट की 57 रन की साझेदारी के बावजूद छह विकेट पर 191 रन ही बना सकी जो इस प्रारूप में उसका सर्वोच्च स्कोर है।

भारत की ओर से बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा ने 24 रन जबकि अरुधंति रेड्डी ने 42 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। श्री चरणी ने भी 46 रन देकर एक विकेट हासिल किया। भारत के लिए हालांकि क्षेत्ररक्षण चिंता का विषय रहेगा क्योंकि उसके क्षेत्ररक्षकों ने कई कैच टपकाए। शुरुआती तीन मैच में विफल रही स्मृति (80 रन, 48 गेंद, 11 चौके, तीन छक्के) और शेफाली (79 रन, 46 गेंद, 12 चौके, एक छक्का) ने पहले विकेट के लिए 162 रन की भारत की ओर से किसी भी विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी करते हुए टीम को दो विकेट पर 221 रन के स्कोर तक पहुंचाया जो इस प्रारूप में उसका सर्वोच्च स्कोर है। टीम ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ दिसंबर 2024 में चार विकेट पर 217 रन बनाए थे। ऋचा घोष (16 गेंद में नाबाद 40) और कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 16) ने तीसरे विकेट के लिए 23 गेंद में 53 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया। भारत ने अपनी पारी में 28 चौके और आठ छक्के मारे जो इस प्रारूप में टीम की ओर से सबसे अधिक बाउंड्री का नया रिकॉर्ड है।

जीत का जश्न मनातीं भारतीय महिला टीम। एजेंसी

लक्ष्य का पीछा करने उतरे श्रीलंका को हसिनी और चामरी ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने चौथे ओवर में ही टीम के रनों का अर्धशतक पूरा कर दिया। हसिनी हालांकि छठे ओवर में अरुंधति रेड्डी की गेंद पर मिड ऑफ पर हरमनप्रीत को कैच दे बैठीं। उन्होंने 20 गेंद की अपनी पारी में सात चौके मारे। हसिनी के आउट होने के बाद श्रीलंका की रन गति में गिरावट आई। इमेशा ने दीप्ति शर्मा पर चौके के साथ 25 गेंद के बाउंड्री के सूखे को खत्म किया। चामरी ने अमनजोत कौर का स्वागत छक्के के साथ किया। चामरी और इमेशा ने 11वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। चामरी ने चरणी की पारी की पहली गेंद पर भी छक्का जड़ा। उन्होंने वैष्णवी की गेंद पर दो रन के साथ सिर्फ 34 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन इसी ओवर में बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में बाउंड्री पर स्मृति को कैच दे बैठीं। हर्षिता समरविक्रम (20) ने चरणी पर छक्के और चौके के साथ तेवर दिखाए। श्रीलंका को अंतिम पांच ओवर में 83 रन की दरकार थी। इमेशा इसके बाद तेजी से दूसरा रन लेने की कोशिश में अमनजोत के सटीक थ्रो पर रन आउट हो गईं जबकि हर्षिता को वैष्णवी की गेंद पर ऋचा ने स्टंप किया। निलाक्षिका सिल्वा (नाबाद 23) ने चरणी पर लगातार दो चौके मारे लेकिन इसके बावजूद श्रीलंका को अंतिम दो ओवर में 54 रन की जरूरत थी और टीम इस स्कोर के करीब भी नहीं पहुंच सकी।

वर्ष 2026 के प्रमुख खेल

तारीख	आयोजन	जगह
9 जनवरी-5 फरवरी	विमेंस प्रीमियर लीग	नवी मुंबई और वडोदरा
18 जनवरी-1 फरवरी	ऑस्ट्रेलियन ओपन (टेनिस)	मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया
6-22 फरवरी	विंटर ओलंपिक्स	मिलान और कॉर्टिना डी 'एम्पेजो, इटली
7 फरवरी-8 मार्च	आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप	भारत और श्रीलंका
8 मार्च-6 दिसंबर	एफ 1 वर्ल्ड चैंपियनशिप	दुनिया भर में 24 रेस
24 मई-7 जून	फ्रेंच ओपन (टेनिस)	पेरिस, फ्रांस
26 मार्च-31 मई	इंडियन प्रीमियर लीग	घोषणा की जाएगी
30 मई	यूईएफए चैंपियंस लीग फाइनल	पुस्कास एरिना, बुडापेस्ट
11 जून-19 जुलाई	फीफा विश्व कप 2026	USA, कनाडा और मैक्सिको
29 जून-12 जुलाई	विंबलडन	लंदन, इंग्लैंड
6 जुलाई-23 अगस्त	ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप 2026	रियाद, सऊदी अरब
23 जुलाई-2 अगस्त	कॉमनवेल्थ गेम्स	ग्लासगो, स्कॉटलैंड
14-30 अगस्त	एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप	बेल्जियम और नीदरलैंड्स
अगस्त 30-13 अक्टूबर	यूएस ओपन (टेनिस)	न्यूयॉर्क, USA
11-13 सितंबर	एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप	बुडापेस्ट, हंगरी
19 सितंबर -4 अक्टूबर	एशियन गेम्स	आइची और नागोया, जापान

आर्सेनल शीर्ष पर बरकरार

मैनचेस्टर, एजेंसी

आर्सेनल ने ब्राइटन के अंतिम समय में जोरदार पलटवार से बचकर 2-1 से जीत हासिल करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला स्थान बरकरार रखा। लेकिन मैनचेस्टर सिटी और एस्टन विला भी उससे ज्यादा दूर नहीं हैं। शीर्ष स्थान के लिए इन तीन टीमों के बीच कड़ी टक्कर है।

तालिका में पहले और तीसरे स्थान के बीच केवल तीन अंकों का अंतर है। नॉटिंघम फॉरेस्ट पर 2-1 से जीत के बाद मैनचेस्टर सिटी ने कुछ समय के लिए शीर्ष स्थान हासिल कर लिया था लेकिन इसके कुछ देर बाद आर्सेनल ने ब्राइटन को इसी अंतर से हराकर फिर से पहला स्थान हासिल कर दिया। वह मैनचेस्टर सिटी से दो अंक आगे है। एस्टन विला ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चेल्सी के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की। इस तरह से उसने सभी प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज करने का अपना सिलसिला 11 मैच तक पहुंचा दिया है। आर्सेनल के अब 18 मैच में 42 जबकि मैनचेस्टर सिटी के इतने ही मैच में 40 और एस्टन विला की 39 अंक हैं। लिवरपूल चौथे स्थान पर है लेकिन उसके 32 अंक हैं।

लिवरपूल ने आखिरी स्थान पर काबिज वॉल्वरहैम्प्टन के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल करके अपनी शानदार वापसी जारी रखी जिससे वह चौथे स्थान पर पहुंच गया। वॉल्वरहैम्प्टन ने किसी एक सत्र की शुरुआत से सबसे लंबे समय तक बिना जीत के रहने का नया प्रीमियर लीग रिकॉर्ड बनाया।

सूर्या और ऋत्विक ने खिताब जीते

राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप

विजयवाड़ा। सूर्या करिश्मा तामिरी ने रविवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला एकल और ऋत्विक संजीवी ने पुरुष एकल खिताब अपने नाम किया। विजयवाड़ा की 19 वर्षीय सूर्या ने लगभग एक घंटे तक चले महिला एकल फाइनल में तन्वी पत्री को 17-21, 21-12, 21-14 से हराया। वहीं पुरुष एकल फाइनल में ऋत्विक ने भरत को 21-16, 22-20 से शिकस्त दी। तन्वी ने पहले गेम के बीच में नियंत्रण बनाते हुए सूर्या को कई अनफोर्स्ड गलतियां कराईं। दूसरे गेम में 6-5 के स्कोर पर सूर्या का एक सर्विस रिटर्न नेट में गया जिसे सर्विस जज ने 'ऊंचाई की गलती' करार दिया जिससे सूर्या को राहत मिली।

एमसीजी के क्यूरेटर ने कहा-पहले दिन 20 विकेट गिरने से था सदमे में

मेलबर्न, एजेंसी

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) के मुख्य क्यूरेटर मैथ्यू पेज ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच बॉक्सिंग डे (26 दिसंबर) टेस्ट के पहले दिन 20 विकेट गिरने के बाद वह 'सदमे की स्थिति में' थे और नीरस ड्रॉ से बचने के लिए तेज गेंदबाजों के अनुकूल पिच तैयार की गई। इस मैच में शुरू से लेकर आखिर तक विकेटों की झड़ी लगी रही और मैच दो दिन में समाप्त हो गया।

इंग्लैंड ने इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को चार विकेट से हराया। श्रृंखला के 2017 में खेले गए मैच के नीरस ड्रॉ के रूप में समाप्त होने बाद एमसीजी पिच में नई जान डालने के लिए नियुक्त क्यूरेटर पेज ने रविवार को स्वीकार किया कि पिच पर 10 मिमी घास छोड़ना जरूरत से ज्यादा साबित हुआ।

इसके कारण केवल 142 ओवरों में 36 विकेट गिरे, जिसके चलते इस पिच ने खिलाड़ियों और अधिकारियों दोनों के कान खड़े कर दिए। पेज की रविवार को पत्रकारों से कहा पहले दिन के बाद मैं सदमे में था।

तीसरे अंपायर से बात करते एमसीजी के मुख्य क्यूरेटर (बाएं)। एजेंसी

हम निश्चित रूप से निराश हैं कि यह मैच केवल दो दिन तक चला। यह रोमांचक टेस्ट मैच था, लेकिन यह लंबी अवधि तक नहीं चला। हम इससे सबक लेंगे और अगले साल बेहतर विकेट तैयार करने की पूरी कोशिश करेंगे।

उन्होंने कहा मैं पहले कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहा और उम्मीद है कि भविष्य में मैं फिर से कभी इस तरह के टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं रहूंगा। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर 2011 के बाद पहला टेस्ट मैच जीता लेकिन इसके बावजूद उसके कप्तान बेन स्टोक्स ने गेंदबाजों के लिए बेहद अनुकूल पिच की कड़ी आलोचना की थी। पेज ने कहा हम जानते हैं कि यह मैच हमारी योजना के अनुसार नहीं चला। हमें पूरे चार-पांच दिन तक बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बने रहने की उम्मीद थी ताकि इस मैच का रोमांचक अंत हो सके।

160 किमी प्रति घंटे की गति मेरे लिए रखती थी सबसे ज्यादा मायने : ली

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व गेंदबाज ब्रेट ली तेज गेंदबाजी के प्रति इतने जुनूनी थे कि उन्होंने नौ साल की उम्र में ही 160 किमी प्रति घंटे की रफ्तार हासिल करने का लक्ष्य बना लिया था और जब तक उन्होंने यह जादुई आंकड़ा हासिल नहीं कर लिया तब तक उनके लिए कोई भी व्यक्तिगत उपलब्धि या सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के विकेट उखाड़ना कोई मायने नहीं रखता था।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के हॉल ऑफ फेम में शामिल किए गए 49 वर्षीय ली ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन अपने इस सपने को साकार करने के लिए समर्पित कर दिया था। इसके लिए उन्होंने अपनी मां हेलेन को श्रेय दिया जो एक फर्राटा धाविका थीं और इस तरह से उनके पास रफ्तार का सौदागर बनने के लिए आवश्यक आनुवंशिक गुण थे। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार ली ने कहा वह (160 किमी प्रति घंटा) मेरे लिए किसी भी विकेट से कहीं अधिक मायने रखता है।

बैडमिंटन

सेन, सात्विक, चिराग का अच्छा प्रदर्शन

युवा शटलरों ने भी जगाई उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन के लिए वर्ष 2025 उतार-चढ़ाव वाला रहा, जिसमें कई प्रमुख खिलाड़ियों को फॉर्म हासिल करने के लिए जूझना पड़ा, लेकिन लक्ष्य सेन का एक खिताब, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतना और युवा खिलाड़ियों की शानदार प्रगति ने उम्मीद की किरण भी जगाई। भारतीय खिलाड़ियों को इस वर्ष फिटनेस से जुड़ी समस्याओं से भी जूझना पड़ा, जिसका असर उनके प्रदर्शन पर भी पड़ा। इस सत्र में भारतीय खिलाड़ियों की सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तिगत उपलब्धि सेन की ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में खिताबी जीत रही।

सेन ने 2023 में कनाडा ओपन के बाद पहली बार सुपर 500 खिताब जीता और पिछले साल दिसंबर में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 जीतने के बाद यह उनका पहला खिताब था। हांगकांग ओपन में वह उपविजेता रहे थे। सात्विक और चिराग ने सत्र की शुरुआत में चोट और बीमारी से जूझने के बावजूद भारत की प्रमुख युगल जोड़ी के रूप में अपनी स्थिति को फिर से स्थापित किया। इस जोड़ी ने पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, हांगकांग ओपन और चीन मास्टर्स के फाइनल में जगह बनाई और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स के नॉकआउट चरण में पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बनकर साल का सकारात्मक अंत किया। किदाम्बी श्रीकांत ने इस सत्र में वापसी की झलक दिखाई लेकिन वह कोई ट्रॉफी नहीं जीत पाए। मलेशिया मास्टर्स और सैयद मोदी इंटरनेशनल में उपविजेता रहकर उन्होंने पुराने दिनों की याद दिलाई लेकिन लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म नहीं कर सके। सैयद मोदी इंटरनेशनल टूर्नामेंट में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने महिला युगल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

चिराग शेट्टी, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व लक्ष्य सेन। एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन में वर्ष 2025 में सबसे उत्साहजनक संकेत युवा पीढ़ी से मिले। 20 वर्षीय आयुष शेट्टी ने अमेरकी ओपन सुपर 300 जीता और बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर प्रतियोगिताओं में लगातार अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने जापान के कोदाई नाराओका, पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू, चीनी ताइपे के चाउ टिएन चेन और कनाडा के ब्रायन यांग पर भी उल्लेखनीय जीत दर्ज की, जिससे उनकी शानदार प्रगति का पता चलता है।

तन्वी शर्मा।

विश्व जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी ने रजत जीतकर सबका ध्यान खींचा

सोलह वर्षीय तन्वी शर्मा ने विश्व जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक जीतकर सबका ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्होंने अमेरिकी ओपन के फाइनल में भी जगह बनाई थी तथा सैयद मोदी इंटरनेशनल में पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा को हराकर इस सत्र की सबसे शानदार जीत में से एक हासिल की। तन्वी ने गुवाहाटी मास्टर्स में उपविजेता रहकर वर्ष का समापन किया। उन्नति हुडा ने विश्व जूनियर टीम चैंपियनशिप में भारत को कांस्य पदक दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतकर विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर पहुंच गईं। चीन मास्टर्स में पीवी सिंधू पर उनकी जीत ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। गुवाहाटी मास्टर्स में संस्कार सारस्वत ने अपना पहला सुपर 100 खिताब जीता।

सीनियर खिलाड़ियों ने किया निराश

भारत के सीनियर खिलाड़ियों के लिए हालांकि वर्ष 2025 काफी हद तक निराशाजनक साबित हुआ। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु तीन बार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं, लेकिन उन्हें छह बार पहले दौर में और चार बार दूसरे दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। साल की शुरुआत में हैमस्ट्रिंग की समस्या ने उनके अभियान को बाधित किया, जिसके बाद पैर में चोट लगने के कारण उन्हें अक्टूबर के बाद सभी बीडब्ल्यूएफ प्रतियोगिताओं से नाम वापस लेना पड़ा। वर्ष 2023 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय के लिए यह सत्र और भी कठिन रहा। चोटों ने उनके प्रदर्शन को बुरी तरह प्रभावित किया। जनवरी में इंडिया ओपन में टखने की चोट और सितंबर में कोरिया ओपन में पसली की मांसपेशियों में लगी चोट के कारण वे नियमित रूप से अभ्यास नहीं कर पाए, जिससे उन्हें नौ बार दूसरे दौर से और आठ बार पहले दौर से बाहर होना पड़ा। भारत ने टीम प्रतियोगिताओं में भी निराशाजनक प्रदर्शन किया। एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप और सुदीरमन कप में भारत का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।

साक्षात्कार

ड्रैग फ्लिकर दीपिका सेहरावत ने कहा -अगले साल टीम करेगी अच्छा प्रदर्शन

नया साल महिला हॉकी के लिए नई उम्मीद लाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए यह साल मैदान के भीतर और बाहर भले ही अच्छा नहीं रहा हो, लेकिन हॉकी इंडिया लीग के जरिये पांच महीने बाद मैदान पर वापसी को तैयार ड्रैग फ्लिकर दीपिका सेहरावत का मानना है कि नए साल में चीजें अच्छे के लिए बदलेंगी। अगस्त में एशिया कप के लिए रवानगी से एक दिन पहले आखिरी अभ्यास सत्र में पैर फिसलने के कारण टीम से बाहर हुई दीपिका ने स्वीकार किया कि बीते साल टीम अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाई, लेकिन यह भी कहा कि नया साल नई उम्मीदें लेकर आएगा।

हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी कर रही 22 वर्ष की इस फॉरवर्ड ने कहा नए साल में नई चीजें शुरू होंगी तो काफी कुछ बदलेगा। अगला साल काफी अहम है जिसमें विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना सबसे पहली चुनौती है और 2026 में एशियाई खेल भी हैं। प्रो लीग में आखिरी स्थान पर रहने के अलावा एशिया कप के फाइनल में चीन से 1-4 से हारकर भारतीय महिला टीम ने बेल्जियम और नीदरलैंड में अगले साल अगस्त में होने वाले विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने का मौका गंवा दिया। अब उसे मार्च में हैदराबाद में क्वालीफायर खेलना है जिसमें इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरूग्वे, वेल्स और आस्ट्रिया भी भाग लेंगे और शीर्ष तीन टीमें विश्व कप का टिकट कटायेंगी।

वर्ष 2025 में हॉकी इंडिया के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार जीतने वाली दीपिका ने कहा हॉकी से दूर ये पांच महीने मेरे लिए बहुत कठिन थे। मुझे गुस्सा आता था और मैं रोती थी कि टीम से बाहर क्यो हूं क्योंकि एशिया कप के लिये मेरी तैयारी अच्छी थी। अब पूरी तरह फिट होकर वापसी कर रही हूं और अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़नी है। उन्होंने कहा हमें दिखाना है कि भारत की महिला हॉकी टीम भी किसी से कम नहीं है।टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद महिला हॉकी का ग्राफ जो ऊपर गया था, उसे फिर लौटाना है। पिछला साल अच्छा नहीं रहा लेकिन अगला साल नई सुबह लेकर आएगा।

खिलाड़ी के लिए फिटनेस बहुत जरूरी

दीपिका ने कहा कि एक खिलाड़ी के लिये शारीरिक के साथ मानसिक फिटनेस भी बहुत जरूरी है और एचआईएल में उनकी टीम एसजी पाइपर्स ने इसमें उनकी काफी मदद की। उन्होंने कहा खिलाड़ी अगर मानसिक तौर पर रिलैक्स हो तो शारीरिक फिटनेस आ ही जाती है। हम खुश रहते हैं तो प्रदर्शन भी अच्छा होता है। मैं हॉकी इंडिया लीग के जरिये वापसी करना चाहती थी तो राष्ट्रीय टीम का शिविर खत्म होने के बाद एसजी पाइपर्स ने मेरे लिये जयपुर में 15 दिन के विशेष शिविर का इंतजाम किया और मुझ पर भरोसा जताया। इसी की वजह से मैं फिट होकर वापसी कर सकी हूं। अब चोट से पहले वाले फॉर्म में लौटकर उन्होंने ड्रैग फ्लिक भी शुरू कर दी है।